Page 11 | खेल | नेशनल गेम्स राउंड अप : ज्योति याराजी और अनिमेष कुजुर को स्वर्ण

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 10 | देश | नए विवाद में फंसे एल्विश यादव, जयपुर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर...

मूल्य ₹ 2.00

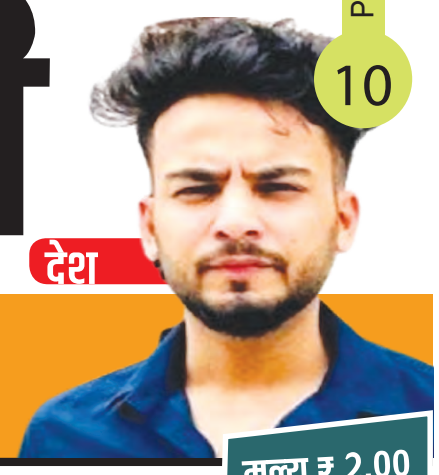

शुक्ल पक्ष,मघा, विक्रम संवत् 2081 • औरंगाबाद • गुरूवार • 13 फरवरी 2025 • वर्ष 27 • अंक 65 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 86,670	₹99,500

आज का इतिहास

- 1879 : भारत के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय नेताओं में से एक सरोजनी नायडू का जन्म हुआ।
- 1931 : नई दिल्ली का उद्घाटन वायसराय लॉर्ड इरविन द्वारा ब्रिटिश भारत की नई राजधानी के रूप में किया गया था।

न्यूज बाइट्स

महर्षि दयानन्द सरस्वती को उनकी जयंती पर नरेन्द्र मोदी की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आर्य समाज के प्रवर्तक महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती पर बुधवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और आडंबर तथा अंधविश्वासों के प्रति उनके जागरूकता अभियान का स्मरण करते हुए कहा कि उनके विचार देशवासियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,"महान चिंतक, समाज सुधारक एवं प्रखर राष्ट्रवादी महर्षि दयानंद सरस्वती जी को उनकी जयंती पर कोटि-कोटि नमन। वे जीवनपर्यंत समाज को अज्ञानता, अंधविश्वास और आडंबर के खिलाफ जागरूक करने में जुटे रहे। शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ भारतीय विरासत और संस्कृति के संरक्षण के लिए उनके प्रयास देशवासियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।" दयानन्द सरस्वती का जन्म फाल्गुन दशमी, विक्रमी संवत् 1881 (12 फरवरी, 1825 ई.) गुजरात की तत्कालीन मोरबी रियासत में टंकारा में हुआ था जो आधुनिक राजकोट जिले में पड़ता है। उनके पिता का नाम श्रीकर्षणजी और माँ का नाम यशोदा बाई था। महर्षि दयानन्द ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत् 1932(सन् 1875) को गिरगांव मुम्बई में आर्यसमाज की स्थापना की।

बिहार में बंद हुआ 27.55 लाख सिम

पटना (नि.सं.)। बिहार में साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए दूरसंचार विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। 27.55 लाख सिम कार्ड बंद कर दिए है। ये वे नंबर हैं, जो एक ही आईडी पर 9 से अधिक जारी किए गए थे। बिहार में हजारों लोगों के पास 9 से अधिक सिम कार्ड थे, जिनका इस्तेमाल साइबर ठगी में किया जा रहा था। आंकड़ों के मुताबिक राज्य में 5,000 से अधिक ऐसे यूजर्स हैं जिनके पास 5,000 से 6,000 तक सिम कार्ड हैं। वहीं, हजारों लोगों के पास 9 से अधिक सिम हैं। अब सरकार ने सख्ती दिखाते हुए अधिकतम 9 सिम रखने की सीमा तय कर दी है। इस अभियान के तहत जिन नंबरों को बंद किया गया है, उनमें तीन लाख सरकारी टेलीकॉम

रविदास जयंती पर सीएम नीतीश कुमार बापू सभागार में आयोजित विकास मित्रों के क्षमतावर्द्धन कार्यक्रम में हुए शामिल, कहा

विकास मित्रों के मानदेय में हर साल होगी वृद्धि

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास मित्रों को लेकर बड़ी घोषणा की है। संत शिरोमणि रविदास जयंती पर सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित बापू सभागार में आयोजित विकास मित्रों के क्षमतावर्द्धन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बड़ी बातें कही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरू से हमने समाज के सभी वर्गों वो चाहे हिंदू हों, मुसलमान हों, सामान्य वर्ग हों या पिछड़ा हों, अति पिछड़ा हों, दलित हों या महादलित हों सबके हित के लिए काम किया। वंचित वर्ग के लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिए कई विशेष कार्यक्रम एवं योजनायें चलायी गयीं। महादलित वर्ग तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए वर्ष 2009 में बिहार महादलित विकास मिशन की स्थापना की गई, जिससे महादलित वर्ग के लोगों को काफी लाभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में विकास मित्रों के मानदेय को 13 हजार 700 रूपये से बढ़ाकर 25 हजार रूपये कर दिया गया। इतना ही नहीं, मानदेय में हर साल बढ़ोतरी की जा रही है। प्रति वर्ष मानदेय में 5 प्रतिशत की वृद्धि की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं। वर्ष 2018 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवक एवं युवतियों के रोजगार को लेकर 'उद्यमी योजना' की शुरुआत की गई। इस योजना के तहत उद्योग लगाने के लिए 10 लाख रुपये की सहायता दी जा रही है जिसमें 5 लाख रुपये का अनुदान एवं 5 लाख रुपया ब्याज मुक्त ऋण के रूप में उपलब्ध कराया जा रहा है। इस वर्ग के युवक एवं युवतियों को 'सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना' का लाभ मिल रहा है। युवकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना' की शुरुआत की गई है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय एवं छात्रावास की स्थापना की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचिज जनजाति वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए और जो भी आवश्यकताएं होंगी उसे पूरा किया जाएगा। समाज के सभी तबके एवं सभी क्षेत्रों के उत्थान के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे हैं। हमलोगों के सरकार में आने के पहले क्या स्थिति थी, सभी लोग जानते हैं। शाम के वक्त लोग घर से बाहर नहीं निकलते थे। अब लोग देर रात तक घूम फिर रहे हैं और अपना कारोबार कर रहे हैं। अभी हम यात्रा में सभी जगह घूमकर लोगों से मिल रहे हैं। सरकार की योजनाओं का लाभ उन्हें किस प्रकार मिल रहा है इसके बारे में भी बातचीत कर रहे हैं। हमने अधिकारियों से कहा है कि जो भी समस्याएं लोग बताते हैं उसका त्वरित समाधान करें। लोगों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो इसके लिए हमलोग काम कर रहे हैं। हमलोग वर्ष 2005 से एक साथ मिलकर राज्य का विकास कर रहे हैं। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया था। केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से भी राज्य के विकास के लिए पूरा सहयोग मिल रहा है। गरीब तबके के उत्थान के लिए जो भी जरूरतें होंगी उसपर काम करेंगे। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम करते रहेंगे। आज के इस अवसर पर संत शिरोमणि रविदास जी को नमन करता हूं। आप सबका अभिनंदन करता हूं।

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए योजनाएं

मुख्यमंत्री ने बताया कि 2018 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए ब्याज मुक्त ऋण योजना शुरू की गई थी। सरकार का उद्देश्य इन वर्गों के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें विकास की मुख्यधारा में जोड़ना है।

मुख्यमंत्री को विकास मित्रों ने किया सम्मानित

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को विकास मित्र बिहू कुमार एवं रजनी कुमारी ने प्रतीक चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री जनक राम, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सचिव देवेश सेहरा ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर लघु जल संसाधन सह आपदा प्रबंधन मंत्री संतोष कुमार सुमन, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री रत्नेश सावा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ। एस। सिद्धार्थ, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना प्रमंडल के आयुक्त मयंक बरब, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के निदेशक श्याम बिहारी मीणा, बिहार महादलित विकास मिशन के निवेशक गौतम पासवान, पटना के जिलाधिकारी डॉ। चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में विकास मित्र उपस्थित थे।

विजय सिन्हा ने बताया कहां तक पहुंचा काम

बिहार में कहीं से भी अधिकतम 50 किमी पर फोरलेन हाइवे

निज संवाददाता | पटना

बिहार में आने वाले समय में किसी भी कोने से अधिकतम 50 किलोमीटर की दूरी पर फोरलेन हाइवे उपलब्ध होगा। राज्य के डिप्टी सीएम सह पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को बताया कि इस योजना पर अब तक क्या-क्या हुआ है और आगे क्या होने वाला है। सिन्हा के अनुसार बिहार में 6650 करोड़ की सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है। लगभग दो हजार करोड़ की योजनाएं निविदा के चरण में हैं। वहीं, 1060 करोड़ रुपये की योजनाएं एकरारनामा के स्तर पर हैं। प्राथमिकता के आधार पर विभाग विजन-2030 पर काम कर रहा है। इसके तहत राज्य के किसी भी हिस्से को 50 किलोमीटर के भीतर किसी न किसी फोरलेन हाइवे तक पहुंच सुलभ कराने पर बल दिया गया है।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने बुधवार को विभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पथ निर्माण विभाग की ओर से विभागीय कार्यों को सुसंगत बनाने के लिए यांत्रिक उपभाग को पुनर्गठित करने पर विचार किया जा रहा है। विभाग की कोशिश है कि अभियंताओं के अनुभव और कार्यक्षमता का युक्तिसंगत लाभ लिया जा सके। साथ ही खास विशेषज्ञता रखने वाले अभियंताओं को प्लानिंग, डिजाइन और अनुश्रवण से जोड़कर उनकी दक्षता का लाभ लिया जाएगा।

इस बैठक में केंद्र सरकार के साथ बेहतर तालमेल बनाने पर भी जोर दिया गया। विभाग के एनएच उपभाग को तय समयसीमा के भीतर काम पूरे करने के लिए मुख्य अभियंता स्तर पर साप्ताहि सुनवाई करने का निर्देश दिया गया है। इस व्यवस्था को और सुदृढ करने के लिए 'मॉनिटरिंग एप' विकसित किया जाएगा ताकि वरीय अभियंताओं के क्षेत्र भ्रमण का रिकॉर्ड तथा रियल टाइम प्रगति अपडेट मुख्यालय को मिल सके। डिप्टी सीएम ने कहा कि सुलभ और संपर्कता के साथ हमारा सुरक्षित कनेक्टिविटी पर भी विशेष जोर है। इसके लिए हर डिवीजन में फुटब्रिज, जगह-जगह पर जेब्रा क्रॉसिंग तथा दृष्टिबाधित राहगीरों के लिए रेज्ड रोड मार्किंग की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।

बिहार सरकार ने दिया अतिक्रमण हटाने का आदेश

छह जिलों में सेना की जमीन पर कब्जा

निज संवाददाता | पटना

बिहार के छह जिलों में सेना की 76.25 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा हो गया है। यह कब्जा केवल आम लोगों द्वारा ही नहीं, बल्कि सरकारी विभागों द्वारा भी किया गया है, जिससे सेना को अपनी भूमि पर निर्माण और सुरक्षा दीवार बनाने में मुश्किलें आ रही हैं। पटना और जहानाबाद जिले इस मामले में सबसे प्रभावित हैं। पटना के नौसा इलाके में 19.88 एकड़ और जहानाबाद के कुदरा में 18.96 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा हो चुका है। इसके अलावा, मुजफ्फरपुर, सासाराम और गोपालगंज के कुछ हिस्सों में भी अतिक्रमण की खबरें हैं, जिनमें प्रमुख रूप से सरकारी विभागों का भी कब्जा शामिल है। मुजफ्फरपुर में अवैध कब्जा सबसे गंभीर रूप में सामने आया है। यहां स्टेशन हेडक्वार्टर की 9.36 एकड़ जमीन पर सरकारी विभागों के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने भी कब्जा किया है। इसमें से 4.48 एकड़ भूमि पर बिजली और पीएचईडी विभाग का कब्जा है। इस गंभीर मामले के सामने आने के बाद दानापुर सर्किल के जनरल ऑफिसर कमांडिंग ने बिहार सरकार के राजस्व और भूमि सुधार विभाग को सूचित किया और अवैध कब्जा हटाने का अनुरोध किया। इसके बाद संबंधित जिलों के समाहर्ताओं को अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया गया है।

गलत म्यूटेशन और मुकदमेबाजी का मुद्दा

सेना की भूमि पर अतिक्रमण बढ़ने का एक प्रमुख कारण जमीन के रिकॉर्ड में गड़बड़ी है, जिससे जमीन पर कब्जे की संख्या बढ़ी है। इसके अतिरिक्त, कई जगहों पर अनावश्यक मुकदमेबाजी भी हो रही है, जिससे भूमि के अभिलेखों का सही तरीके से रख-रखाव करना मुश्किल हो रहा है।

बिहार में गाड़ियों पर पुलिस और प्रेस का नेम प्लेट लगाकर होता है गलत काम : डीजीपी

निज संवाददाता | पटना

बिहार पुलिस अब फिजिकली अनफिट और नाकाम पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई के मूड में है। राज्य के डीजीपी विनय कुमार ने बुधवार को स्पष्ट कर दिया कि जो पुलिसकर्मी ड्यूटी निभाने में अक्षम पाए जाएंगे, उन्हें अनिवार्य रिटायरमेंट देकर पेंशन प्रदान की जाएगी। साथ ही, गाड़ियों पर 'पुलिस' या 'प्रेस' जैसी विशेष पहचान लगाकर असामाजिक गतिविधियों में लिप्त लोगों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है। डीजीपी ने सभी पुलिस पदाधिकारों को जांच के आदेश दिए हैं। डीजीपी ने कहा कि पुलिसकर्मियों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी। जो 50 साल से अधिक उम्र के हैं और ड्यूटी के लिए फिट नहीं हैं, उन्हें सेवा से हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके लिए बिहार पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसएसपी, एसपी और रेल पुलिस इकाइयों के अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिया है। इस कार्रवाई के तहत न केवल सिपाही बल्कि डीएसपी रैंक तक के अफसरों की भी जांच होगी। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे और काम के लायक नहीं रह गए पुलिसकर्मियों की सूची तैयार की जा रही है। यदि वे सेवा देने में अक्षम पाए गए तो उन्हें 31 मार्च तक सेवानिवृत्त किया जा सकता है। बिहार में अपराध और अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस विभाग लगातार सुधारों की दिशा में आगे बढ़ रहा है। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि अब केवल फिट और कर्मठ पुलिसकर्मियों को ही सेवा में बनाए रखा।

सहकारिता मंत्री ने वर्चुअल बैठक में समस्याओं पर की चर्चा, कहा

सहकारी समितियों को आर्थिक मदद देकर बनाया जाएगा सुदृढ़

- कई समितियों ने खाद एवं बीज के व्यवसाय के लिए लाइसेंस दिलाने का अनुरोध किया।

निज संवाददाता | पटना

राज्य की सहकारी समितियों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए सरकार ने नई रणनीति अपनाने का फैसला किया है। इन समितियों को आर्थिक सहायता देकर सुदृढ़ बनाया जाएगा, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। श्रमिक सहयोग समितियों को सरकारी कार्यों में प्राथमिकता देने की सिफारिश भी की जाएगी। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार को सहकारी समितियों के साथ वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य राज्य की सहकारी समितियों को सुदृढ़ बनाकर उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है। बैठक में समितियों के कार्यों, उनकी उपलब्धियों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। समितियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने व्यवसाय से संबंधित विस्तृत योजना तैयार कर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक को समर्पित करें, जिससे उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके।

बैठक के दौरान सब्जी उत्पादक सहयोग समितियों के सदस्यों ने सब्जियों को बाजार तक पहुंचाने के लिए छोटे मालवाहक वाहनों और अन्य आधुनिक यंत्रों की जरूरत बताई। इस पर सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री कृषि संयंत्र योजना के तहत सहायता दी जा रही है। कई समितियों ने खाद एवं बीज के व्यवसाय के लिए लाइसेंस की मांग की, जबकि कैमूर व्यापार मंडल सहयोग समिति ने अरवा चावल की खरीद को मान्य कराने का अनुरोध किया।

इस बैठक में कृषि एवं उससे जुड़ी सहयोग समितियां, परिवहन सहयोग समितियां, जन-जातीय सहयोग समितियां, चीनी मिल सहयोग समितियां, कुक्कुट पालन सहयोग समितियां, शिक्षण एवं प्रशिक्षण सहकारी समितियां, श्रमिक सहकारी समितियां और औद्योगिक सहयोग समितियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में इन समितियों के व्यवसायिक विकास की संभावनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

उपेंद्र कुशवाहा ने केन्द्र सरकार से बिहार में बाढ़ और सुखाड़ का मांगा स्थायी समाधान

निज संवाददाता | पटना

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार में बाढ़ और सुखाड़ की समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है। संसद में केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान कुशवाहा ने मोदी सरकार से इस संबंध में नेपाल से बात करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि बिहार कृषि प्रधान राज्य है। यहां किसानों की अपनी समस्याएं हैं। बिहार का एक भाग सुखाड़ तो दूसरा बाढ़ से परेशान होता है। केंद्र सरकार को नेपाल से बात कर बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान निकालने की पहल करनी चाहिए। उपेंद्र कुशवाहा ने मंगलवार को राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि बिहार में शाहाबाद और मगध क्षेत्र के आसपास का इलाका ऐसा है, जहां अगर बारिश ठीक से नहीं होती है तो सुखाड़ की स्थिति पैदा हो जाती है। यहां अंग्रेजों के समय की नहर प्रणाली से सिंचाई हो रही है। सोन नदी से नहर में पानी जाता है तो उसमें गाद भर गया है। इस नहर की उड़ाही और आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता है। सांसद ने मोदी सरकार से इस पर विचार करके जरूरी कदम उठाने की अपील की। कुशवाहा ने कहा कि सोन नदी में बहाव तेज किया जाना चाहिए। 30-35 साल पहले इंद्रपुरी जलाशय नाम से डैम के निर्माण का काम शुरू हुआ था। मगर अभी तक यह परियोजना नहीं पूरी हो पाई है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, अलग-अलग राज्यों से जुड़ा हुआ मामला है। इसलिए केंद्र सरकार को इस ओर पहल करनी चाहिए।

बिहार में बड़े पैमाने पर हुआ आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर

पटना (नि.सं.)। बिहार में 11 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है। ट्रांसफर लिस्ट में सबसे बड़ी जिम्मेदारी अजय यादव को सौंपी गई है। उन्हें शिक्षा विभाग में सचिव बनाया गया है। इसके अलावा अजय यादव को उच्च शिक्षा विभाग का निदेशक और बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक निगम लिमिटेड का एमडी बनाया गया है। अनिमेष कुमार पराशर जो पटना नगर निगम के आयुक्त हैं उन्हें बिहार शहरी आधारभूत संरचना निगम के मैनेजिंग डायरेक्टर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। दिनेश कुमार जो भागलपुर के प्रमंडलीय आयुक्त हैं उनको मुंगेर प्रमंडल के कमिश्नर का एक्स्ट्रा चार्ज दिया गया है। उदयन मिश्रा जो विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा के निदेशक थे।

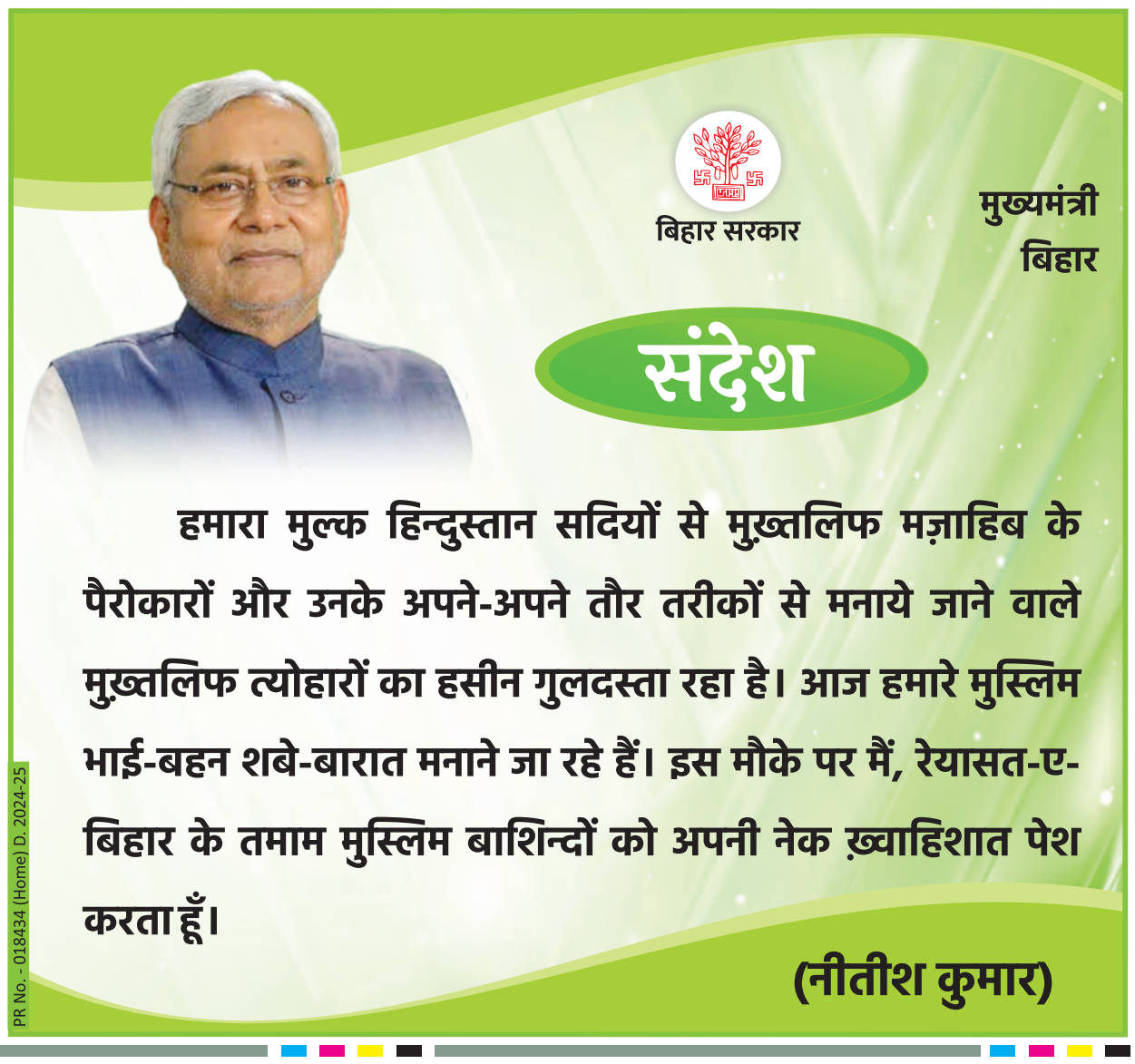

माघी पूर्णिमा के अवसर संगम में पवित्र डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का तांता

माघ पूर्णिमा पर महास्नान : 1.83 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

एजेंसी | नई दिल्ली

माघी पूर्णिमा के अवसर संगम में पवित्र डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। मंगलवार शाम साढ़े छह बजे से ही शुभ मुहूर्त लग गया था। देश-देशांतर के कोने -कोने से तीर्थ यात्रियों के आने और जाने का प्रवाह बना हुआ है। संगम तट सहित सभी घाट श्रद्धालुओं से खचाखच भरे हैं। शंखनाद के साथ 44 घाटों पर महास्नान जारी है। आस्था की डुबकी लगाने वाले हर-हर गंगे, हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ अमृतपान को संगम में समाने लगे। सरकारी अनुमान के मुताबिक, माघ पूर्णिमा पर 2.5 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। फिलहाल संगम तट पर श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

आरपीएफ ने चलाया विशेष चेकिंग अभियान, हड़कंप

फतेहपुर| गया-कोडरमा रेलखंड पर आरपीएफ ने मंगलवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान यात्रियों को यात्रा के दौरान हमेशा सतर्क रहने की नसीहत दी गई। आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ अधिकारियों व जवानों द्वारा इस रेलखंड रूट पर संचालित विभिन्न ट्रेनों में सघन चेकिंग की गयी। साथ ही स्टेशनों, प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय में भी विशेष चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि कहीं पर कोई भी असामाजिक तत्व व संदिग्ध सामान न हो। हालांकि, चेकिंग के दौरान सब कुछ सामान्य मिला। इसके बाद यात्रियों को यात्रा संबंधी जानकारी व अपने सामान पर विशेष नजर रखने को लेकर भी जागरूक किया गया।

इंटरनेट के सकारात्मक उपयोग की दी गई जानकारी

गया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मंगलवार को जिला सूचना विज्ञान केन्द्र, गया की ओर से सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया गया। हर साल फरवरी के दूसरे सप्ताह के मंगलवार को इसे मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदाराना उपयोग के प्रति खासकर बच्चों और युवाओं के बीच जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अपर समाहर्ता (विशेष) अनुग्रह नारायण सिंह उपस्थित रहे। जिनका स्वागत जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, गया विवेक कुमार और अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हर्ष राज ने पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह प्रदान कर किया। स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए डीआईओ, श्री कुमार ने उपस्थित अतिथिगण व युवाओं का स्वागत किया। साथ ही उन्हें साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। विषय पर प्रकाश डालते हुए अपर समाहर्ता श्री सिंह के कहा कि वर्तमान समय में इंटरनेट एक शक्तिशाली माध्यम है, लेकिन इसके साथ साइबर अपराध, डेटा चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर बुलिंग जैसी समस्याएं भी बढ़ी हैं। इसलिए इस दिवस के जरिए लोगों को साइबर सुरक्षा, डिजिटल प्राइवेसी और इंटरनेट के सकारात्मक उपयोग के लिए वर्कशॉप का आयोजन एक प्रभावी कदम है। कार्यक्रम के विषय वस्तु की महत्ता को समझते हुए इसमें अधिक संख्या में लोगों की उपस्थिति पर अपर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, गया हर्ष राज ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में असित राज, पियूष रंजन, परविंदर कुमार, शिवेन्द्र कुमार मालवीय, प्रीतम , राजन कुमार, निरंजन , अश्विनी पाठक, राजेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

तीन साल के कठिन प्रशिक्षण के बाद तिब्बती योगियों ने निकाला कॉटन क्लैड प्रोसेशन

बोधगया। स्थानीय तेरगर मोनास्ट्री में 39वें काग्यु मोनलम के 07 वें दिन तीन साल तक योगी जीवन बिताने वाले लामाओं ने नरोपा के छह योग के आधार पर कॉटन क्लैड प्रोसेशन निकाला। इस प्रोसेशन के दौरान सुबह में योगी लामाओं ने अपने शरीर पर लाल रंग का एक लंबा कपड़ा, लाल काग्यू टोपी, एक योग बेल्ट और छोटी पैंट पहने थे। योगी लामाओं ने कपास के श्वेत कपड़े को पानी से गीला करने के बाद शरीर पर पहनकर पैदल मोनलम पवेलियन तक शोभायात्रा निकाली। इस दौरान दोनों ओर श्रद्धालु आशीर्वाद के लिए हाथों में पवित्र खादा लिए खड़े थे। बाद में पवेलियन में पहुंचकर पूजा स्थल पर बैठे, जहां योग के प्रभाव से उनके गीले कपड़े सूख चुके थे। इसमें उन लामाओं को शामिल किया गया था, जिन्होंने नरोपा के छह योगों की परंपरा में तीन साल की तैयारी पूरी कर ली थी। इसकी शुरूआत 17वें करमापा ने तीन साल पहले की थी, ताकि सातवें करमापा द्वारा शुरू इस परंपरा को लोग जाने। नरोपा के हैं छह योग नरोपा के छह योग हैं, शरीर की गर्मी निकालना(आंतरिक गर्मी निकालना), भ्रमर शरीर का योग, स्पष्ट प्रकाश का योग, स्वप्न अवस्था का योग, भ्रामक शरीर व स्वप्न योग व चेतना के हस्तांतरण का योग। योगासनों को करने के लिए कई अभ्यास और शारीरिक अभ्यास हैं, जिन्हें योग कहा जाता है।

विकास का नया प्रतीक बना नालंदा का यह गांव

नालंदा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आगामी प्रगति यात्रा के मद्देनजर नालंदा जिले का नानंद गांव विकास का एक अनूठा मॉडल बनकर उभर रहा है। सिलाव प्रखंड स्थित यह गांव, जो नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार द्वारा प्रधानमंत्री के आह्वान पर गोद लिया गया था, अब समग्र विकास का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है। मुख्यमंत्री की 20 फरवरी को होने वाली यात्रा से पूर्व, गांव में व्यापक स्तर पर विकास कार्य किए जा रहें हैं। जिला और प्रखंड स्तर के अधिकारियों ने पिछले कई महीनों से इस विकास मॉडल को साकार करने में अथक प्रयास किया है। गांव में किए गए प्रमुख विकास कार्यों में तालाब का सौंदर्यीकरण, आधुनिक सुविधाओं से युक्त पार्क का निर्माण, और महादलित क्लस्टर का विकास शामिल है।

पार्क में कई सुविधाएं उपलब्धः विशेष रूप से निर्मित बहुउद्देशीय पार्क में स्वास्थ्य से जुड़ी समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। पार्क में बच्चों के लिए खेल उपकरण और व्यायाम की सुविधाएं हैं, साथ ही बुजुर्गों के लिए विशेष कॉटेज का निर्माण किया गया है। मनरेगा योजना के तहत पार्क को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया है।

6.5 लाख रुपए की लागत से पुस्तकालय का निर्माणः स्थानीय निवासी रंजन कुमार ने कहा की शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 6.5 लाख रुपए की लागत से एक आधुनिक पुस्तकालय का निर्माण किया गया है। "यह पुस्तकालय हमारे बच्चों के लिए ज्ञान का केंद्र बनेगा," महादलित क्लस्टर को मुख्य मार्ग से जोड़ा गया है और यहां सामुदायिक भवन जैसी बुनियादी सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। एक स्थानीय निवासी विजय कुमार ने बताया की ग्रामीणों में मुख्यमंत्री की यात्रा को लेकर उत्साह है। "हमारे गांव का चहुंमुखी विकास हो रहा है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी की जरूरतों का ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी प्रगति यात्रा के दौरान इन सभी विकास कार्यों का जायजा लेंगे और क्षेत्र के लिए नई योजनाओं की घोषणा भी कर सकते हैं। नानंद गांव का यह विकास मॉडल राज्य के अन्य गांवों के लिए एक मिसाल बन सकता है।

कुंभ मेले के लिए स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

नालंदा। कुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा कई कुंभ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू किया जा रहा है। इस विशेष पहल के तहत धनबाद-टुंडला, बरौनी-झूसी और किऊल-प्रयागराज जंक्शन के बीच एक-एक ट्रिप कुंभ स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

धनबाद-टुंडला कुंभ मेला स्पेशलः गाड़ी संख्या 03697 धनबाद-टुंडला कुंभ मेला स्पेशल 15 फरवरी 2025 को धनबाद से दोपहर 12:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 09:00 बजे टुंडला पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 03698 टुंडला-धनबाद कुंभ स्पेशल 16 फरवरी 2025 को टुंडला से शाम 16:00 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 12:40 बजे धनबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन पारसनाथ, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, चंदौली मझवार, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, चुनार, मिर्जापुर और प्रयागराज जंक्शन सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकेगी।

किऊल-प्रयागराज जंक्शन कुंभ मेला स्पेशलः गाड़ी संख्या 03213 किऊल-प्रयागराज जंक्शन कुंभ मेला स्पेशल 19 फरवरी 2025 को सुबह 11:00 बजे किऊल से प्रस्थान कर रात 22:00 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 03214 प्रयागराज जंक्शन-किऊल कुंभ स्पेशल 19 फरवरी 2025 को रात 22:35 बजे प्रयागराज जंक्शन से रवाना होकर अगले दिन दोपहर 13:00 बजे किऊल पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव लखीसराय, शेखपुरा, वारसलीगंज, नवादा, तिलैया, वजीरगंज, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, चंदौली मझवार, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, चुनार और मिर्जापुर सहित अन्य स्टेशनों पर होगा।

बरौनी-झूसी कुंभ मेला स्पेशलः गाड़ी संख्या 05207 बरौनी-झूसी कुंभ मेला स्पेशल 22 फरवरी 2025 को शाम 16:30 बजे बरौनी से प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 05:30 बजे झूसी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05208 झूसी-बरौनी कुंभ स्पेशल 23 फरवरी 2025 को सुबह 08:00 बजे झूसी से रवाना होकर रात 21:15 बजे बरौनी पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव बछवारा, विद्यापतिधाम, शाहपुर पटोरी, हाजीपुर, सोनपुर, छपरा और वाराणसी सहित अन्य स्टेशनों पर होगा। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे ट्रेन संचालन से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करें अथवा नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एन.टी.ई.एस) वेब पोर्टल या मोबाइल ऐप का उपयोग करें।

नालंदा में घर में घुसकर महिला की गोली मारकर की हत्या

निज संवाददाता | नालंदा

नालंदा में मंगलवार की रात घर में घुसकर महिला की गोली मारकर हत्या का मामला सामने आया है। जिसके बाद आसपास के लोग प्रेम प्रसंग को लेकर वारदात को अंजाम देने की चर्चा कर रहे हैं। मामला नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत मेंयार गांव का है। जानकारी के अनुसार, महिला के सीने में गोली लगी, जिससे मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। घटना के समय घर में महिला के दो बेटे मौजूद थे। पति दिल्ली में रहकर मजदूरी का काम करते हैं। मृतका की पहचान मेयार गांव निवासी भूषण यादव की पत्नी अनीता देवी (35) के रूप में हुई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेजा। वहीं, पुलिस मामले की गहनता से जांच करने के लिए परिजन से बातचीत कर रही है। साथ ही मृतका के बेटे से पूछताछ करने के लिए पुलिस स्टेशन ले गई है।

बहन की बेटी बोली- मौसेरे भाई ने दी मौसी की हत्या की सूचनाः मृतका की बहन की बेटी ने बताया कि मंगलवार की देर रात मौसेरे भाई ने फोन करके कहा कि मौसी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जानकारी मिलते ही हमलोग आनन-फानन में मौसी के घर पहुंचे। वहां पहले से पुलिस और लोगों की भीड़ मौजूद थी।पुलिस ने मौजूद लोगों से पूछताछ करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवती ने बताया कि मौसी के सीने में दाहिने साइड से गोली मारी गई थी। जिसकी वजह से उनकी घर पर ही मौत हो गई थी। जानकारी मिली की 2 लोगों ने घर में घुसकर घटना को अंजाम दिया है।

प्रेम प्रसंग में गोली मारने की चर्चाः वहीं, आसपास में मौजूद लोगों के बीच महिला के प्रेम प्रसंग की चर्चा है। जिसको लेकर लोगों का कहना है कि उसके प्रेमी ने ही अन्य लोगों को भेजकर घर में घुसकर गोली मारने की वारदात को अंजाम दिया है। घटना के समय घर में मृत महिला का एक 14 साल और 13 साल का बेटा मौजूद था।

पति के आने के बाद पूछताछ की जाएगीः इस मामले में सदर एसडीपीओ टू संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि मंगलवार की रात 1:30 बजे के करीब नूरसराय थाना पुलिस को सूचना मिली कि मेयार गांव में एक महिला की गोली मार हत्या कर दी गई है। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। लोगों के बीच प्रेम प्रसंग की चर्चा हो रही है। प्रशासन हर बिंदुओं पर मामले की जांच कर रही है। महिला के पति को सूचना दी गई है। पति के आने के बाद उनसे भी इस मामले को लेकर पूछताछ की जाएगी।

नालंदा में चचेरे भाई ने युवक को मारी गोली, जख्मी

निज संवाददाता | नालंदा

नालंदा में मंगलवार की शाम जमीन को लेकर विवाद में चचेरे भाई ने युवक पर फायरिंग की। इस दौरान युवक के हाथ में गोली लगी है। घटना के बाद घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां उपचार किया जा रहा है। जख्मी युवक सोहसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत लोहगानी गांव के बृजनंदन यादव का बेटा विक्की कुमार (26) है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर जांच के लिए पहुंची तो आरोपी घर छोड़कर फरार है। मिली जानकारी के अनुसार बताया गया है कि युवक पर 3 से 4 राउंड फायरिंग की गई है।

चाचा के आदेश पर उनके बेटे ने चलाई गोलीः जख्मी युवक ने बताया कि वो छड़,गिट्टी,सीमेंट की दुकान चलाता है। कल देर शाम जब वो दुकान बंद करके लौट रहा था तो रास्ते में उसके चाचा और उनके बेटे मिले। चाचा के आदेश पर चचेरे भाई ने उसके ऊपर गोली चला दी। जो उसके दाहिने बांह में जाकर लगी। गोली की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। जिसके बाद उसे बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। जहां फिलहाल वो इलाजरत है।

आरोपी घर छोड़कर फरारः इस मामले में सदर डीएसपी मोहम्मद खुर्शीद आलम ने बताया कि भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच गोलीबारी की घटना हुई है। जिसमें गोली लगने से एक युवक जख्मी हो गया है। दोनों ओर से इस मामले में आवेदन दिया गया है। कुल 3 से 4 राउंड फायरिंग की बात सामने आई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुट गई है। आरोपी घर छोड़ फरार है।

अफवाहों पर ध्यान ना दें, जिले में उर्वरक की कोई कमी नहीं : डीएम

निज संवाददाता | गया

जिले के किसानों को उर्वरक मिलने में कोई परेशानी ना हो इसके लिए जिला प्रशासन व विभाग गंभीर है। इसके लिए जिले भर में उर्वरक दुकानों की जांच की जा रही है और इस दौरान किसानों के बयान भी लिए जा रहे हैं। डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों को प्रखंडों अवस्थित उर्वरक दुकानों की जांचकर उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अनियमितता सामने आने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम डॉ. त्यागराजन ने कहा कि पूर्व में भी उर्वरक दुकानों की जांच करवाई गई है। जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने वाले दुकानदारों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जा चुकी है। मंगलवार को सभी वरीय पदाधिकारी के माध्यम से उर्वरक केंद्रों की जांच करवाई गई। बताया जाता है कि कुछ प्रखंडों में उर्वरक विक्रेताओं द्वारा कृत्रिम कमी की स्थिति उत्पन्न की जा रही है। डीएम ने सभी किसानों से अपील करते हुए कहा कि उर्वरक की कोई कमी नहीं है कृपया अफवाह पर ध्यान ना दें। यूरिया की कालाबाजारी करने की सूचना उपलब्ध कराएं, कड़ी कार्रवाई होगी। जांच पदाधिकारी को आवश्यक सहयोग करें : डीएओ डीएम ने जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि जांच पदाधिकारी को जांच व क्षेत्र भ्रमण के क्रम में आवश्यक सहयोग करेंगे। साथ ही जांच पदाधिकारियों से संपर्क व समन्वय स्थापित करते हुए जांच प्रतिवेदन प्राप्त कर समेकित प्रतिवेदन तैयार करेंगे। जिला पदाधिकारी को सारी वस्तु स्थिति से अवगत कराने का निर्देश डीएओ को दिया गया है।

महाकुंभ से लौट रहे 3 लोगों की मौत, 2 घायल

♦ गया में दो वाहनों के बीच टक्कर से हुआ हादसा, पिता-पुत्र की गई जान

निज संवाददाता | गया

प्रयागराज से कुंभ स्नान कर लौट रहे अतरी के पथरौरा गांव के तीन लोगों की सड़क हादसे में मौत हो गई। तीन में दो एक ही परिवार के सदस्य हैं जबकि एक जख्मी है। घटना मंगलवार दोपहर की है। सड़क हादसा मिर्जापुर के मांडू बाजार के पास दो चारपहिया वाहनों की आमने-सामने टक्कर की वजह से हुआ। जिसमें एक ही परिवार के इंद्रजीत सिंह (65), उनके बेटे राजीव कुमार सिंह (30) और पड़ोसी कृष्ण कुमार सिंह (58) की मौके पर ही जान चली गई। हादसे में इंद्रजीत सिंह की पत्नी उर्मिला देवी और कृष्ण कुमार सिंह की पत्नी श्यामा देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें मिर्जापुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। इस दुर्घटना में इंद्रजीत सिंह का 6 वर्षीय पोता शिवांशु कुमार सुरक्षित है। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। इस दौरान दुर्घटनाग्रस्त वाहन से एक मोबाइल बरामद किया। वह मोबाइल इंद्रजीत सिंह का था तो उनका लड़का शिवांशु मोबाइल का लॉक खोल कर सीधे अपने घर वालों को पथरौरा फोन कर घटना की पूरी जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही पूरा गांव हैरान हो गया। बताया गया है कि कार खुद इंद्रजीत सिंह ही चला रहे थे। परिजनों ने बताया कि हादसे की जानकारी मिलने के बाद वे तुरंत मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव बुधवार को गांव लाए जाएंगे। गांव में ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत से गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

अपने दोस्त से मिलने गया पहुंचे राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान

गया। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान गया शहर के न्यू करीमगंज मोहल्ले के शिबली कॉलोनी पहुंचे। यहां उन्होंने अपने पुराने दोस्त ताबिश पटेल से मुलाकात की। ताबिश पटेल ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक सेल के राष्ट्रीय संयोजक हैं। वे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कांग्रेस प्रभारी भी हैं। राज्यपाल ने ताबिश पटेल की मां नूरूस सहर से भी मुलाकात की। वे लंबे समय से बीमार हैं। राज्यपाल ने उनका हालचाल लिया। परिवार के अन्य सदस्यों से भी बातचीत की। राज्यपाल ने पटेल परिवार के साथ डिनर किया। करीब दो घंटे तक वहां रुके। इसके बाद सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए।

'बेटी ने पैसा लौटाने को कहा तो मारी गोली'

निज संवाददाता | नालंदा

नालंदा में पैसे के विवाद को लेकर एक शख्स ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। मामला परबलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मिल्कीपर गांव का है। मृतका की पहचान मिल्कपुर गांव के रहने वाले 28 साल के राजकिशोर प्रसाद की पत्नी पिंकी देवी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने 4 साल पहले जमीन खरीदने के लिए अपने ससुर से 5 लाख रुपए उधार लिए थे। पिछले कुछ महीने से ससुर पैसे मांग रहे थे, लेकिन दामाद लौटा नहीं रहा था। बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात को पिंकी देवी ने अपने पति राजकिशोर से कहा कि आप पापा के पैसे दे दीजिए। छोटी बहन की शादी करनी है। तीन महीने पहले उसकी शादी तय हुई थी और हाल ही में उसकी शादी होनी है। पापा को पैसे की जरूरत है। इतना कहने पर राजकिशोर ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी राजकिशोर को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी ने ससुर से ये बोल कर पैसे लिए थे कि जमीन खरीदने के लिए पैसे चाहिए, जब आपको छोटी बेटी की शादी करनी होगी, तो लौटा दूंगा। लेकिन राजकिशोर लगातार पैसे मांगने के बाद भी नहीं लौटा रहा था। पैसे लौटाने की बात को लेकर पति-पत्नी में मंगलवार की रात को विवाद हुआ, जिसके बाद राज किशोर प्रसाद ने पिंकी देवी को गोली मार दी। गोली पिंकी देवी के पेट में लगी, जिसके कारण पिंकी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

साल 2013 में पिंकी और राजकिशोर की हुई थी शादीः साल 2013 में परवलपुर थाना क्षेत्र के ताराबिगहा के रहने वाले राजनंदन प्रसाद की बेटी पिंकी देवी की शादी मिल्कीपर गांव के रहने वाले राजकिशोर प्रसाद के साथ हुई थी। पिंकी देवी के छोटी बहन की शादी होनी थी। इसी बात को लेकर वह अपने पति पर पैसे वापस लौटाने का दबाब बना रही थी। डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि मंगलवार की रात पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि मिल्कीपुर गांव में एक महिला की गोली मार हत्या कर दी गई है। घटना की सूचना मिलने के उपरांत पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन में यह पता चला कि महिला के पति ने ही वारदात को अंजाम दिया है। इस संबंध में मृतका के पिता राजनंदन प्रसाद की ओर से दामाद पर गोली मारने का आरोप लगाकर कांड दर्ज कराया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मौके से एक खोखा भी बरामद हुआ है। हथियार बरामदगी के लिए पुलिस छानबीन कर रही है। शव को पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

♦ ससुर बोले- दामाद ने 4 साल पहले जमीन खरीदने के लिए 5 लाख रुपए लिए थे

10 साल से फरार नक्सली गिरफ्तार

निज संवाददाता | गया

गया जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने 10 वर्षों से फरार कुख्यात नक्सली मुनारिक सिंह भोक्ता को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी डुमरिया थाना क्षेत्र के छकरबंधा गांव के पास से हुई। पकड़े गए आरोपी से पुलिस पूछताछ करने में जुटी है। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि 11 फरवरी को सूचना मिली कि कई मामलों में वांछित नक्सली मुनारिक सिंह भोक्ता छकरबंधा गांव में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस और एसटीएफ की टीम ने छापेमारी की। पुलिस को देख कर मुनारिक भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन सशस्त्र बल के जवानों ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तार नक्सली मुनारिक सिंह भोक्ता 2014 में हुए एक हत्या कांड का मुख्य आरोपी है। 6 दिसंबर 2014 की रात मुनारिक और उसके सहयोगियों ने एक व्यक्ति का अपहरण कर जंगल में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में डुमरिया थाना में कांड संख्या 111/2014 के तहत हत्या, अपहरण और आर्म्स एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। मुनारिक ने इस कांड में अपनी संलिप्तता पुलिस के समक्ष स्वीकार की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सम्बन्धित केस में पहले ही तीन नक्सलियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मुनारिक की गिरफ्तारी से नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने बताया कि आरोपी का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है और अन्य नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में शामिल पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

544 वां उर्स : मखदूम बाबा की मजार पर जला चांदी का दीया

निज संवाददाता | गया

मगध की प्राचीन व सबसे बड़ी दरगाह बीथोशरीफ में हजरत मखदूम सैयद शाह दुर्वेश अशरफ रहमतुल्लाह अलैहे के 544 वें उर्स पर आयोजित पांच दिवसीय समारोह के चौथे दिन मंगलवार को मखदूम बाबा की मजार पर चिरागा जला। सबसे पहले उर्स को लेकर जोहर की नमाज के बाद महफिले समां की कव्वाली हुई, फिर कुल शरीफ किया गया। इस संदर्भ में दरगाह के सज्जादानशीं सैयद शाह अरबाब अशरफ ने बताया कि इसी दिन मखदूम बाबा हजरत सैयद शाह दुर्वेश अशरफ रहम. अलैहे दफन हुए थे। कुल में मखदूम बाबा को याद भी किया गया, फिर चादरपोशी हुई। सूर्यास्त के बाद बाबा के मजार पर पारंपरिक तरीके से चिरागा (चांदी का दीया) जला। मजार पर चिरागा जलते ही दर्शन के लिए लाखों की संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। उन्होंने चिरागा के सामने मन्नतें मांगी। ऐसी मान्यता है कि चिरागा जलने के बाद मांगी गई हर मन्नत मखदूम बाबा पूरी करते हैं। उर्स में मखदूम बाबा का द्वार नहीं होता है बंद यह चिरागा सिर्फ उर्स में ही जलता है। चिरागा जलने के बाद काफी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों इसके दर्शन को आते है। उन्हें विश्वास है कि चिरागा के दर्शन के बाद मांगी जाने वाली हर मन्नतें बाबा पूरी करते है। उन्होंने बताया कि उर्स को लेकर 12 फरवरी तक बाबा का दरबार दिन-रात खुला रहता है। हर दिन देश के कई राज्यों से लाखों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंच रहे है। पांच दिवसीय उर्स का आज होगा समापन सज्जादानशीं ने बताया कि पांच दिवसीय उर्स का समापन बुधवार को होगा। समापन के दिन भी मखदूम बाबा के दरबार में काफी भीड़ लगेगी। इस दिन जोहर की नमाज़ के बाद महफ़िले समा की क़व्वाली होगी। मग़रिब की नमाज़ के बाद हज़रत मख़दूम सैयद शाह दुर्वेश अशरफ़ रह० और हज़रत मखदूम सैयद शाह मोहम्मद अशरफ उर्फ़ शाह चांद अशरफ रह. के उर्स का अंतिम क़ुल शरीफ़ होगा, चादरपोशी होगी और दुआओं की मजलिस के साथ उर्स का समापन होगा।

बिहार की तलवारबाज बेटियों ने राष्ट्रीय स्तर पर दिखाया जौहर

♦ नेशनल स्कूल फेंसिंग प्रतियोगिता में मिले कई मेडल, 20 राज्यों के बच्चों ने लिया हिस्सा

निज संवाददाता | नालंदा

पाटलिपुत्र खेल परिसर के इंडोर स्टेडियम में चल रही 68वीं राष्ट्रीय स्कूल फेंसिंग प्रतियोगिता में बिहार की युवा तलवारबाज बेटियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए ईपी टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। देश के 20 राज्यों से आए प्रतिभागियों के बीच यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन का समापन बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशक एवं सचिव रविंद्र नाथ चौधरी की गारिमामय उपस्थिति में हुआ। स्कूल गेम्स फेडरेशन के फील्ड ऑफिसर डी.के. धुर्वे भी इस अवसर पर मौजूद रहे। बालिका वर्ग की ईपी टीम स्पर्धा में हरियाणा ने स्वर्ण और पंजाब ने रजत पदक प्राप्त किया, जबकि बिहार और चंडीगढ़ को संयुक्त रूप से कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। बालक वर्ग में जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों का दबदबा रहा, जहां सेबर एकल स्पर्धा में धनंजय पंडित ने स्वर्ण और अमीश शर्मा ने रजत पदक जीता। फॉयल टीम स्पर्धा में चंडीगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। हरियाणा को रजत से संतोष करना पड़ा, जबकि पंजाब और गुजरात ने कांस्य पदक साझा किया। 10 से 14 फरवरी तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करती हैं। इस प्रतियोगिता से बिहार में तलवारबाजी के प्रति बढ़ते रुझान को भी बल मिला है। राज्य के खेल अधिकारियों ने इस सफलता को आने वाले समय में और बेहतर प्रदर्शन की नींव के रूप में देखा है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को थाना लाकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया की गई पूरी

विभिन्न मामलों में कोर्ट से निर्गत छह वारंटी को किया गया गिरफ्तार, जेल

- पुलिस का विशेष छापेमारी अभियान
- कोर्ट वारंट के आधार पर हुई कार्रवाई
- अभियुक्तों की पहचान और आपराधिक रिकॉर्ड
- स्वास्थ्य जांच के बाद न्यायालय में पेशी

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

पुलिस ने विभिन्न मामलों में फरार चल रहे छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। ये सभी आरोपी लंबे समय से पुलिस की नजरों से बचते फिर रहे थे और कई बार गिरफ्तारी से बचने में कामयाब हो चुके थे, लेकिन इस बार पुलिस ने पूरी तैयारी और रणनीति के साथ छापेमारी कर इन्हें दबोच लिया। पुलिस ने यह कार्रवाई कोर्ट से जारी वारंट के आधार पर की, जिससे फरार अपराधियों पर शिकंजा कसने में सफलता मिली। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें थाना प्रभारी के साथ अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जिला पुलिस बल के जवान शामिल थे। इस टीम ने पूरी सतर्कता और गोपनीयता के साथ काम करते हुए विभिन्न संभावित ठिकानों पर छापेमारी की और आखिरकार मंगलवार की रात सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान मांगोडीह गंगटीया गांव निवासी स्व. किरगी यादव के पुत्र भोला यादव, प्रसाद यादव के पुत्र राजेश यादव, गंगटा गांव निवासी जेहल यादव के पुत्र बालेश्वर यादव, मांगोडीह गांव निवासी स्व. हरि महतो के पुत्र धानु महतो, गोपाल यादव के पुत्र कपिल यादव एवं अमावां गांव निवासी रामवृक्ष सिंह के पुत्र अशोक सिंह के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इन सभी आरोपियों पर विभिन्न संगीन धाराओं में मामले दर्ज थे और ये लंबे समय से फरार चल रहे थे। इनमें से कुछ आरोपी जमानत पर बाहर आने के बाद दोबारा अपराध में लिप्त हो गए थे, जबकि कुछ गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार ठिकाने बदल रहे थे।

पुलिस को इनकी तलाश लंबे समय से थी, लेकिन ये बार-बार बच निकलते थे। वारंट के आधार पर पुलिस को इनके बारे में सटीक जानकारी मिली, जिसके बाद एक सुनियोजित योजना के तहत छापेमारी की गई। इस बार पुलिस ने हर संभावित ठिकाने की गुप्त रूप से निगरानी की, जिससे अपराधियों को भनक तक नहीं लगी और वे भाग नहीं सके। मंगलवार की रात अचानक विभिन्न इलाकों में छापेमारी की गई और देखते ही देखते पुलिस ने इन सभी अपराधियों को घेर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से फरार अपराधियों में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों ने भी राहत की सांस ली। गिरफ्तारी के बाद सभी आरोपियों को थाना लाकर आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की गई।

इसके बाद पुलिस ने सभी को स्वास्थ्य जांच के लिए स्थानीय अस्पताल भेजा, जहां उनकी चिकित्सीय जांच कराई गई। पुलिस ने स्वास्थ्य परीक्षण की औपचारिकता पूरी करने के बाद सभी छह अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई से थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले पस्त हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाई से क्षेत्र में अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी और आम जनता को राहत मिलेगी। पुलिस भी इस सफलता से उत्साहित है और आगे भी अपराधियों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रखने की योजना बना रही है। इस अभियान के बाद पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट संकेत दिया है कि भविष्य में भी फरार अपराधियों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और उन्हें किसी भी हाल में छोड़ा नहीं जाएगा। पुलिस की ओर से यह भी अपील की गई कि यदि किसी को अपने इलाके में कोई संदिग्ध गतिविधि दिखती है या किसी फरार आरोपी के बारे में जानकारी मिलती है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। इससे अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी और अपराध मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में पुलिस को और अधिक सफलता मिलेगी। इस पूरी कार्रवाई से न केवल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहेगी, बल्कि अन्य फरार अपराधियों के लिए भी एक सख्त संदेश गया है कि अब बचना नामुमकिन है। पुलिस लगातार कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है और इसी तरह के विशेष अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

हैंड इन हैंड द्वारा साइबर सुरक्षा को लेकर शिविर का हुआ आयोजन

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड क्षेत्र के शिरोडाबर पंचायत के बलिया गांव में बुधवार को हैंड इन हैंड एवं जॉकनिक फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से साइबर सुरक्षा को लेकर एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और स्थानीय लोग शामिल हुए, जहां विशेषज्ञों ने साइबर अपराधों से बचाव के विभिन्न उपायों पर चर्चा की। शिविर में परियोजना सहायक राजेश कुमार, एमआईएस सुमंत कुमार सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता आनंदी कुमार, संतोष कुमार सुधा और जितेंद्र कुमार ने साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व और इससे जुड़ी चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिजिटल दुनिया में जिस तेजी से तकनीक का विकास हो रहा है, उसी गति से साइबर अपराध भी बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में आम लोगों, विशेष रूप से महिलाओं को सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि वे किसी भी ऑनलाइन ठगी या साइबर फ्रॉड का शिकार न हों। विशेष रूप से महिलाओं के लिए यह बताया गया कि मोबाइल फोन पर आने वाले किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, क्योंकि ये फिशिंग लिंक हो सकते हैं, जो आपकी व्यक्तिगत जानकारी चोरी कर सकते हैं। अनजाने नंबर से आने वाली कॉल को रिसीव करने से बचें, क्योंकि साइबर अपराधी अलग-अलग तरीकों से लोगों को ठगने की कोशिश करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) की जानकारी किसी के साथ साझा न करें, क्योंकि यह धोखाधड़ी का सबसे आम जरिया बन चुका है। शिविर में यह भी समझाया गया कि साइबर अपराधी अक्सर महिलाओं को सोशल मीडिया पर मैसेज और लिंक भेजकर ठगने की कोशिश करते हैं। ऐसे में किसी भी संदिग्ध मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और बिना पुष्टि किए किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। अगर कोई संदेहास्पद गतिविधि महसूस हो, तो तुरंत सतर्क होकर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं। शिविर के दौरान उपस्थित महिलाओं ने भी अपनी समस्याएं और अनुभव साझा किए, जिसमें कई महिलाओं ने बताया कि उन्हें अज्ञात नंबरों से फोन कॉल और मैसेज आते हैं, जिनमें लॉटरी जीतने या बैंक खाते से जुड़ी जानकारी मांगी जाती है। इस पर साइबर विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि कोई भी बैंक या सरकारी संस्था फोन पर आपकी निजी जानकारी नहीं मांगती, इसलिए ऐसे कॉल और मैसेज से बचना चाहिए।

आखिरी लीग मैच में बक्सर ने पटना-2 को 1-0 से हराया

पकरीबरावां (नवादा)(नि.सं.)। इंटर विद्यालय पकरीबरावां के खेल मैदान पर चल रहे अंतरजिला फुटबॉल टूर्नामेंट का आखिरी लीग मैच बुधवार को बक्सर और पटना-2 के बीच खेला गया। मैच में बक्सर की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 1-0 से अपने नाम किया। शुरुआत में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया। पहले हाफ में दोनों टीम गोल रहित रही। दूसरे हाफ में मैच खत्म होने से 10 मिनट पहले बक्सर की टीम ने मैच का एकमात्र गोल दागकर मुकाबला 1-0 से जीत लिया। मैच में बेहतरीन खेल के लिए गोलू खान को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। आयोजक सुबेलाल चौहान एवं मो. इरशाद खान ने बताया कि गुरुवार से सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। पहला सेमीफाइनल गया और पटना के बीच खेला जाएगा। वहीं, 14 फरवरी को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में कोलकाता की टीम आज की विजेता बक्सर से भिड़ेगी। फाइनल 16 फरवरी को खेला जाएगा।

नवादा में मेडिकल कॉलेज स्थापना हेतु भूमि की अनुपलब्धता का समाधान

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी प्रगति यात्रा के दौरान 10 फरवरी को नवादा जिले पहुँचे और उन्होंने नवादा में एक मेडिकल कॉलेज खोलने की महत्वपूर्ण घोषणा की। यह नवादा के विकास एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए एक ऐतिहासिक और अत्यंत आवश्यक कदम है। इस महत्वपूर्ण घोषणा के लिए डॉ श्रीकृष्ण सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष संतोष कुमार ने माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी एवं नवादा के सांसद विवेक ठाकुर का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया हैं। हालांकि उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि, सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नवादा शहर में सरकारी भूमि की अनुपलब्धता के कारण इस परियोजना के क्रियान्वयन में बाधाएँ आ सकती हैं। इसी कारण, नवादा में अब तक केंद्रीय विद्यालय की स्थापना भी संभव नहीं हो पाई है। यदि नवादा शहर में उपयुक्त सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं है, तो जिलाधिकारी महोदय एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से अनुरोध है कि वे मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए खनवां को एक संभावित विकल्प के रूप में गंभीरता से विचार करें। उन्होंने बताया कि खनवाँ, अपने ऐतिहासिक एवं भौगोलिक महत्व के कारण, मेडिकल कॉलेज के लिए एक उपयुक्त स्थान हो सकता है। यहाँ पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध होने की संभावना है। यदि जिला प्रशासन इस प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल करता है, तो नवादा जिले को एक अत्यंत महत्वपूर्ण शैक्षिक एवं स्वास्थ्य संस्थान प्राप्त हो सकता है, जिससे संपूर्ण क्षेत्र को लाभ मिलेगा। हम नवादा के सांसद माननीय श्री विवेक ठाकुर जी, जिलाधिकारी महोदय एवं अन्य संबंधित अधिकारियों से अपील करते हैं कि वे इस सुझाव पर विचार करें और नवादा में शीघ्र मेडिकल कॉलेज की स्थापना सुनिश्चित हो सके।

जदयू किसान प्रकोष्ठ का संगठन की मजबूती को लेकर चलाया गया अभियान

पकरीबरावां (नवादा) (नि. सं.)। जदयू जिला उपाध्यक्ष किसान सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला प्रभारी किशोरी सिंह ने संगठन की मजबूती एवं संगठन का विस्तार को लेकर बुधवार को पकरीबरावां प्रखंड के विभिन्न गांवो में सदस्यता अभियान एवं संगठन से जोड़ने का अभियान चलाकर लोगों से सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्वकांक्षी एवं जन उपयोगी योजनाएं की जानकारी देते हुए आम लोगों से सरकारी योजना का लाभ लेने का जागरूक करने का काम किया। श्री सिंह ने बताया कि संगठन का विस्तार को लेकर जिले के विभिन्न प्रखंडों में दौरा कर जनसंपर्क बनाकर संगठन की मजबूती का कार्य किया जा रहा है किसी उद्देश्य को लेकर आज पकरीबरावां प्रखंड में संगठन का विस्तार हेतु लोगों से संपर्क कर संगठन में जोड़ने का काम किया गया जिसमें दर्जनों किसान एवं युवा वर्ग को जोड़ने का काम किया गया। साथ ही इन्होंने कहा कि किसान का हर तरह की समस्या को लेकर सरकार द्वारा समाधान हेतु प्रयास किया जाएगा।

आशीर्वाद सह विदाई समारोह में भावुक हुए बारहवीं के विद्यार्थी

नर्सरी से लगातार 12वीं तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को दिया गया लॉन्ग एकेडमीक कैरियर अवार्ड

- सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजी विदाई शाम
- भावुक पलों के बीच मिला सफलता का मंत्र
- सम्मान व राष्ट्रगान के साथ हुआ समापन

निज संवाददाता | नवादा

स्थानीय मॉडर्न इंग्लिश स्कूल कुंती नगर में बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के ग्यारहवीं के छात्र-छात्राओं की ओर से आयोजित इस समारोह में सबने मिलकर विद्यालय की यादों को ताज किया। विदाई समारोह कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के चेयरमैन डॉ अनुज सिंह ,प्राचार्य गोपाल चरण दास , उपप्राचार्य मिथिलेश कुमार विजय, वरिष्ठ शिक्षक धर्मवीर कुमार सिन्हा के द्वारा संयुक्त रूप से विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं माल्यार्पण उपरांत दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं, सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ ग्यारहवीं वीं की छात्राएं रिद्धि ,सौभ्या,शिखा, रुचिका,अनुप्रिया के द्वारा स्वागत गीत से अभिनंदन के साथ किया गया। एकल गीत पर जिंदगी के सफर में गरिमा ने अपनी सुरीली आवाज से सब का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में मुकाबला गीत पर नाम्या माथुर ने नृत्य की शानदार प्रस्तुति से माहौल को खुशनुमा बना दिया। इसके बाद रोशनी, शम्मी, श्रेयांशी ,रुपाली, नंदनी ने खूबसूरत लोक नृत्य को पेश किया। गरिमा ,स्तुति ,प्रेरणा ने अक्सर इस दुनिया में गीत पर अपनी प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दी । हर्ष ने खाई के पान बनारस वाला गीत पर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया।

12वीं की छात्रा रोशनी सिन्हा ने आजा नचले गीत पर शानदार प्रस्तुति दी एवं उन्होंने विद्यालय में बिताए अपने सुनहरे लम्हें को याद करते हुए सबको भावुक कर दिया।बारहवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभवों को जूनियर साथियों के साथ साझा करते हुए उन्हें लक्ष्य के प्रति अडिग रहने की सलाह दी। इस विदाई समारोह में ग्यारहवीं एवं बारहवीं के छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक रंगारंग सांस्कृतिक तीन घंटे तक लगातार तक जारी रही। कार्यक्रम में हास्य-व्यंग्य, नृत्य, गीत, एकांकी और सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करने वाले कार्यक्रम शामिल रहे। छात्रों ने हर कार्यक्रम को सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया तथा दर्शकों की वाहवाही बटोरी। विद्यालय के निदेशक डॉ अनुज सिंह ने बच्चों को सफलता का मंत्र बताते हुए कहा कि "एक विचार लो और उस विचार को अपने जीवन का सार बना लो- उसी को सोचो और उसी के स्वप्न देखो। उस विचार से अपने मस्तिष्क, पेशियों, कोशिकाओं, शरीर के हरेक भाग को उससे भरने दो और दूसरे अन्य विचारों को अकेला छोड़ दो। यही सफलता का रास्ता है। विद्यालय के प्राचार्य एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने बोर्ड परीक्षार्थियों को परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उपप्राचार्य मिथिलेश कुमार विजय ने कहा कि शिक्षा और शिक्षक एक दूसरे के पूरक होते हैं।इंसान को जिंदगी भर हर चीज को सीखने की जरूरत होती है। वहीं कोई भी इंसान परिपूर्ण नहीं है। इंसान इसी धरती पर आकर हर चीज की जांच, परख कर सीखता है। वरिष्ठ शिक्षक धर्मवीर सिन्हा ने उपस्थित छात्र छात्राओं को बहुत जानकारी दी।उन्होंने अपने विदाई समारोह के मौके पर छात्रों को संदेश देते हुए कहा कि आप सीखने का प्रयास हर वक्त करें। किसी भी चीज को निडर होकर सीखें। साथ ही निडर होकर पढ़ाई करें। निडरता के साथ ही अगर आप सीखते हैं या पढ़ते हैं तो आपको अच्छी मंजिल अवश्य मिलेगी। छात्र छात्राओं को उन्होंने अपने देश में योगदान देने के लिए भी प्रेरित किया। अंत में सभी विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि के द्वारा सम्मानित किया गया।समारोह का समापन आभार प्रदर्शन एवं राष्ट्र गान के साथ किया गया।

शिव चर्चा में लोगों की उमड़ी भीड़, ॐ नमः शिवाय से गूंज उठा रजौली

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड मुख्यालय स्थित रजौली इंटर विद्यालय के खेल मैदान में बुधवार को शिव चर्चा का आयोजन किया गया। इस दौरान रजौली,सिरदला, अकबरपुर, गोविंदपुर, मेसकौर व नरहट समेत गया व कोडरमा जिले के लगभग पांच हजार श्रद्धालुगण मौजूद रहे।शिव चर्चा के आयोजनकर्ताओं में रजौली की अनिता कुमारी, अकरी की रेणु देवी व सुनीता देवी, सिरदला की संगीता देवी व लक्ष्मण वर्मा, डेढ़ कुरी गांव के महेश कुमार, बीजु बिगहा गांव के शिव शंकर कुमार, भुसड़ी गांव के अनिल राजवंशी एवं नवादा के मनोज कुमार मंटू शामिल रहे। वहीं अनिता कुमारी ने बताई कि सनातन संस्कृति में कोई भी कार्य जोर जबरदस्ती नहीं होता है बल्कि तर्क, चर्चा एवं बहस से होता है। आज के समय में भी साधु-संत धार्मिक विषयों पर चर्चा परिचर्चा करते रहते हैं, जिससे धर्म की गतिशीलता बनी रहती है और वह समाज में स्वीकार्य बना रहता है।साथ ही कही कि शिव सारे संसार के गुरु हैं। भगवान शिव ऐसे देव हैं जिनकी पूजा-आराधना से सभी प्रकार के कष्टों का शमन होता है।

वहीं संगीता देवी ने बताई कि शिव चर्चा में तीन सूत्र महत्वपूर्ण हैं, जिनमें पहला सूत्र भगवान शिव से दया मांगना है कि हे शिव हम पर दया करे तथा हमें अपने शरण में लें, दूसरा सूत्र अपने आस-पास के लोगों से शिव चर्चा करना एवं तीसरा सूत्र 108 वार ओम नमः शिवाय का जाप करना है।वहीं लक्ष्मण वर्मा ने बताया कि आज के दौर में भी ऐसा कोई टोला या मोहल्ला नहीं होगा, जहां की माताएं-बहनें शिव चर्चा में शामिल नहीं हैं।शिव चर्चा के दौरान विभिन्न प्रकार के कथा का वाचन एवं भजन का गायन शामिल रहा।इस दौरान ॐ नमः शिवाय से पूरा वातावरण गूंज उठा।वहीं आयोजनकर्ताओं ने बताया कि इस बार शिव चर्चा में लगभग पांच हजार महिलाएं व पुरुष शामिल हुए थे,जबकि अगले बार के आयोजन में और अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई है।साथ ही कहा कि शिव चर्चा की सूचना स्थानीय पुलिस व पदाधिकारी को देने पर उनका भरपूर सहयोग हमलोगों को मिला।

पुनौल शाखा डाकघर में कोई कर्मचारी नही, परेशानी

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

प्रखण्ड अंतर्गत पुनौल गांव में बने शाखा डाकघर में कोई कर्मचारी नही रहने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। इस मामले को लेकर पुनौल गांव के वरीय नागरिक वीरेंद्र कुमार पाल ने पोस्ट मास्टर जनरल पटना बिहार को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। श्री पाल ने बताया कि वर्षो पहले पुनौल गांव में लोगों को सुविधा के लिए शाखा डाक घर खोला गया है और बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि यहां कोई कर्मचारी काम करने नही आते हैं। उन्होंने बताया कि मेरे नाम से पार्सल आया था। नरहट डाक घर से कहा गया कि आप आकर अपना पार्सल ले जाएं, नही तो लौटा दिया जाएगा। मैने उप डाकपाल से सम्पर्क किया तो उन्होंने कहा कि पुनौल शाखा डाकघर को सिस्टम में नही डाला गया है। इसी कारण डाकिया आपके गांव में नही जाता है। श्रीपाल ने बताया कि मुझे विश्वास है कि पोस्ट मास्टर जेनरल इसको गम्भीरता से लेंगे और विभाग की गरिमा को धूमिल नही होने देंगे। तथा जनता को अच्छी सेवाएं पुनौल शाखा डाकघर से जल्द ही प्रदान की जाएगी।

संत रैदास की मनाई गई जयंती

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

प्रखंड के विभिन्न गांवों में बुधवार को माघ पूर्णिमा के अवसर पर संत रैदास की जयंती समारोह श्रद्धा व उत्साह पूर्वक मनाई गई। श्रद्धालुओं ने नारदीगंज बाजार के अनुसूचित टोला में संत रैदास पूजा समिति व ओड़ो गांव में सूर्य मंदिर तालाब के निकट शिरोमणि संत रैदास की प्रतिमा स्थापित कर भक्तिभाव से पूजा अर्चना की।इस अवसर पर भजन कीर्तन हर्षोल्लास से उपस्थित लोगों ने किया। नारदीगंज में रविन्द्र कुमार,अखिलेश कुमार,भूषण कुमार, महेश कुमार,सुबोध कुमार समेत अन्य लोगों ने भाग लिया। इसके अलावा बडेसरा, हंडिया, धनियावां, पंडपा, ननौरा, पेश, गोतरायन, पांचू बिगहा समेत अन्य गांव में भी उनकी जयंती मनाई गई।

शिरोमणि संत रैदास के आर्दशों पर चलने का लिया संकल्प

माघ पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को पेंशनर भवन में में शिरोमणि संत रैदास की जयंती श्रद्धा पूर्वक मनाई गई।अध्यक्षता पेंशनर समाज प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद ने की।इस दौरान उपस्थित लोगों ने संत रैदास के तैलचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।मौके पर सचिव श्रीकांत सिंह,नरेश कुमार,रामशरण सिंह,दशरथ प्रसाद, सियाशरण दास समेत अन्य लोग शामिल हुए।

जन सुराज की फंडिंग पर पीके का जदयू को जवाब, बोले -

पैसा मेरी बुद्धि और मां सरस्वती की कृपा से आ रहा है, मैं ठेकेदार, सांसद और विधायक तो कभी नहीं रहा

निज संवाददाता | पटना

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (JDU) द्वारा उनकी फंडिंग को लेकर उठाए गए सवालों पर करारा जवाब दिया है। PK ने अपने अंदाज में JDU पर हमला बोलते हुए कहा कि लोग सवाल कर रहे हैं कि प्रशांत किशोर के पास इतना पैसा कहां से आ रहा है? इस पर उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि 'मैंने कभी ठेकेदारी नहीं की, न कभी विधायक-सांसद बना, न ही किसी सरकारी पद पर रहा और न ही IAS-IPS की सेवा में था।' प्रशांत किशोर ने अपनी कमाई को लेकर कहा कि उन्होंने जो भी हासिल किया है, वह उनकी बुद्धि और मां सरस्वती की कृपा से है। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'हम सब जानते हैं कि जिस पर मां सरस्वती की कृपा होती है, उसके पास लक्ष्मी जी भी अवश्य आती हैं।' उन्होंने कहा कि उनके पास जो भी धन है, वह उनकी मेहनत और कौशल का नतीजा है। यह कोई ऐसी चीज नहीं है जो किसी राजनीतिक दबाव या भ्रष्टाचार से अर्जित की गई हो। PK ने इस बहस को आगे बढ़ाते हुए कहा कि बिहार के इस बेटे ने अपने दिमाग और मेहनत से जो कुछ भी कमाया है, वह पूरी तरह से पारदर्शी और ईमानदार तरीके से अर्जित किया गया है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, 'मुझे अपने पिता से संपत्ति में कुछ भी नहीं मिला, जो कुछ भी है वह मेरी खुद की कमाई है।' उन्होंने कहा कि बिहार के किसी भी युवा को कमजोर नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें अपनी मेहनत के बल पर आगे बढ़ना चाहिए। प्रशांत किशोर ने अपने बयान में गुजरात और बिहार की तुलना करते हुए कहा कि आखिर पैसा सिर्फ गुजरात के लोगों के पास ही क्यों रहेगा? उन्होंने कहा, 'बिहार के लड़कों का वोट, बिहार के लड़कों की ताकत, बिहार के लड़कों की आवाज और पैसा सिर्फ गुजरात के लड़कों के पास जाएगा, यह अब नहीं चलेगा।' उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के युवा केवल मजदूरी करने के लिए पैदा नहीं हुए हैं। उन्हें अपने अधिकारों और अपनी शक्ति को पहचानना होगा। प्रशांत किशोर ने बिहार के युवाओं से आह्वान किया कि वे खुद को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से मजबूत करें, ताकि वे किसी और राज्य या किसी बाहरी ताकत के अधीन न रहें।

कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में 2025-26 हेतु 43 छात्राओं का होगा नामांकन

एससी-एसटी के अलावे बीपीएल परिवार के बच्चियों को मिलेगा लाभ

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड परिसर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में वर्ष 2025-26 के लिए 43 छात्राओं के नामांकन किया जाना है।विद्यालय की वार्डन रेखा कुमारी ने बताई कि प्रखंड क्षेत्र के एससी-एसटी एवं बीपीएल परिवार के बच्चियों के नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है।इस वर्ष कुल 43 छात्राओं का नामांकन किया जाना है,जिनमें एससी अथवा अल्पसंख्यक से 19 एवं बीपीएल से 24 छात्राओं का नामांकन किया जाना है।नामांकन करवाने के लिए प्रखंड कार्यालय के द्वार के समीप एक गुमटी से नामांकन फॉर्म भरकर विद्यालय में जमा करना है।साथ ही कही कि नामांकन फॉर्म के साथ छात्रा का जाति,आवासीय एवं आय प्रमाण के अलावे आधार कार्ड,बैंक खाता,मोबाइल नम्बर एवं पांचवीं कक्षा की टीसी संलग्न होना चाहिए।विद्यालय में आवेदन जमा करने के बाद उसकी जांच कर नामांकन किया जाता है।वार्डन ने बताई कि नामांकन हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2025 निर्धारित की गई है।वहीं विद्यालय में नामांकन 1 अप्रैल से लेकर 10 अप्रैल तक किया जाना है।

छात्राओं को मिलती है सुविधाएं

प्रखण्ड मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का संचालन बीते वर्ष 2008 से किया जा रहा है। इस आवासीय विद्यालय में प्रखण्ड क्षेत्र के एससी-एसटी के अलावे गरीबी रेखा से नीचे के ड्रॉप आउट हो चुके छात्राओं को पढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में उक्त विद्यालय में वर्ग 6 से लेकर वर्ग 8 तक की छात्राएं हैं। वहीं विद्यालय में वार्डेन रेखा कुमारी के अलावे तीन शिक्षक, तीन खाना बनाने वाले,एक लेखापाल, एक रात्रि प्रहरी एवं एक आदेशपाल हैं। आवासीय विद्यालय में प्रत्येक छात्राओं को प्रति माह 100 रुपये, जीवन बीमा, पोशाक, पठन-पाठन सामग्री एवं सर्फ-साबुन के अलावे कई अन्य आधारभूत सुविधाएं दी जा रही है। साथ ही आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाली सभी छात्राओं का नामांकन कन्या मध्य विद्यालय में है, जहां प्रत्येक दिन कतारबद्ध होकर बच्चे आवासीय परिसर से विद्यालय आवागमन करती हैं।

छात्राओं के उच्च शिक्षा के लिए जल्द होगी व्यवस्था

नवादा जिले के सिरदला समेत कई प्रखण्डों में उच्च शिक्षा हेतु आवासीय विद्यालय की स्थापना किया जा चुका है एवं वहां की छात्राएं वर्ग नौवीं से बारहवीं तक की पढ़ाई में जुटी हुई है। किन्तु रजौली प्रखंड की आठवीं कक्षा तक पढ़ाई कर चुकी छात्राएं आगे की पढ़ाई के लिए भटकना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार बीते वर्ष कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं को उच्च शिक्षा मिलने को लेकर तत्कालीन बीडीओ अनिल मिस्त्री के प्रयास से जमीन का आवंटन प्रखण्ड कार्यालय परिसर के बगल में किया जा चुका है।किन्तु विद्यालय के भवन निर्माण के लिए अबतक विभाग द्वारा फंड नहीं निर्गत किया गया है। इस वजह से प्रखण्ड के गरीब एवं आठवीं कक्षा के बाद ड्राप आउट छात्राएं उच्च शिक्षण हेतु रास्ता जोह रही है।इस बाबत बीडीओ संजीव झा ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा भवन निर्माण का राशि आवंटन के बाद प्रखण्ड के गरीब तबके की छात्राओं को उच्च शिक्षा का लाभ मिल सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

फरार भाइयों के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी

भागलपुर। कोर्ट ने सजौर से जुड़े एक मामले में फरार अभियुक्त दो भाई चंचल साह और मिथिलेश साह के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया है। इसके लिए पुलिस ने कोर्ट में आग्रह पत्र दिया था। मामले को लेकर भूलनी की महिला आरती देवी ने 20 अक्टूबर 2023 को केस दर्ज कराया था। आरती ने केस में कहा था कि घटना वाले दिन रात में वह अपने परिवार के साथ घर पर थी। इसी बीच कमलेश्वरी साह के पुत्र चंचल साह, अखिलेश साह और मिथिलेश साह उसके घर की दीवार तोड़ने लगे। रोकने पर गाली-गलौज करने लगे। कमलेश्वरी ने तीनों को कहा कि इन्हें जान से मार दो। इसके बाद तीनों ने मिलकर अपने साथ लाए लोहे का रॉड, दबिया और टेंगारी से उसे, उसके पति और बेटे को मारने लगे। चीखने व चिल्लाने पर ग्रामीण जुटे तब वे लोग बचे। महिला का बेटा अपने टोटो से जानकारी थाने को देने जाने लगा तो हमलावरों ने फिर मारपीट की और धमकी देते भाग गए।

जेल में बंद कैदियों के बैंक खाते में प्रबंधन ने दी राशि

भागलपुर। शहीद जुब्बा सहनी केंद्रीय कारा में बंद सजावार बंदी मो. अजीज के खाते में 30 हजार 370 रुपये और उनके परिवार के खाते में 14 हजार 690 रुपये दिए गए। जबकि सजावार बंदी कार्तिक मंडल, मो. सुल्तान, पुलिक यादव और जनक मलिक के खाते में 22 हजार 316 रुपये दिया। उनके परिवार के लोगों के खाते में 10 हजार 878 रुपये प्रत्येक परिवार दिया। इधर महिला मंडल कारा में बंद सजावार बंदी खुशबू देवी, तब्सुम आरा, सहनी खातुन के बैंक खाते में 18 हजार 396 रुपये प्रत्येक के खाते में भुगतान किया गया। उनके परिवार के लोगों के खाते में 8 हजार 918 रुपये प्रत्येक परिवार के हिसाब से दिया। जेल प्रबंधन की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 में बंदियों ने जेल के अंदर बागवानी, खाना बनाना, निर्माणशाला में सामग्री निर्माण का कार्य किया था जिसका भुगतान किया गया है।

पीजी सेमेस्टर-3 की परीक्षा में 34 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय में 5 फरवरी से दो केंद्रों पर पीजी सेमेस्टर-1 सत्र 2024-26 एवं सेमेस्टर- 3 सत्र 2023-25 की परीक्षा संचालित हो रही है। जिसमें मंगलवार को पीजी सेमेस्टर-3, सत्र 2023-25 की परीक्षा दो पालियों में हुई। जिसमें कुल 1983 परीक्षार्थियों में 1949 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 34 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को कदाचार के आरोप में निष्कासित नहीं किया गया। पीआरओ डॉ. प्रियरंजन तिवारी ने बताया कि मंगलवार को दो पालियों में पीजी सेमेस्टर-3 की परीक्षा ली गई। जिसमें प्रथम पाली में सेमेस्टर-3 के ग्रुप-ए में शामिल पेपर- सीसी 12 की परीक्षा हुई। इसमें कुल 863 परीक्षार्थियों में 846 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 17 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली में सेमेस्टर-3 के ग्रुप-बी में शामिल पेपर- सीसी 12 की परीक्षा ली गई। जिसमें कुल 1120 परीक्षार्थियों में 1103 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 17 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। गुरुवार को सातवें दिन की परीक्षा होगी।

15 को होगी करदाताओं की बैठक

मुंगेर। राज्य-कर संयुक्त आयुक्त प्रभारी ने बताया कि जिला के सभी करदाताओं और उनके सलाहकार के साथ 15 फरवरी को कार्यालय में बैठक आयोजित की गई है। बैठक अपराह्न 2.30 बजे होगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी एमनेस्टी स्कीम, प्रोफेशन टैक्स, जीएसटी कलेक्शन व वर्कर्स कॉन्ट्रेक्ट से संबंधित करदाताओं व उनके सलाहकारों को आमंत्रित किया गया है। कहा कि करदाताओं की जो समस्याएं होंगी निदान किया जाएगा।

खो-खो का सेलेक्शन ट्रायल 14 को

मुंगेर। सीनियर नेशनल खो- खो चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए मुंगेर जिला के पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों का ओपन सेलेक्शन ट्रायल मुंगेर जिला खो - खो संघ के द्वारा किया जाएगा। 14 फरवरी को इंडोर स्टेडियम मुंगेर के प्रांगण में सेलेक्शन ट्रायल आयोजित होगा। जिला खो -खो संघ के सेक्रेट्री हरिमोहन सिंह ने बताया कि इस ओपन सेलेक्शन जिले के सभी सरकारी, निजी स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्रा शामिल होंगे।

ट्रेन में छूटा यात्री का सामान

भागलपुर। मंगलवार देर रात रेल मदद एप से मिली शिकायत के अनुसार मुंबई-गोड्डा साप्ताहिक ट्रेन के एसी कोच में यात्री का लगेज छूट गया, जिसे एसआई कोमल स्मृति व एएसआई बबलू प्रसाद ने बरामद किया। यात्री के फोन पर संपर्क कर लगेज लेने के लिए बुलाया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर रणधीर कुमार ने बताया कि यात्री के टिकट का सत्यापन करने के बाद वापस कर दिया गया। बताया कि यात्री जमालपुर में जल्दबाजी में उतर गया जिस कारण ट्रॉली बैग ट्रेन में ही छूट गया। लगेज मिलने पर यात्री ने आरपीएफ का आभार जताया।

रंगकर्मी सम्मान से नवाजे जाएंगे प्रभात राय

मुंगेर। अंग नाट्य मंच ट्रस्ट, बरियारपुर द्वारा हीरो राजन कुमार रंगकर्मी सम्मान को लेकर वरिष्ठ रंगकर्मी प्रभात राय को नामित किया है। इसकी जानकारी देते हुए निदेशक अंग नाट्य यज्ञ संजय कुमार ने कहा कि निर्णायक मंडल के सदस्यों ने इस बार वरिष्ठ रंगकर्मी मरियानी के अभिनेता प्रभात राय को नामित किया है। उन्होंने बताया कि इस सम्मान की शुरुआत 2020 से की गई थी। रंगमंच के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए सम्मान के तौर पर सम्मान राशि और प्रशस्ति-पत्र दिया जाता है।

जिस तिलकामांझी के नाम पर विश्वविद्यालय बना उसमें आदिवासी भाषा का विभाग नहीं

हवेली खड़गपुर। ऑल इंडिया जन अधिकार सुरक्षा कमेटी के बैनर तले मंगलवार को प्रखंड के गोबड्डा पंचायत के मंदारे में गोविंद बेसरा और अर्जुन सोरेन के नेतृत्व में तिलका मांझी की जयंती मनाई गई। इस मौके पर तिलका मांझी अमर रहे, तिलका मांझी के जीवनी को स्कूली पाठ्य पुस्तक में शामिल करो, आदिवासियों के हक को छीनना बंद करो, आदिवासियों के हक के लिए संघर्ष करने वाले तिलका मांझी को राष्ट्रीय इतिहास में शामिल करो, वन अधिकार कानून 2006 लागू करो, जंगल जाने का बेरोकटोक अधिकार देना होगा आदि नारे लगाए गए। सभा को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया जन अधिकार सुरक्षा कमेटी के बिहार राज्य प्रभारी रमन सिंह ने कहा कि बिहार की धरती पर पहले शहीद तिलका मांझी ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ ऐसा संघर्ष किया, जो बहुत लंबे दिनों तक चला। उन्होंने कहा कि जिस तिलका मांझी के नाम पर भागलपुर में तिलका मांझी विश्वविद्यालय बना है, वहां आदिवासियों के लिए कोई पढ़ाई नहीं हो रही है। आदिवासी भाषा का कोई विभाग नहीं है। रमन सिंह ने कहा कि तिलका मांझी के जल, जंगल, जमीन पर आदिवासियों के अधिकार का नारा दिया था। उन्होंने तिलका मांझी के जीवनी को स्कूली पाठ्य पुस्तक में शामिल करने की मांग किया। इस मौके पर बाबूलाल किस्कू, संजय सोरेन, मुंशी सोरेन, अरशु देवी, दयानंद पासवान, अनिल कुमार, गोविंद बेसरा, विष्णु मांझी समेत कमेटी के दर्जनों सदस्य व ग्रामीण मौजूद थे।

एसडीओ ने जविप्र डीलर के दुकान का किया निरीक्षण, प्रखंड के 33 में से 20 डीलर से 3 दिनों में मांगा गया स्पष्टीकरण

असरगंज। बीते 11 दिनों से चल रहे जन वितरण प्रणाली विक्रेता की हड़ताल को लेकर अनुमंडल प्रशासन सख्त हो गया है। इसी सिलसिले में मंगलवार को अनुमंडल अधिकारी राकेश रंजन ने प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न डीलर के दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर आपूर्ति पदाधिकारी लोकेश ठाकुर मौजूद थे। एसडीओ ने नगर पंचायत क्षेत्र असरगंज के पीडीएस डीलर अशोक सिंह एवं रंजन कुमार के दुकान का निरीक्षण किया एवं खाद्यान्न वितरण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने डीलर से अविलंब लाभुकों को फरवरी माह का गेहूं एवं चावल वितरण करने का निर्देश दिया। इस संबंध में एसडीओ ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र के 33 डीलरों में 20 डीलर से स्पष्टीकरण मांगा गया है। इन जन वितरण प्रणाली विक्रेता को तीन दिनों के अंदर जवाब देने एवं अनाज वितरण करने का निर्देश दिया गया है। आगे बताया कि अनाज वितरण नहीं करने वाले डीलर पर कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो कि बीते 11 दिनों से जन वितरण प्रणाली विक्रेता के हड़ताल के कारण 15682 राशन कार्ड होल्डर प्रभावित हैं। प्रशासन के स्पष्टीकरण की कार्रवाई के उपरांत कई डीलरों ने अनाज वितरण शुरू कर दिया है।

अनशन पर बैठे TMBU के 24 स्टूडेंट्स की तबीयत बिगड़ी, 6 की हालत गंभीर

निज संवाददाता। भागलपुर

तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राएं अपने शिक्षक दिव्यानंद के तबादले के विरोध में अनशन पर बैठ गए हैं। सोमवार दोपहर से शुरू हुआ यह अनशन मंगलवार रात तक जारी रहा। इस दौरान 12 से ज्यादा छात्र-छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से 6 की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जबकि अन्य को शरीर के विभिन्न हिस्सों में दर्द की शिकायत हो रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर अस्पताल के प्रभारी राजू अपने मेडिकल दल के साथ अनशन स्थल पर पहुंचे।उन्होंने छात्रों से अस्पताल में भर्ती होने की अपील की, लेकिन अनशन पर बैठे छात्रों ने कहा कि जब तक स्थिति अत्यधिक गंभीर नहीं होगी, वे खुद अस्पताल नहीं जाएंगे। इसके बावजूद, कई छात्रों को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल भेजा गया है।

इन छात्र-छात्राओं की स्थिति गंभीरः अनशन पर बैठे छात्रा, अन्नपूर्णा कुमारी, कोमल कुमारी, रिया कुमारी, सिंकी कुमारी, प्रिया कुमारी, आरती कुमारी और छात्र रूपेश कुमार, कुंदन कुमार, राहुल कुमार, अमन कुमार, रोहित राज, हैप्पी आनंद सहित एक दर्जन छात्रों की स्थिति ठीक नहीं है।

लाश उठे मंजूर है, लेकिन दिव्यानंद को विभाग लाकर रहेंगेः हिंदी विभाग की छात्रा विष्णु प्रिया ने बताया कि वह पिछले तीन दिनों से अनशन पर बैठी हैं। मंगलवार रात अस्पताल प्रभारी पहुंचे प्रोटेक्टर को जब कॉल किया गया तो वह रात में पहुंचकर सहानुभूति जताने आईं और कहा कि रात भर सोए नहीं है। हम कैसे मान ले? बस हम लोगों की मांग है कि जब तक दिव्यानंद सर को वापस हिंदी विभाग नहीं भेजा जाता है तब तक हम लोग अनशन जारी रखेंगे। वहीं, उनका कहना है हमारी लाश उठ जाए वह मंजूर है, लेकिन अनशन तभी खत्म होगा जब दिव्यानंद सर को कुलपति हमारे विभाग भेजेंगे।

प्रोफेसर के तबादले के विरोध में जारी है अनशन

छात्रों से मिले विभिन्न विषयों के प्रोफेसरः देर रात करीब 12:30 बजे विभिन्न विषयों के प्रोफेसर अनशन स्थल पर पहुंचे और छात्रों से बातचीत की। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे कुलपति को व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से पूरे मामले की जानकारी दें और विनम्रता से अनुरोध करें कि शिक्षक को वापस पीजी हिंदी विभाग में भेजा जाए। छात्रों में इस बात को लेकर भी आक्रोश है कि दो दिन बीत जाने के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

क्या है पूरा मामलाः छात्र-छात्राएं हिंदी विभाग के शिक्षक दिव्यानंद के तबादले को लेकर विरोध कर रहे हैं। बीते 31 जनवरी को उनके जन्मदिन के अवसर पर, छात्रों के आग्रह पर उन्होंने तलवार से केक काटा था। इस घटना के बाद कुलपति ने जांच कमेटी गठित की, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर शिक्षक का तबादला नारायणपुर कॉलेज कर दिया गया। छात्रों का कहना है कि यदि तलवार से केक कटवाना उनकी गलती थी, तो शिक्षक पर कार्रवाई क्यों की गई। वे तबादले को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने ने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, वे अनशन जारी रखेंगे।

मौसम में बदलाव का लोगों पर हो रहा असर

मुंगेर। जिले में मौसम के मिजाज में लगातार उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सुबह-शाम अत्यधिक ठंड और दिन में खिली धूप से लोगों के शरीर पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। जिसके कारण लोग सर्दी, बुखार, सांस फूलना सहित अन्य बीमारी के शिकार हो रहे हैं। इन दिनों सदर अस्पताल में भी इन मरीजों की संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है। मंगलवार को सदर अस्पताल में ठंड की वजह से सर्दी, खांसी व हृदय रोग सहित सांस की बीमारियों से पीड़ित दर्जनों मरीज पहुंचे। ओपीडी व इमरजेंसी में भी काफी मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। पिछले एक सप्ताह में इस प्रकार के मरीजों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। कुछ दिनों पूर्व जहां ओपीडी में करीब 300 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे थे। वहीं इस सप्ताह यह आंकड़ा बढ़कर करीब 450 तक पहुंच चुका है। वहीं दो दिनों के अंदर सर्दी-बुखार से पीड़ित 85 से अधिक मरीज ओपीडी में इलाज करवाने पहुंचे। जबकि सांस संबंधित बीमारी के 30 से अधिक दो दिनों के अंदर सदर अस्पताल पहुंचे हैं। मंगलवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई। 12 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही पछुआ हवा के कारण सुबह-शाम परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भागलपुर में सड़क हादसे में सब्जी विक्रेता की मौत

भागलपुर। भागलपुर में ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। हादसे में उसकी मौत हो गई। मृतक धोरैया थाना क्षेत्र निवासी बाबूलाल मंडल का बेटा अनिल कुमार मंडल (45) है। जो सब्जी खरीद कर घोघा से धोरैया जा रहा था। इसी दौरान सनहौला थाना क्षेत्र में हादसा हुआ। अनिल सब्जी बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। मृतक के पिता बाबूलाल मंडल ने बताया कि बेटा सब्जी का कारोबार करता था। मंगलवार को रोज की तरह वह सब्जी खरीदने के लिए घोंघा बाजार गया गया था। घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान SH-84 पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे रौंद दिया। घटना की जानकारी लोगों ने दी। जिसके बाद हम लोग मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी के बाद मृतक के अन्य स्वजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रैक्टर और बाइक को जब्त कर लिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

रिश्तेदार से रेप के आरोपी DSP को भेजा जेल, 2020 में पढ़ाई के दौरान किया दुष्कर्म, पीड़िता की शादी के बाद भी परेशान करता था

निज संवाददाता। भागलपुर

पांच साल पहले भागलपुर के महिला थाने में दर्ज रेप के केस में एडीजे वन लवकुश कुमार के कोर्ट ने मंगलवार को गया के ट्रेनी डीएसपी सोमेश कुमार मिश्रा को जेल भेज दिया। उन पर उनकी एक करीबी महिला ने केस दर्ज कराया था। साथ ही वह इस केस में होती रही कई सुनवाई में भी सोमेश कोर्ट में पेश नहीं हुए थे, इसलिए उनका बेल बॉन्ड खारिज हो गया था और गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुका था। इसे लेकर डीएसपी ने मंगलवार को पहले कोर्ट में सरेंडर किया और इसके बाद कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया। हालांकि कोर्ट को सोमेश मिश्रा ने बताया कि पितृपक्ष मेले की ड्यूटी में रहने के कारण वो कोर्ट में हाजिर नहीं हो पा रहा था। लेकिन कोर्ट ने उसकी दलील को स्वीकार नहीं किया। अब सोमेश मिश्रा के खिलाफ आरोप का गठन 17 फरवरी को होगा।

मार्च 2020 में महिला रिश्तेदार ने दर्ज कराया था रेप का केसः मार्च 2020 में भागलपुर महिला थाने में सोमेश मिश्रा की रिश्तेदार महिला ने रेप का केस दर्ज कराया था। तातारपुर की रहने वाली बैंककर्मी महिला

रिश्तेदार की ओर से दर्ज कराए गए आरोपों की पुलिस मुख्यालय स्तर से आरोपों की जांच पड़ताल की गई। महिला के आरोपों को पड़ताल में सही पाया गया। इसके बाद सोमेश को सस्पेंड कर दिया गया, तब सोमेश राजगीर में ट्रेनिंग ले रहा था।

महिला थाना अध्यक्ष ने साहेबगंज से किया था गिरफ्तारः इस बीच सोमेश झारखंड के साहेबगंज स्थित घर चला गया। उधर, महिला थाने में दर्ज केस की जांच में आरोपों को सही पाए जाने के बाद पुलिस ने कोर्ट में उसकी गिरफ्तारी वारंट के लिए याचिका दाखिल की। इसके बाद कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया और फिर महिला थाना अध्यक्ष रीता कुमारी के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने साहेबगंज में छापेमारी कर उसे 12 नवंबर 2020 को गिरफ्तार कर लिया। सोमेश को गिरफ्तार करने के बाद भागलपुर पुलिस उसे यहां लेकर आई थी,जिसके बाद तत्कालीन एसएसपी आशीष कुमार ने 2020 में युवती के साथ यौन शोषण में जेल भेज दिया। हालांकि, 15 दिन बाद उसे जमानत मिल गई थी। इस मामले में लगातार सुनवाई हो रही थी। सोमेश मिश्रा को जमानत मिलने के कुछ महीने बाद और केस की सुनवाई जारी रहने के दौरान उसका ट्रांसफर गया जिले में कर दिया गया। यहां एक बार फिर से सोमेश मिश्रा का सामना आशीष कुमार से हुआ, जो भागलपुर में एसएसपी थे। आशीष कुमार ने उसके ऊपर लगे आरोपों को देखते हुए और ट्रेनिंग पूरी नहीं होने के कारण कोई जिम्मेदारी वाला पद नहीं दिया। उधर, जेल व कोर्ट के चक्कर लगाने की वजह व विभागीय कार्रवाई के कारण सोमेश ने समय से अपनी ट्रेनिंग को पूरा नहीं किया था। सूत्रों का कहना है कि सोमेश का प्रशिक्षण अवधि हाल ही में समाप्त हुआ था। इस बीच कोर्ट में तारीख पर पेश नहीं होने की वजह से उसकी बेल टूट गई।

महिला रिश्तेदार ने अपने आरोपों में क्या कहा था?ः सोमेश पर आरोप लगाने वाली महिला शादीशुदा है और कोलकाता के एक बैंक में काम करती है। महिला ने दर्ज कराई गई FIR में कहा- मामला हम दोनों के नौकरी में आने से पहले दिल्ली का है। जहां झांसा देकर सोमेश मिश्रा ने रेप की वारदात को अंजाम दिया था। इस दौरान उसने वीडियो भी बनाया था। इसके बाद कई बार सोमेश ने मेरा यौन शोषण किया।

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सं. 340_2024–25, दिनांकः 11.02.2025, मंडल अभियंता (IV), मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, पूर्व रेलवे, हावड़ा, पिन–711101 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैः **डीईएन/4/हावड़ा। कार्य का विवरण** : डीईएन/4/हावड़ा के कार्यक्षेत्र के अधीन इनसिटू ग्लूड जॉइंटों का फैब्रिकेशन। **अनुमानित मूल्य :** रु. 56,67,986.39, **बयाना राशि :** रु. 1,13,400/–, **समापन अवधि** : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)** : शून्य । यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 26.02.2025 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ई–निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से उपर्युक्त वेबसाइट के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणीः** आईआरईपीएस (ई–निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-601/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पुलिस पर बालू माफिया ने किया पथराव, बचाव में पुलिस ने की हवाई फायरिंग, 3 ट्रैक्टर जब्त

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में बुधवार को बालू माफिया और पुलिस के बीच झड़प हुई। बालू माफिया जब पत्थर फेंकने लगे तो बचाव में पुलिस ने हवाई फायरिंग की। इसका LIVE VIDEO भी सामने आया है। घटना संग्रामपुर थाना क्षेत्र के बदुआ नदी के पास की है। बुधवार को संग्रामपुर थाना की पुलिस को सूचना मिली की चकवारा गांव में अवैध बालू खनन हो रहा है। इसके खिलाफ कार्रवाई को लेकर पुलिस गांव पहुंची। इसी दौरान माफिया और ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसके बाद बचाव में पुलिस ने एक बार हवाई फायरिंग की है।

3 ट्रैक्टर जब्तः पुलिस ने तीन ट्रैक्टर जब्त कर बेलहर थाना ले गई। बांका जिले के एसडीपीओ राज किशोर प्रसाद ने बताया कि

उन्हें सूचना मिली थी कि बेलहर थाना क्षेत्र के बालू माफिया ट्रैक्टरों से अवैध खनन कर बालू को मुंगेर के चकवारा गांव में डंप करते हैं। छापेमारी के दौरान कई ट्रैक्टर चालक पुलिस को देखकर भाग गए। वहीं, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मुंगेर के तारापुर SDPO सिंधु शेखर, खड़गपुर SDPO चंदन कुमार सहित कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। चकवारा गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

माघी पूर्णिमा को लेकर गंगा घाटों पर उमड़ी भीड़

मुंगेर। मुंगेर में माघी पूर्णिमा को लेकर बुधवार को श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान किया। सुबह से ही कष्टहरणी, बबुआ और सोझी गंगा घाटों पर भक्तों का तांता लगा रहा। वहां लोगों ने स्नान के साथ दान-पुण्य भी किया। भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किया है। गंगा घाटों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई है। इसके साथ ही एसडीआरएफ और गोताखोर की टीमें लगातार गंगा में गश्त कर रही है। किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए स्थानीय गोताखोरों की मदद भी ली जा रही है। सदर प्रखंड, जमालपुर प्रखंड और पर्यावरण प्रखंड के विभिन्न गंगा घाटों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। भीड़ प्रबंधन के लिए यातायात पुलिस ने गंगा घाट जाने वाले मार्गों पर सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। पुलिस बल चोर-उचक्कों और असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रख रही है।

जिले के 96 पंचायत में से मात्र 12 में बना पंचायत सरकार भवन

निज संवाददाता। मुंगेर

सरकार ने निर्णय लिया है कि जहां पंचायत सरकार भवन का निर्माण नहीं हो सका है। वहां भवन का निर्माण अब विभाग की ओर से नहीं करा मुखिया के माध्यम से कराया जाएगा। जिले में 96 पंचायत हैं, जहां पंचायत सरकार भवन बनना है। जिसमें से 12 पंचायत में भवन का निर्माण हो चुका है। जिला पंचायती राज पदाधिकारी कुमार अभिषेक ने बताया कि निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवनों के प्राक्कलन राशि में प्रति पंचायत सरकार भवन करीब 20-25 लाख की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को पूर्व में मिले पंचायत सरकार भवन की लागत करीब सवा करोड़ रुपए थी। इसमें 20 से 25 लाख रुपए की लागत और बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई लागत राशि का एस्टीमेट बनाकर विभाग को भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में मात्र 12 पंचायत सरकार भवन का ही निर्माण ही पूरा हुआ है। जिले के 96 पंचायतों में से फिलहाल 91 पंचायतों में सरकार भवन निर्माण के लिए

जमीन उपलब्ध हो गया है। 5 पंचायत के लिए जमीन नहीं मिला है, जिसके लिए अंचलाधिकारी व बीपीआरओ को जमीन चिन्हित करने के लिए निर्देश दिया गया है। वर्तमान में जिले के 51 पंचायतों के लिए एलईओ को निर्माण कार्य का ठेका मिला है और 18 पंचायतों के लिए भवन निर्माण विभाग के माध्यम से निर्माण होना है। पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य जून 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। भवन निर्माण की राशि में वृद्धि के बाद अब जिले के सात निर्माणाधीन पंचायत भवन की राशि भी बढ़ेगी। जिसमें टीका रामपुर में पहले 1,30,76,300 राशि दी गई थी जो अब 1,54,11,077 मिलेगी। नौवागढ़ी उत्तरी में 1,22,63,250 थी जो बढ़कर 1,37,95,475, झौवा बहियार में 1,32,65,400 रुपए थी जो बढ़कर 1,52,10,569 रुपए, चौरगांव में 1,25,30,450 रुपए थी जो बढ़कर 1,48,31,362 रुपए, भारा में 1,24,42,650 रुपए थी जो बढ़कर 1,33,92,468 रुपए, कटियारी में 1,20,74,050 रुपए थी जो बढ़कर 1,40,86,974 व बढ़ोनिया में 1,20,74,050 रुपए थी जो बढ़कर 1,44,40,268 रुपए होगी। उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह ने बताया कि पंचायती राज विभाग के द्वारा जिला में 51 पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण के लिए राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में 33 करोड़ रुपए मुंगेर जिला के लिए स्वीकृत किया गया है। जिस 5 पंचायत में जमीन उपलब्धता नहीं है, उसमें कल्याण टोला, नाकी, पड़िया, बाहा चौकी, तारापुर दियारा और जाफर नगर पंचायत है। जिले में बरियारपुर प्रखंड में हरिणमार, धरहरा में हेमजापुर व माताडीह, खड़गपुर में बहिरा और रतैठा, जमालपुर में ईटहरी, सदर मुंगेर में जानकी नगर व शंकरपुर, संग्रामपुर में दुरमट्टा, तारापुर में रामपुर विषय व लौना एवं टेटियाबंबर में कशौली में पंचायत सरकार भवन का निर्माण पूर्ण हो गया है।

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी सूचना

सं. सी8–जीएमयू–एमपीएस–एएसएन–2025 **दिनांक 11.02.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा आसनसोल मंडल के तहत जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू) के अंतर्गत मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉलों और मल्टीपरपज स्टॉलों के प्रावधान के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से खुली ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है। विवरण इस प्रकार हैः **ऑक्शन कैटलॉग सं.: सीएटीजी–जीएमयू–25–1; क्रम सं., अनुक्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, ई–नीलामी की तिथि और समय, कार्य का विवरण** निम्नानुसार हैंः **(1) एए/1,** सीएटीजी–एएसएन–केजेएमई–जीएमयू–15–24–1, 25.02.2025, 12.30 बजे, जनरल माइनर यूनिट के अंतर्गत 05 वर्षों की अवधि के लिए काजोड़ाग्राम रेलवे स्टेशन (कैटेगरी ई) पर अंडाल सिरे के प्लेटफॉर्म शेड के पास प्लेटफॉर्म नं. 1 पर मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉल 10'X6' (60 वर्गफीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। महिलाओं के लिए निर्दिष्ट। **(2) एए/2,** सीएटीजी–एएसएन–यूकेए–जीएमयू–14–24–1, 25.02.2025, 12.40 बजे, जनरल माइनर यूनिट के अंतर्गत 05 वर्षों की अवधि के लिए उखरा रेलवे स्टेशन (कैटेगरी ई) पर साइंथिया सिरे के प्लेटफॉर्म शेड के पास प्लेटफॉर्म नं. 1 पर मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉल 10'X6' (60 वर्गफीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। **(3) एए/3,** सीएटीजी–एएसएन–ओवाईआर–जीएमयू–23–24–1, 25.02.2025, 12.50 बजे, जनरल माइनर यूनिट के अंतर्गत 05 वर्षों की अवधि के लिए वारिया रेलवे स्टेशन (कैटेगरी ई) में प्लेटफॉर्म नं. 3–4 पर मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉल 10'X6' (60 वर्गफीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। **(4) एए/4,** सीएटीजी–एएसएन–सीएएम–जीएमयू–67–24–1, 25.02.2025, 13.00 बजे, छोटा अंबोना (कैटेगरी ई) रेलवे स्टेशन में डाउन प्लेटफॉर्म पर 05 (पाँच) वर्षों की अवधि के लिए मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉल (माप 6'X10'=60 वर्गफीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। **(5) एए/5,** सीएटीजी–एएसएन–एमएनएई–जीएमयू–16–24–1, 25.02.2025, 13.10 बजे, जनरल माइनर यूनिट के अंतर्गत 05 वर्षों की अवधि के लिए मानकर रेलवे स्टेशन (कैटेगरी डी) में प्लेटफॉर्म नं. 1–2 पर मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉल 10'X6' (60 वर्गफीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। **ऑक्शन कैटलॉग सं.: एएसएन–एमपीएस–25–1; क्रम सं. : एए/1, लॉट सं./कैटेगरीः** एमपीएस–एएसएन–केजेएमई–एमपीएस–7–24–1, **ई–नीलामी की तिथि और समयः** 25.02.2025, 13.30 बजे, **कार्य का विवरणः** काजोड़ाग्राम रेलवे स्टेशन पर 05 वर्षों की अवधि के लिए स्टेशन मास्टर ऑफिस के पास प्लेटफॉर्म नं. 1 पर मल्टीपरपज स्टॉल (एमपीएस) (6 फीटX10 फीट= 60 वर्गफीट) का आवंटन। अनारक्षित के लिए निर्दिष्ट (कोई भी)। सभी प्रत्याशित बोलादाताओं को संपूर्ण विवरण एवं निर्धारित अनुसूची के अनुसार उक्त नीलामी में भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

ASN-327/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

एस ड्राइव में 58 गिरफ्तार, 14 ने किया सरेंडर

आरा। भोजपुर जिले में पुलिस के एस ड्राइव के तहत 10 फरवरी 2024 को 58 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की लगातार छापेमारी के डर से 14 आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। एसपी श्री राज ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि जिले में अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे 58 आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस की बढ़ती दबिश के कारण 14 आरोपियों ने खुद को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

जनवरी 2025 में 1110 कांडों का निष्पादन, टाउन थाना नंबर 1 पर

आरा। जनवरी 2025 में 1110 कांड का निष्पादन, टाउन थाना नंबर एक पर भोजपुर जिले के सभी थाना को मिलाकर जनवरी 2025 में कुल 1110 विभिन्न शीर्ष के कार्डों का निष्पादित किया गया है। जिसमें हत्या 43, गंभीर दंगा 4, लूट 17, डकैती 3, बलात्कार पॉक्सो सहित 7, और एससीएसटी के 25 कांड का निष्पादन किया गया है। एसपी श्री राज ने बताया कि जिले के सभी थाना की तुलना में कांड के निष्पादन में टाउन थाना पहले स्थान पर अपना कब्जा जमा लिया है। जनवरी माह में टाउन थाना में कुल 114 कांड का निष्पादन किया गया है।उदवंतनगर थाना जिले की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है।उदवंतनगर थाना में कुल 104 कांड का निष्पादन किया गया है। जबकि कांड के। निष्पादन में नवादा थाना तीसरे नंबर है।नवादा थाना में जनवरी माह में कुल 101 कांड का निष्पादन कर जिले के सभी थाना की तुलना में तीसरा स्थान पर कब्जा जमा लिया है। एसपी ने आगे बताया कि जनवरी 2025 में कांड के निष्पादन में जिले के टाउन थाना,उदवंतनगर थाना और नवादा थाना की भूमिका अच्छी रही है। इसके अलावे सभी थाना के थानाध्यक्ष के द्वारा कांड का निष्पादन किया गया है।

महाकुंभ के जीयर स्वामी जी महाराज के शिविर में 15000 शंखों की गूंज

आरा। आरा महाकुंभ के सेक्टर नंबर 8 में श्री जीयर स्वामी जी महाराज के शिविर में 15000 शंखों की ध्वनि एक साथ गूंज उठी। मौका था अंतरराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन का। इसमें भास्याकार श्री रामानुज स्वामी जी की सहस्राब्दी जयंती मनाई गई। स्वामी जी के सानिध्य में देशभर से संत, महात्मा और पीठाधीश्वर जुटे। अमेरिका और जर्मनी से भी कुछ धर्मगुरु शामिल हुए। दक्षिण भारत से आए संतों ने कहा कि जो कार्य रामानुज स्वामी ने हजारों वर्ष पहले दक्षिण भारत में किए, वही कार्य श्री जीयर स्वामी जी महाराज उत्तर भारत में कर रहे हैं। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए वे मजबूती से कार्य कर रहे हैं। यह सौभाग्य की बात है कि उनके सानिध्य में सभी संत एक मंच पर आकर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि धर्म के बिना मानव जीवन संभव नहीं। धर्म रहेगा, तभी हम रहेंगे। धर्म, राष्ट्र और संस्कृति आत्मा के समान हैं। बिना आत्मा के शरीर मृत हो जाता है, वैसे ही बिना धर्म के कोई भी संस्कृति समाप्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की सभी समस्याओं का समाधान धर्म और ज्ञान में ही संभव है। जीवन में परेशानियां आती रहती हैं, लेकिन घबराना नहीं चाहिए। जब भी कोई संकट आए, तो श्री लक्ष्मी नारायण भगवान का ध्यान करना चाहिए। इससे सभी समस्याओं का समाधान संभव है। प्रवचन करते जीयर स्वामी जी महाराज

माघ पूर्णिमा पर बक्सर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बक्सर। माघी पूर्णिमा स्नान को लेकर बुधवार की सुबह चार बजे से ही नगर के रामरेखा घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु अपने परिवार के साथ पहुंचे। इसको लेकर बक्सर के रामरेखा घाट के साथ अन्य घाटों पर लोगों की भीड़ दिखी। बुधवार को स्नान, दान और ध्यान के बाद दूर दराज के गांव से पहुंचे महिलाओं ने रामरेखा घाट स्थित चूड़ी मार्केट में आपके सुहाग संबंधित खरीदारी भी की। रामरेखा घाट के पंडित लाला बाबा के अनुसार, यह स्नान का विशेष संयोग मंगलवार रात से गुरुवार तक रहेगा। इस दौरान मकर राशि में सूर्य व शनि का संचरण, रवि पुष्य और आयुष्मान योग का अद्भुत संयोग बन रहा है। हिंदू धर्म में माघ पूर्णिमा को विशेष महत्व दिया जाता है, क्योंकि इस दिन किए गए स्नान, दान और पूजा-पाठ से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का विशेष आशीर्वाद मिलता है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए है। सदर एसडीएम धीरेन्द्र मिश्रा के अनुसार, सभी घाटों पर पुलिस बल और मजिस्ट्रेट तैनात किए गए है। आपात स्थिति से निपटने के लिए नावों पर गोताखोर और क्यूआरटी (त्वरित प्रतिक्रिया टीम) की तैनाती की गई है।

CM के बक्सर दौरे से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

बक्सर। मुख्यमंत्री के आगामी बक्सर दौरे को लेकर शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्यप्रकाश ने मंगलवार को व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीआईजी के साथ एसपी शुभम आर्य, एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी और सदर एसडीपीओ धीरज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने सबसे पहले राजपुर स्थित पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण किया, जहां मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का आयोजन होना है। डीआईजी ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए सुरक्षा, यातायात और मंच व्यवस्था के सभी जरूरी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर पुलिस बल के अलावा विशेष सुरक्षा दस्तों की तैनाती की गई है। साथ ही साफ-सफाई, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं की विशेष व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजामः इसके बाद अधिकारियों ने मानिकपुर के पास बने हेलीपैड का निरीक्षण किया। यहां सुरक्षा घेरा, पार्किंग व्यवस्था, वीआईपी मूवमेंट और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम व फायर ब्रिगेड की तैनाती पर विशेष ध्यान दिया गया। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को उनके दायित्व सौंप दिए गए हैं और नियमित रूप से समीक्षा बैठकें की जा रही हैं। हेलीपैड तक पहुंचने वाले मार्गों का भी जायजा लेकर यातायात प्रबंधन को चुस्त-दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ अन्य सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि भी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे।

अवैध कब्जे पर दूसरे दिन भी चला प्रशासन का बुलडोजर

बक्सर। प्रगति यात्रा के तहत आगामी 15 फरवरी को सीएम नीतीश कुमार का आगमन बक्सर होने वाला है। सूत्रों की मानें तो सीएम का कार्यक्रम गोलंबर पर भी होगा। ऐसे में गोलंबर के पास सड़क के फुटपाथ पर हुए अवैध कब्जा सीएम के आंखों में चुभे नहीं इसको लेकर प्रशासन हरकत में आ गई। दूसरे दिन यानी मंगलवार को भी नगर परिषद की ओर से गोलंबर पर अतिक्रमण हटाया गया। करीब 1 बजे जेसीबी और दल-बल के साथ अधिकारी पहुंचे। अधिकारियों को देखते ही गोलंबर पर सड़क किनारे कब्जा बना दुकान चलाने वाले दुकानदारों के बीच हड़कंप मच गया। काफी सख्ती के साथ वहां से अधिकारियों ने अवैध कब्जा हटवाया। गुमटी, कराकट डाल बनाया गया दुकान, स्थाई रूप से सड़क के किनारे लगाया गया दुकानों का होर्डिंग आदि को तोड़ते हुए नगर परिषद प्रशासन के अधिकारियों ने ट्रैक्टर पर लाद कर कार्यालय लेते आएं। नगर परिषद के ईओ आशुतोष कुमार गुप्ता के निर्देश पर अतिक्रमण हटाओ अभियान का नेतृत्व सिटी मैनेजर नीरज कुमार झा कर रहे थे।

सीएम के आगमन पर अतिक्रमण हटाने की आई यादः गोलंबर पर दूसरे दिन जब अतिक्रमण हटाया जा रहा था, उस वहां मौजूद कुछ लोगों ने कहा कि सीएम के आगमन तय होने के बाद प्रशासन को अतिक्रमण हटाने की याद आई। वैसे शहर में सत्यदेवगंज, मुनीम चौक, पीपी रोड, स्टेशन रोड में भी दुकानदारों का कब्जा है। गोलंबर पर सीएम का कार्यक्रम तय होने के बाद यहां से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। शहर के सत्यदेवगंज में फुटपाथ पर कब्जा होने के चलते हर रोज लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ता है। मौके पर नगर परिषद के मुख्य सफाई निरीक्षक आशुतोष कुमार सिंह, नरसिंह चौबे, मो वाहिद, सन्नी सिंह समेत अन्य कर्मी मौजूद थे।

सड़क हादसे में दो सगी बहनों की मौत, पिता जख्मी

निज संवाददाता। आरा

- इंटर की परीक्षा देकर पिता के साथ लौट रही थी गांव, अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर

आरा-अरवल मुख्य मार्ग पर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर बंगाल के समीप सड़क हादसे में दो सगी बहनों की मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम की है जब अनयंत्रित ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इस दौरान युवतियों के पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ लगी। जख्मी पिता को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद बाद परिजनों को सूचना दी गई। वहीं, लोगों की भीड़ बढ़ते देख ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार मृत छात्रा संदेश थाना क्षेत्र के सुंदरपुर गांव वार्ड नंबर एक निवासी गौरी शंकर की 18 वर्षीया पुत्री सुषमा और 17 वर्षीय पुत्री रेखा कुमारी है।

परीक्षा देकर गांव लौटने के दौरान हादसाः जख्मी गौरीशंकर ने बताया कि वह अपनी पुत्री रेखा और सुसमा को इंटर का परीक्षा दिलवाने के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित नेमीचंद शास्त्री स्कूल आए थे। परीक्षा खत्म होने के बाद जब वह अपनी पुत्री रेखा और सुषमा को बाइक वापस गांव लौट रहे थे। उसी बीच बेलाउर बंगाल के समीप पीछे से आ रही बेलगाम ट्रक ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमे उनकी पुत्री रेखा और सुषमा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से मृत सगी बहन और उसके पिता गौरी शंकर को आरा सदर अस्पताल लाया गया। सूचना पाकर सदर अस्पताल पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम करवाया। वहीं जख्मी गौरी शंकर का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। बताया जाता है कि मृत छात्र सुसमा अपने पांच बहन व एक भाई में पांचवे व रेखा छठे स्थान पर थी। उनके परिवार में मां रीता देवी व तीन बहन उर्मिला देवी,लीला देवी,कुसुम कुमारी एवं एक भाई नीरज कुमार है। घटना के बाद मृत छात्राओं के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत छात्राओं के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

करंट के चपेट में आने से युवक की मौत

निज संवाददाता। आरा

- भोजपुर में खेत पटाने गया था, जर्जर तार की चपेट में आने से हादसा, मुआवजा की मांग

भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के पिपरा जगदीश गांव के बधार में मंगलवार को विद्युत प्रवाहित तार के चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों में अफरा-तफरी मची रही। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आक्रोशित लोगों ने शव को उठने नहीं दिया। ग्रामीण मृतक के आश्रित को मुआवजा देने और आलू के खेत में चारों ओर विद्युत तार लगाने वाले पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। जिसके बाद बिहिया अंचल अधिकारी एवं थानाध्यक्ष घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस प्रशासन ने लोगों को समझाया-बुझाया। जिसके बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार मृतक स्व. सुरेश पंडित का 28 वर्षीय पुत्र सोनू पंडित है।

करंट लगने से मौके पर मौतः मृतक के भाई मंजी कुमार पंडित ने बताया कि वह गांव के पश्चिम खेत स्थित खेत पटाने गए थे, जहां पहले से गांव के लोग आलू के खेत में जर्जर तार लगाकर करंट दिए हुए थे । इसी दरमियान वह विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद वहां बकरी चरा रहे ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी। बताया जाता है कि मृतक के पिता की कुछ वर्ष पहले करंट लगने से ही मौत हुई थी। उसके परिवार में पत्नी कुमारी आरती तथा दो बच्चियां अंजल और छोटी हैं। मृतक चार भाईयों में तीसरे नंबर पर था। मृतक के छोटे भाई अलगू की शादी तय हो गई थी। इसी वर्ष मार्च माह में तिलक व बारात था।

आरा-बक्सर NH पर बुजुर्ग की मौत

निज संवाददाता। बक्सर

- फोरलेन पर एक घंटे तक लगा जाम, अंडरपास बनाने की मांग

आरा-बक्सर फोरलेन पर बुधवार की सुबह सड़क हादसे में 75 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। घटना पुराना भोजपुर के अंबेडकर महानगर के पास की है। इस घटना में मोहन यादव (पिता स्व नगीना यादव) सड़क पार कर रहे थे, तभी गलत दिशा से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं चालक घटना के बाद गाड़ी लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है। हालांकि घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। पहले से ही बालू लदे ट्रकों के कारण एक लेन अवरुद्ध थी, दूसरी लेन के जाम होने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया। स्थानीय लोगों ने इस मार्ग पर अंडरपास या ओवरब्रिज बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि इस रास्ते से सैकड़ों बच्चे स्कूल जाते है और ग्रामीण खेतों में आने-जाने के लिए रोज सड़क पार करते है। स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब एक साल पहले भी इसी जगह एक महिला की बालू लदे ट्रक की चपेट में आने से मौत हुई थी। तब एसडीएम और एनएचएआई के अधिकारियों ने अंडरपास या ओवरब्रिज बनाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। थानाध्यक्ष मनीष कुमार के हस्तक्षेप के बाद एक घंटे के जाम के बाद स्थिति सामान्य हुई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

आरा-बक्सर फोरलेन पर ड्राइवर की झपकी लेने से हादसा

निज संवाददाता। बक्सर

- 3 दीन से जाम में फंसा था चालक, बेकाबू होकर ट्रक से टकराया वाहन

आरा-बक्सर फोरलेन पर नया भोजपुर के पास बुधवार को सड़क हादसे में मिनी ट्रक चालक घायल हो गया। घटना नया भोजपुर सब्जी मंडी से एक किलोमीटर पहले फ्लाईओवर के पास की है, जब हरदोई निवासी चालक इद्रीश स्क्रैप से भरे अपने वाहन को लेकर दिल्ली की ओर जा रहा था। उत्तर प्रदेश में कुंभ स्नान के कारण भारी वाहनों की नो-एंट्री से राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिछले तीन दिनों से भीषण जाम की स्थिति बनी हुई थी। इस जाम में फंसे होने के कारण चालक को सोने का मौका नहीं मिला था। थकान के कारण बुधवार को जाम में खड़े होने के दौरान उसे झपकी आ गई और उसका वाहन बेकाबू होकर सामने खड़े ट्रक से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिनी ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

अनुमंडलीय अस्पताल में घायल भर्तीः सूचना मिलते ही नया भोजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन को पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में ले लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरा-बक्सर फोरलेन पर जाम की समस्या गंभीर होती जा रही है। इससे प्रतिदिन सड़क हादसे हो रहे हैं। कभी गलत लेन में चलने वाले वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते हैं, तो कभी थके हुए चालक हादसों का शिकार हो जाते हैं। लोगों ने जिला प्रशासन से फोरलेन पर लगने वाले जाम का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है, ताकि बढ़ती दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

रेलवे ट्रैक के पास मिला युवक का शव

बक्सर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में रेलवे ट्रैक किनारे बक्सर के एक व्यक्ति का शव मिला है। जानकारी के अनुसार जमानियां थाना क्षेत्र के उसिया-भदौरा रेलवे ट्रैक के पास राहगीरों ने शव को देखा और पुलिस को सूचित किया। मृतक की पहचान राजपुर थाना क्षेत्र के रामपुर निवासी मंजय कुमार सिंह (24) के रूप में हुई। दिलदारनगर और भदौरा रेलवे स्टेशन के बीच डाउन लाइन पर मिले शव की सूचना रेलवे उप-स्टेशन प्रबंधक सुभाष कुमार ने स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस ने मृतक के पास से मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान की और राजपुर थाना पुलिस के माध्यम से परिजनों को सूचित किया। घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे है।

भोजपुर में हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

- हत्या समेत 3 मामलों में था फरार, गुप्त सूचना के आधार पर हुई गिरफ्तारी

कोईलवर थाना पुलिस ने हत्या समेत तीन गंभीर कांडों में फरार एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया जय प्रकाश यादव उर्फ जेपी यादव कोईलवर के बड़का चंदा गांव का निवासी है। एसपी राज के अनुसार पकड़े गए आरोपित की पुलिस को हत्या, लूट व डकैती कांड से जुड़े तीन मामले में तलाश थी। मालूम हो कि 25 सितंबर 2023 को कोईलवर के पचैना में विकास कुमार की खिला-पिलाकर हत्या कर दी गई थी। मृतक गड़हनी थाना के सुअरी गांव निवासी अजय यादव का पुत्र था। जिसको लेकर मृतक की मां इंदु देवी ने संबंधित थाना में आठ के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी कराई थी। इस केस में पकड़े गए आरोपित का भी नाम था। इसके अलावा 23 फरवरी 2023 को कोईलवर क्षेत्र में ही डकैती और आठ अप्रैल 2024 को लूट की घटना घटित हुई थी। घटना की रात फोरलेन पर जाम में फंसे सारण के ट्रक चालक विक्रम कुमार को लूटपाट के दौरान गोली मारी गई थी। अज्ञात पर केस हुआ था। अनुसंधान में उसका नाम आया था। पुलिस को करीब दो सालों से तलाश थी। इस बीच गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने छापेमारी कर वांछित आरोपित जेपी यादव को धर दबोचा।

SP के आदेश पर 55 गिरफ्तारः भोजपुर एसपी राज के आदेश पर कांड में वांछित आरोपितों की गिरफ्तारी एवं शराब बरामदगी को लेकर चलाए गए विशेष छापेमारी अभियान में 58 पकड़े गए। जबकि, पुलिस दबिश के कारण 14 वांछितों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इसमें लूट कांड में एक, पोक्सो एक्ट में एक, हत्या के प्रयास में पांच, वारंट में 19 और अन्य कांड में एक पुलिस के हत्थे चढ़े है। इसके अलावा शराब पीने में 23 एवं शराब बिक्री करने में आठ पकड़े गए है। अभियान के दौरान 11 अवैध शराब भट्ठियों को तोड़ा गया। करीब 135 लीटर देसी एवं तीन लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। करीब 380 लीटर पास विनष्ट कर दिया गया। इस दौरान करीब 19 जमानतीय एवं 26 अजमानतीय वारंटों के अलावा नौ कुर्की का निष्पादन किया गया। चरपोखरी पुलिस ने यौनाचार एवं पोक्सो एक्ट में एक आरोपित को धर दबोचा। उदवंतनगर थाना पुलिस ने एक अपहृता को बरामद किया। हसन बाजार ओपी पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। कृष्णागढ़ थाना पुलिस बाइक एवं मोबाइल के साथ एक वांछित आरोपित को धर दबोचा।

महाकुंभ स्नान से लौटे श्रद्धालुओं का बक्सर स्टेशन पर हंगामा

- प्लेटफॉर्म पर उमड़ी भीड़, ट्रेन में चढ़ने को मची मारामारी, कई यात्री रोते नजर आए

निज संवाददाता। बक्सर

प्रयागराज के महाकुंभ में उमड़ने वाली भिड़ का बिहार यूपी की सीमावर्ती स्टेशन बक्सर पर भी देखने को मिल रहा है। महाकुंभ स्नान के बाद बुधवार की सुबह प्रयागराज राज से लौटने वालो की भारी भीड़ के चलते रेलवे स्टेशनों पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालात यह हो गया कि ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर खचाखच भीड़ के बीच यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना सुरक्षाबलों के लिए चुनौती बन गया। महाकुंभ स्पेशल ट्रेन प्रयागराज से लोगो को लेकर लौटने के बाद उनको बक्सर स्टेशन पर छोड़ प्रयाग राज जाने के लिए बक्सर से ही घूम गई। इसके कारण स्टेशन पर श्रद्धालु की भिड़ का दबाव बढ़ गया।

ट्रेन से उतरने के बाद रोने लगी युवतीः प्रयागराज से पटना की तरफ जाने वाले लोग बक्सर स्टेशन पर ट्रैक के दोनों तरफ खड़े होकर अपने ट्रेन का इंतजार करने लगे। पटना की तरफ जाने के लिए जैसे ही जनशताब्दी एक्सप्रेस रुकी ट्रेन में चढ़ने के लिए यात्रियों को मारा मारी करना पड़ा। वहीं बक्सर स्टेशन पर उतरने वाले लोगो को भी काफी मशक्कत कराना पड़ा कई सवारी भिड़ के बीच ट्रेन से जब नीचे उतरते तो रोने लगे। बक्सर आरपीएफ पोस्ट प्रभारी दीपक कुमार ने कहा की जब तक महाकुंभ स्नान समाप्त नहीं हो जाता है। स्टेशन पर भिड़ का दबाव बना रहेगा। रेल पुलिस श्रद्धालुओं को सुरक्षित चढ़ाने उतारने के लिए प्रयास में जुटी हुई है। उन्होंने बताया की कुंभ स्पेशल ट्रेन का बक्सर तक ही स्टॉपेज है। इसके कारण कुंभ लौटने वालो की संख्या बक्सर स्टेशन पर बढ़ जा रही है। बक्सर के बाद लोग विभिन्न ट्रेनों से अपने घर की तरफ लौट रहे है। आने वाली ट्रेनों की जानकारी लगातार दिया जा रहा है। बता दे की मंगलवार की रात तक बक्सर स्टेशन पर प्रयाग राज संगम पर जाने वालो की भिड़ थी। वहीं बुधवार की सुबह संगम स्नान कर लौटने वालो की भिड़ स्टेशन पर देखने को मिल रही है। रेलवे स्टेशनों पर भीड़ बढ़ने से स्थिति इतनी खराब हो गई कि सैकड़ों लोगों को ट्रेन छोड़ घर लौटना पड़ा।

जिले में एक वर्ष में 12180 लोग शिकार

निज संवाददाता। बक्सर

जिले में आवारा कुत्तों के साथ पालतू कुत्ते के काटने के मामले में बढ़ोतरी हुई है। यदि आवारा कुत्तों की बात करें तो शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा पशुओं, खासकर कुत्तों के आतंक ने लोगों के लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर दी हैं। शहर के गली-मोहल्लों, मुख्य सड़कों और ग्रामीण इलाकों में ये पशु न केवल दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा साबित हो रहे हैं। आंकड़े भी यही बताते हैं कि जिले के सदर अस्पताल समेत अन्य पीएचसी व सीएचसी में प्रतिदिन लगभग 400 से अधिक मामले आ रहे हैं।बता दें कि सदर अस्पताल में पालतू कुत्ते के काटने के मामले ज्यादा आए हैं। संबंधित कर्मियों का कहना है कि आवारा कुत्तों से ज्यादा पालतू कुत्ते काटने के मामले में बढ़ोतरी हुई है। क्योंकि लोग कुत्ता पालते तो हैं, लेकिन समय से इंजेक्शन नहीं दिलवा पाते हैं, जिसके कारण से ऐसे मामले आ रहे हैं। सदर अस्पताल में डॉग बाइट के मरीज को इंजेक्शन लगा रही कर्मी ने बताया कि कुत्तों को खाना देने के दौरान, तो उससे खेलने के दौरान, नहलाने के दौरान, बाहर ले जाने के दौरान काटने की बातें लोग अक्सर बताते हैं। ऐसे में लोगों को यह पता होना चाहिए कि यदि पहले से ही कुत्ते का टीका दिला दिया जाए तो उन्हें अस्पताल दौड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस वर्ष जनवरी माह में आए 849 मामले बता दें की बक्सर सदर अस्पताल में प्रतिदिन डॉग बाइट के 40 से 50 मरीज आते हैं, जिनको इंजेक्शन लगाया जाता है। इसके अलावा प्रखंडों के पीएचसी व सीएचससी में भी मरीज आते हैं। इस वर्ष सदर अस्पताल में जनवरी महीने में 849 बाइटिंग के मरीजों ने निबंधन कराकर इलाज कराया है। जिसमें 59 मामले इमरजेंसी में आए हैं जिन्हें इंजेक्शन लगाई गई है। वर्ष 2024 में 12180 मरीज हुए शिकार बता दें कि लोगों को कुत्ता पालने की शौक तो है, लेकिन उसे नियमित टीकाकरण कराने का शौक नहीं है, जिसके कारण से घरेलू कुत्तों के काटने की संख्या बढ़ी है। सदर अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में 12180 लोग डॉग बाइट के शिकार हुए हैं, इसमें से लगभग 40 फिसदी घरेलू कुत्ते के काटने के शिकार मरीज मिले हैं। मांस-मछली दुकानों का बढ़ना भी बन रहा कारण बता दें कि शहर समेत ग्रामीण इलाकों में मांस-मछली की दुकानों का जैसे-जैसे विस्तार हो रहा है आवारा पशुओं का जमावड़ा स्थल भी इसी तरह बढ़ रहा है। खासकर आवारा कुत्तों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जिसके कारण से आम जनों को कई प्रकार के कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है वहीं जिला प्रशासन के द्वारा भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। माह मरीज जनवरी 1127 फरवरी 1164 मार्च 1090 अप्रैल 970 मई 1098 जून 959 माह मरीज जुलाई 1084 अगस्त 1100 सितंबर 761 अक्टूबर 1092 नवंबर 791 दिसंबर 944

संक्षिप्त समाचार

भीड़ के कारण ट्रेन से गिरा युवक, बाया हाथ कटा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जंक्शन से सटे कटहीपुल के पास मंगलवार की शाम एक युवक 15708 आम्रपाली एक्सप्रेस की जेनरल बोगी से गिर गया। इसमें उसका बाया हाथ कट गया है। सूचना पर आरपीएफ दारोगा गोकुलेश पाठक और जीआरपी से दारोगा बीरेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। उधर, काजी मोहम्मदपुर थाने के दारोगा रामेश्वर कुमार भी पहुंचे। घायल को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे उसे एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया। जख्मी युवक की पहचान सकरा थाना के सकरा फरीदपुर निवासी मो. अलादद्दीन के रूप में की गई। वह अमृतसर से ढोली के लिए ट्रेन से चला था। भीड़ की वजह से गेट पर बैठा था। इसी दौरान किसी ने धक्का दे दिया, जिससे वह चलती ट्रेन से गिर गया। उसके पास से रेलवे टिकट भी बरामद नहीं किया जा सका।

सीएम 500 जीविका दीदियों को इलेक्ट्रिक साइकिल देंगे

पटना में 21 फरवरी को प्रगति यात्रा

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा पटना जिले में 21 फरवरी को होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री 500 जीविका दीदियों के बीच इलेक्ट्रिक साइकिल बांटेंगे। जीविका ने स्त्री यानी सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन फॉर रूरल एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम के तहत राज्य में 500 महिलाओं का चयन किया है। वरीय परियोजना प्रबंधक समीर कुमार ने बताया कि इलेक्ट्रिक साइकिल के माध्यम से महिलाएं सब्जी, फल के साथ कपड़े, मछली और कई तरह के उत्पादों को घूम-घूमकर बेच सकेंगी। यह इलेक्ट्रिक साइकिल एक बार में चार्ज होने पर 70 किलोमीटर तक चलेगी। बैट्री का चार्ज खत्म होने पर पैडल से भी साइकिल चलेगी। महिलाएं गांव-गांव और पंचायतों में जाकर आसानी से काम करके वापस लौट सकेंगी। इस साइकिल पर 50 किलो का सामान एक स्थान से दूसरे स्थान ले जा सकेंगी। साइकिल की कीमत 30-35 हजार रुपए है। जीविका दीदियों को मात्र 9 हजार रुपए में दी जाएगी। जो महिलाएं आर्थिक रूप से असमर्थ हैं, उन्हें लोन की सुविधा दी गई है।

बिहार में मिट्टी खोदने के दौरान मिली 2 हजार साल पुरानी विष्णु की मूर्ति, थाने में रखी गई प्रतिमा

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर के शाहकुंड थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव में खुदाई के दौरान एक प्राचीन प्रतिमा मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. यह प्रतिमा भगवान विष्णु की है. मूर्ति करीब डेढ़ फुट ऊंची बताई जा रही है.अनुमान लगाया जा रहा है कि यह प्रतिमा दो हजार साल पुरानी है. मूर्ती को देखने के लिए आसपास के लोगों की भीड़ लग गई. भागलपुर में मिली विष्णु की मूर्तीः फतेहपुर गांव निवासी ललन मंडल अपने निजी आवास के निर्माण के लिए खुदाई करा रहे थे. तभी मजदूरों को जमीन के अंदर ठोस पदार्थ होने का एहसास हुआ. जब उसे बाहर निकालने का प्रयास किया गया तो एक अद्भुत प्रतिमा दिखाई दी. खुदाई के दौरान प्रतिमा को हल्की क्षति भी पहुंची है. थाने में रखी गई प्रतिमाः घटना की सूचना मिलते ही शाहकुंड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और प्रतिमा को अपने संरक्षण में ले लिया. बाद में इसे थाना परिसर में रखा गया. भागलपुर संग्रहालय के अध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार यादव ने बताया कि यह प्रतिमा 7वीं शताब्दी की दुर्लभ मूर्ति है और इसे संग्रहालय में सुरक्षित रखा जाएगा. भागलपुर संग्रहालय के पूर्व अध्यक्ष शिव कुमार मिश्र का कहना है कि यह मूर्ति दो हजार वर्ष पुरानी हो सकती है. इससे मिलती-जुलती प्रतिमा नवादा में भी मिली थी. जिसे वासुदेव की मूर्ति माना गया था. हालांकि, इस प्रतिमा की सटीक पहचान के लिए और शोध की आवश्यकता है. ऐतिहासिक धरोहर को सहेजने की जरूरतः विशेषज्ञों और स्थानीय प्रशासन ने भागलपुर के जिलाधिकारी से अनुरोध किया है कि इस ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रूप से संग्रहालय में संरक्षित किया जाए. फिलहाल, प्रतिमा के संरक्षण को लेकर प्रशासनिक कवायद जारी है.

16000 मुखिया और सरपंच ने नीतीश सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, विधानसभा चुनाव में बनेंगे बड़ी चुनौती !

पटना, एजेंसी। इस साल बिहार में विधानसभा का चुनाव होना है और उसके ठीक एक साल बाद पंचायत का भी चुनाव होगा, यानी 2026 में फिर से मुखिया और सरपंच चुनाव मैदान में जाएंगे और इसका डर सभी मुखिया और सरपंच को अभी से सताने लगा है. बिहार में 8387 पंचायत हैं. मुखिया और सरपंच को जोड़ लें तो इनकी संख्या 16000 से अधिक है. इसके अलावा वार्ड सदस्य, पंच, पंचायत समिति और जिला परिषद के सदस्य की संख्या को मिला दें ढाई लाख के करीब पहुंच जाते हैं. इन सब की एक ही नाराजगी है कि सरकार ने उनके अधिकार में कटौती कर दी है.

नीतीश सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा : आरजेडी पंचायत प्रकोष्ठ के अध्यक्ष महेंद्र विद्यार्थी का कहना है कि नीतीश सरकार पंचायत प्रतिनिधि को जो अधिकार मिले हुए हैं, उसमें लगातार कटौती कर रही है. वहीं, मुखिया संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह का कहना है कि पहले ग्राम सभा से पास कर हम लोग गांव की आवश्यकता के अनुसार योजना चलाते थे, जिसमें पुल पुलिया के निर्माण से लेकर पीसीसी सड़क, पाइप लगाना, नाली गली और कई योजना होती थी लेकिन अनियमितता का आरोप लगाकर पहले नल जल योजना हम लोगों से छीन कर पीएचईडी विभाग को दिया गया.

पंचायत प्रतिनिधि को पंगू बना दिया: पंचायत प्रतिनिधि कहते हैं कि अब सरकार ने स्ट्रीट लाइट की योजना लाई है. अब एजेंसी के माध्यम से जो काम हो रहा है, उसमें काफी गड़बड़ी है. इस तरह मनरेगा के माध्यम से जो

योजना चल रही है, उस पर ऊपर से ही डिसीजन होता है. ऐसे में ग्राम सभा के पास जो अधिकार है, उसे सरकार ने पूरी तरह से पंगू बना दिया है.

गड़बड़ी के लिए कौन होगा जिम्मेदार?: नालंदा के अम्मा पंचायत के मुखिया पति अविनाश प्रसाद सिंह का कहना है कि टेंडर पॉलिसी से कम होने पर बाहर के लोग आकर काम करेंगे और कुछ गड़बड़ी हुआ, तब आप मुखिया पर ही आरोप लगेगा. वह कहते हैं कि स्ट्रीट लाइट योजना में एजेंसी काम कर रही है लेकिन जिम्मेदारी मुखिया के पास है तो बदनामी मुखिया की हो रही है लेकिन अधिकतर मुखिया के पास नहीं है.

सरकार ने हमारा अधिकार छीन लिया : वहीं, मधुबनी के बेरोजगार के मुखिया बुद्ध प्रकाश का कहना है कि मुखिया के पास गांव के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के लिए योजना बनाने का अधिकार था लेकिन एक-एक कर सभी योजना नीतीश सरकार ने छीन लिया है.

अध्यक्ष, मुखिया संघ अशोक कुमार सिंह का कहना है कि सरकार लगातार पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकार में कटौती करने में लगी है. कई योजनाओं ऐसी है, जिसका काम बाहर की एजेंसी से करवाया जा रहा है. अब ऐसे में जब किसी तरह की अनियमितता होगी तो आरोप मुखिया और पंचायत प्रतिनिधियों पर ही लगेंगे. लिहाजा सरकार को इस पर विचार कर हमें हमारा अधिकार सौंपना होगा

मुखिया-सरपंच में सरकार के खिलाफ असंतोष: बिहार सरकार ने पहले पंचायत भवन का निर्माण भी मुखिया के माध्यम से करना शुरू किया था लेकिन बाद में गुणवत्ता और कई तरह की अनियमित को लेकर मुखिया से काम ले लिया गया और फिर भवन निर्माण विभाग के माध्यम से इसे कराया जाने लगा. इसको लेकर भी काफी नाराजगी थी और इस नाराजगी को दूर करने के लिए पंचायती राज विभाग की ओर से अभी 2000 से अधिक शेष बचे पंचायत भवन का निर्माण मुखिया को देने की तैयारी हो रही है. विभागीय मंत्री ने कहा कि इस पर फैसला सीएम नीतीश कुमार को करना है. मंत्री, पंचायती राज विभाग केदार गुप्ता का कहना है कि अनियमितता के कारण काम लिया गया था लेकिन हम लोगों ने अब प्रपोजल बनाकर मुख्यमंत्री के पास भेजा है कि जहां जमीन नहीं है, वहां मुखिया जमीन की व्यवस्था कर पंचायत भवन का निर्माण करें. अब फैसला मुख्यमंत्री जी को ही करना है.-

क्या बोले ग्रामीण विकास मंत्री?

टेंडर पॉलिसी को लेकर मुखिया संघ में काफी नाराजगी है और मुखिया संघ की तरफ से लगातार हड़ताल से लेकर धरना प्रदर्शन और रैलियां भी हो रही है. बिहार के मुखिया के कड़े तेवर के बाद सरकार ने टेंडर पॉलिसी को पूरी तरह फिलहाल लागू नहीं किया है लेकिन कई तरह के वित्तीय अधिकार मुखिया से ले लिया गया है. बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार का कहना है कि सरकार ने पंचायत और ग्रामीण इलाकों में गुणवत्तापूर्ण निर्माण हो, इसलिए फैसला लिया है. अब जिनको इससे दिक्कत हो रही है, वही लोग विरोध कर रहे हैं.

बिहार में पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या : 2020 में पंचायत में 6 पदों पर चुनाव हुए थे. पंचायतों की कुल संख्या 8387 है. बिहार में मुखिया की संख्या 8387 और सरपंच की संख्या 8387 हैं. वहीं, वार्ड सदस्य की संख्या 114667, पंच की संख्या 114666, पंचायत समिति के सदस्यों की संख्या 11491 और जिला परिषद के सदस्यों की संख्या 1161 है.

मुखिया के पास क्या पावर?

बिहार में मुखिया को पंचायती राज व्यवस्था में कई शक्तियां मिली हैं. ग्राम सभा और ग्राम पंचायत की बैठकें आयोजित करना और उनकी अध्यक्षता करना शामिल है. बैठकों का कार्य-व्यवहार संभालना और उनमें अनुशासन कायम रखना. एक कैलेंडर वर्ष में ग्राम सभा की कम-से-कम चार बैठकें आयोजित करना. पूंजी कोष पर विशेष नजर रखना. ग्राम पंचायत के कार्यकारी प्रशासन की देखरेख और ग्राम पंचायत में कार्यरत कर्मचारियों की देखरेख और दिशा निर्देश देना है.

ये भी मुखिया का ही अधिकार?

ग्राम पंचायत की कार्ययोजनाओं/प्रस्तावों को लागू करना, नियमानुसार रखी गई विभिन्न रजिस्टरों के रखरखाव का इंतजाम करना, ग्राम पंचायत के तय किए टैक्सों, चंदों और फीसों की वसूली का इंतजाम करना और राज्य सरकार या एक्ट अथवा किसी अन्य कानून के अनुसार सौंपी गई अन्य जिम्मेदारियों और कार्यों को पूरा करना भी शामिल है.

महाकुंभ में बिहार के मंत्रियों का महाजुटान, त्रिवेणी में लगाई डुबकी

पटना, एजेंसी। प्रयागराज में कुंभ स्नान के लिए आम लोगों के साथ-साथ खास लोगों की भी भीड़ उमर रही है. बिहार के राजनेताओं में भी महाकुंभ स्नान की होड़ लगी है. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने भी कुंभ स्नान किया. दोनों मंत्रियों ने महाकुंभ आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन की तारीफ की.

दिलीप जायसवाल ने लगाई डुबकी : बिहार सरकार के मंत्री और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने पत्नी और परिवार के सदस्यों के साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाई. उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीर भी साझा की है. उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, आस्था और संस्कृति के संगम प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी संगम पर माघी पूर्णिमा के पुनीत अवसर पर सपरिवार आस्था एवं पुण्य का स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. इस दिव्य अनुभव को शब्दों में अभिव्यक्त नहीं किया जा सकता है.

मंगल पांडेय ने किया कुंभ स्नान

वहीं, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने भी पत्नी और परिवार के साथ जाकर संगम में स्नान किया. उन्होंने कहा कि कुंभ में भारी भीड़ है लेकिन उत्तर प्रदेश शासन को मैं शानदार व्यवस्था के लिए बधाई देता हूं. इस स्थान पर आकर सब लोग और खासकर सनातनी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं. मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को और शक्ति दें ताकि देश तरक्की के पथ पर आगे बढ़े. बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि आज प्रयागराज महाकुंभ में पावन स्नान के उपरांत सपत्नीक विभिन्न तीर्थ स्थलों, अक्षय वट, सरस्वती कूप एवं पाताल लोक में पूजा-अर्चना कर विश्व कल्याण की प्रार्थना की.-

जिले में एक वर्ष में 12180 लोग शिकार

डॉग बाइट के मामले बढ़े

बक्सर, एजेंसी। जिले में आवारा कुत्तों के साथ पालतू कुत्ते के काटने के मामले में बढ़ोतरी हुई है। यदि आवारा कुत्तों की बात करें तो शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा पशुओं, खासकर कुत्तों के आतंक ने लोगों के लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर दी हैं। शहर के गली-मोहल्लों, मुख्य सड़कों और ग्रामीण इलाकों में ये पशु न केवल दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए भी खतरा साबित हो रहे हैं। आंकड़े भी यही बताते हैं कि जिले के सदर अस्पताल समेत अन्य पीएचसी व सीएचसी में प्रतिदिन लगभग 400 से अधिक मामले आ रहे हैं। बता दें कि सदर अस्पताल में पालतू कुत्ते के काटने के मामले ज्यादा आए हैं। संबंधित कर्मियों का कहना है कि आवारा कुत्तों से ज्यादा पालतू कुत्ते काटने के मामले में बढ़ोतरी हुई है। क्योंकि लोग कुत्ता पालते तो हैं, लेकिन समय से इंजेक्शन नहीं दिलवा पाते हैं, जिसके कारण से ऐसे मामले आ रहे हैं। सदर अस्पताल में डॉग बाइट के मरीज को इंजेक्शन लगा रही कर्मी ने बताया कि कुत्तों को खाना देने के दौरान, तो उससे खेलने के दौरान, नहलाने के दौरान, बाहर ले जाने के दौरान काटने की बातें लोग अक्सर बताते हैं। ऐसे में लोगों को यह पता

होना चाहिए कि यदि पहले से ही कुत्ते का टीका दिला दिया जाए तो उन्हें अस्पताल दौड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस वर्ष जनवरी माह में आए 849 मामले बता दें की बक्सर सदर अस्पताल में प्रतिदिन डॉग बाइट के 40 से 50 मरीज आते हैं, जिनको इंजेक्शन लगाया जाता है। इसके अलावा प्रखंडों के पीएचसी व सीएचससी में भी मरीज आते हैं। इस वर्ष सदर अस्पताल में जनवरी महीने में 849 बाइटिंग के मरीजों ने निबंधन कराकर इलाज कराया है। जिसमें 59 मामले इमरजेंसी में आए हैं जिन्हें इंजेक्शन लगाई गई है। वर्ष 2024 में 12180 मरीज हुए शिकार बता दें कि लोगों को कुत्ता पालने की शौक तो है, लेकिन उसे नियमित टीकाकरण कराने का शौक नहीं है, जिसके कारण से घरेलू कुत्तों के काटने की संख्या बढ़ी है। सदर अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में 12180 लोग डॉग बाइट के शिकार हुए हैं, इसमें से लगभग 40 फिसदी घरेलू कुत्ते के काटने के शिकार मरीज मिले हैं। मांस-मछली दुकानों का बढ़ना भी बन रहा कारण बता दें कि शहर समेत ग्रामीण इलाकों में मांस-मछली की दुकानों का जैसे-जैसे विस्तार हो रहा है आवारा पशुओं का जमावड़ा स्थल भी इसी तरह बढ़ रहा है। खासकर आवारा कुत्तों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। जिसके कारण से आम जनों को कई प्रकार के कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है वहीं जिला प्रशासन के द्वारा भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

आईआईटी पटना में लड़कों के लिए 732 बेड वाले नए छात्रावास का 55 करोड़ रुपए की लागत से होगा निर्माण

पटना, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) पटना में 732 बेड वाले लड़कों के नए छात्रावास का निर्माण होगा। आईआईटी पटना के निदेशक प्रोफेसर टीएन सिंह मंगलवार को इसका आधारशिला रखी। आईआईटी पटना देश के दूसरे पीढ़ी के आईआईटी में पहला संस्थान है, जो अपने आंतरिक संसाधनों से लगभग 55 करोड़ रूपए की लागत से यह नया छात्रावास बनाने जा रहा है। यह परियोजना संस्थान की आत्मनिर्भरता और छात्रों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बता दें कि नया छात्रावास का कुल निर्मित क्षेत्रफल 15,480 वर्ग मीटर में होगा। इसकी संरचनाः त+7, प्रत्येक तल पर केंद्रीय गलियारे से जुड़े दो विंग होंगे। जिसकी कुल क्षमता 366 कमरे, प्रत्येक में दो बिस्तरों के साथ 732 छात्रों के लिए होगा। जिसमें एक आउटडोर बैडमिंटन कोर्ट और एक हरित मनोरंजन क्षेत्र जिसमें बैठने की व्यवस्था रहेगी। ग्राउंड फ्लोर पर विशेष रूप से दिव्यांग छात्रों के लिए शौचालय युक्त 32 कमरे के साथ पूरी तरह से वाई फाई परिसर होगा। जिसमें केंद्रीकृत सोलर वाटर हीटिंग प्रणाली और गृह -3 रेटेड डिज़ाइन जो ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करने वाला होगा।

छात्रावास के निर्माण की समय सीमा मई 2026 निर्धारित

इस अत्याधुनिक छात्रावास के निर्माण की समय सीमा मई 2026 निर्धारित की गई है। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए ब्रिज एंड रूफ कंपनी इंडिया लिमिटेड , एक मिनी र7 श्रेणी-1 पीएसयू (पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग) , जो भारी उद्योग मंत्रालय के तहत कार्य करती है, को प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रो टीएन सिंह कहा कि आज आईआईटी पटना के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। यह परियोजना हमारे संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के सामूहिक और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। यह छात्रावास संस्थान को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है और हम छात्रों के समग्र विकास के लिए उच्चतम गुणवत्ता का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यूपी में भीषण सड़क हादसे में बिहार के तीन लोगों की मौत, महाकुंभ से विंध्याचल जाने के दौरान दुर्घटना

गया, एजेंसी। प्रयागराज महाकुंभ से लौट रहे बिहार के तीन लोगों की मौत सड़क हादसे में हो गयी. उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के पास कार और स्कॉर्पियो में जबरदस्त से टकरा गई. इस हादसे में गया के अतरी थाना के पथरौरा गांव निवासी इंद्रजीत सिंह और उनके पुत्र राजीव कुमार की मौत हो गई. एक और व्यक्ति कृष्णा सिंह की भी मौत इस हादसे में हो गयी.

मिर्जापुर में हादसा : जानकारी के अनुसार अतरी थाना के पथरौरा गांव से रविवार की शाम कुछ लोग प्रयागराज महाकुंभ गए थे. वहां से स्नान करने के बाद मंगलवार को सभी विंध्याचल जा रहे थे. इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के पास इनकी कार एक स्कॉर्पियो से टकरा गई. तीन लोगों की मौत हो गयी जबकि लोग घायल है. घायल में इंद्रजीत सिंह की पत्नी निर्मला देवी, कृष्णा सिंह की पत्नी श्याम देवी और 6 वर्षीय पोता शिवांशु कुमार शामिल हैं. घायलों का इलाज वाराणसी में किया जा रहा है. मृतक के शव को मिर्जापुर पुलिस के द्वारा पोस्टमार्टम के भेज दिया गया है. पोस्टमार्टम के बाद शव आज बुधवार को गया लाया जाएगा. इधर, घटना के बाद पथरौरा गांव में मातम पसरा है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. बताया जाता है कि सभी

डीजे से जमकर हो रहा ध्वनि प्रदूषण, हाईकोर्ट ने बिहार सरकार को लगाई फटकार

पटना, एजेंसी। बिहार में बढ़ते ध्वनि प्रदूषण को लेकर पटना उच्च न्यायालय ने गंभीरता दिखाते हुए राज्य सरकार को फटकार लगाई है. जस्टिस राजीव रॉय ने सुरेंद्र प्रसाद की याचिका की सुनवाई करते हुए कहा कि लोग लगातार कई तरह के प्रदूषण को झेल रहे हैं. वहीं, कोर्ट ने राज्य के नागरिक और राजधानी पटना में शोर/ध्वनि प्रदूषण पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है. इस मामले पर अगली सुनवाई 14 फरवरी 2025 को होगी. ध्वनि प्रदूषण पर सुनवाईः इस मामले में कोर्ट को सहयोग करने के लिए वरीय अधिवक्ता अजय को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया. उन्होंने कोर्ट को बताया कि शहर में ऑर्केस्ट्रा/डीजे ट्रॉली और सांस्कृतिक कार्यक्रम करने वाले लोग पूरी तरह से भूल गए हैं कि वे किस

तरह का ध्वनि/ध्वनि प्रदूषण पैदा कर रहे हैं. लाउडस्पीकर का जगह डीजे का प्रयोगः वरीय अधिवक्ता अजय ने कोर्ट को बताया कि ध्वनि प्रदूषण को लेकर बनाये गए कानून में ध्वनि प्रदूषण पर प्रतिबंधों के प्रकार को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है. उनके अनुसार लाउडस्पीकर का उपयोग करने की अनुमति लेना अनिवार्य है. यहां तक कि लाउडस्पीकर को जब्त भी किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि आज लाउडस्पीकर का जगह डीजे ने ले लिया है. अधिवक्ता अजय ने क्या बताया?: अब एक ट्रॉली में कई स्पीकर लगे होते हैं, जो शहर के विभिन्न अस्पतालों सहित सभी रास्तों हो कर गुजरते हैं. ध्वनि का स्तर निर्धारित स्तर से लगभग हजार गुना अधिक होता है. इससे न केवल हृदय रोग से पीड़ित लोग, वृद्ध लोग प्रभावित होते हैं. कुछ मामलों में तो गर्भवती महिलाओं का गर्भपात भी हो चुका है. इसे नियंत्रित करने के लिए बिहार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का गठन किया गया है और अनुमति लेना अनिवार्य है. डीजे से जमकर हो रहा ध्वनि प्रदूषणः अधिवक्ता अजय ने कहा कि इसका उपयोग रात में खुले स्थान पर नहीं किया जा सकता है और उपयोग कहां किया जाना है, इसका विवरण कानून में स्पष्ट है. यही नहीं ध्वनि का स्तर 10 डीबी (ए) हैं लेकिन किसी भी सूरत में 75 डीबी (ए) से अधिक नहीं हो सकता है. इसका उल्लंघन किए जाने पर दंड का प्रावधान किया गया है. बोर्ड राज्य को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए कुछ नहीं कर रहा है. इसके अलावे ध्वनि प्रदूषण से उत्पन्न होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरे के अलावा स्कूल जाने वाले बच्चे, कॉलेज के युवा छात्र, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र प्रभावित होते हैं.

पटना उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता अजय का कहना है कि डीजे से तमाम जगहों पर ध्वनि प्रदूषण हो रहा है. किसी भी कार्यक्रम के दौरान खुले स्थान पर ध्वनि का उच्च डेसिबल स्तर शहर के नागरिकों के जीवन को पूरी तरह से नरक बना देता है. अगली सुनवाई 14 फरवरी को होगी. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने क्या दलील दी?: वहीं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरीय अधिवक्ता शिवेंद्र किशोर ने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एक सलाहकारी निकाय है और उचित प्राधिकारी को सलाह दे सकता है. उन्होंने माना कि शहर के नागरिक होने के नाते उन्होंने भी ऐसी समस्या का सामना करना पड़ता है. शहर में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए बोर्ड की ओर से उठाए गए सभी तथ्यों और कदमों को कोर्ट के समक्ष पेश करने के लिए एक समय देने का अनुरोध किया. कोर्ट ने लगाई राज्य सरकार को फटकारः सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड न केवल कार्य करें, बल्कि नियमों के अनुरूप कार्य करते हुए दिखना चाहिए और परिणाम शहर के नागरिकों को दिखना चाहिए. कोर्ट ने सभी अधिवक्ताओ को अपना सुझाव देने के लिए स्वतंत्र हैं.

सुरक्षित इंटरनेट उपयोग पर जिलास्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा में इंटरनेट सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें जिला प्रशासन के विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मियों ने भाग लिया। यह कार्यशाला जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर के निर्देशानुसार आयोजित की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य साइबर स्वच्छता और डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा देना था। कार्यशाला के दौरान इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों और कर्मचारियों को बताया गया कि कैसे वे अपने कंप्यूटर, मोबाइल, बैंकिंग खातों, और अन्य डिजिटल संसाधनों को साइबर हमलों से सुरक्षित रख सकते हैं। इस संदर्भ में फिशिंग, हैकिंग, डेटा चोरी, कंप्यूटर उपकरणों की सुरक्षा, और व्यक्तिगत खातों की रक्षा को लेकर विशेष जानकारी दी गई। इसके अलावा, 'सुरक्षित इंटरनेट दिवस' के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया, जिसे वैश्विक स्तर पर ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इस प्रशिक्षण में मजबूत पासवर्ड बनाने और उसे समय-समय पर बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। दो-चरणीय प्रमाणीकरण को अपनाने, स्क्रीन लॉक को मजबूत रखने, बायोमेट्रिक सत्यापन का उपयोग करने, केवल विश्वसनीय स्रोतों से मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करने, सुरक्षित इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग करने, संदिग्ध ईमेल और अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचने, तथा सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल एप्स को नियमित रूप से अपडेट करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया।

इस दौरान उप विकास आयुक्त स्मिता टोप्पो ने इंटरनेट सुरक्षा को लेकर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित इंटरनेट दिवस एक वैश्विक अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को डिजिटल जीवन में सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने साइबर स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यदि हम अपने डिजिटल उपकरणों और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखते हैं, तो साइबर अपराधों से बचा जा सकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मियों से आग्रह किया कि वे अपने-अपने कार्यस्थलों में साइबर सुरक्षा से जुड़े नियमों का पालन करें और आमजन को भी इस बारे में जागरूक करें। कार्यशाला में उपस्थित जिला नजारत उपसमाहर्ता सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम, जिला परिवहन पदाधिकारी कंचन कुमारी भुदोलिया, जिला खेल पदाधिकारी प्राण महतो, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी प्रमोद कुमार, एलडीएम गोड्डा, डीएमएफटी मैनेजर, समाहरणालय एवं एनआईसी के कर्मीगण, कंप्यूटर ऑपरेटर, और वीएलई सहित कई अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने साइबर सुरक्षा से जुड़ी इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में भाग लिया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने विभिन्न डिजिटल खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उनसे बचने के उपाय बताए। उदाहरण के रूप में बताया गया कि साइबर अपराधी विभिन्न तरीकों से व्यक्तिगत जानकारी चुराने की कोशिश करते हैं, जिसमें फिशिंग ईमेल, संदिग्ध वेबसाइट, नकली मोबाइल एप्लिकेशन और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का दुरुपयोग शामिल है। इस तरह के खतरों से बचने के लिए इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को हमेशा सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से पहले उसकी प्रामाणिकता की जांच करनी चाहिए। कार्यशाला के दौरान कई प्रायोगिक सत्र भी आयोजित किए गए, जिसमें उपस्थित कर्मियों को डिजिटल उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तकनीकों को अपनाने की प्रक्रिया को लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से समझाया गया। इस अवसर पर साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है, क्योंकि साइबर अपराधी हमेशा नए-नए तरीकों से लोगों को ठगने का प्रयास करते हैं। ऐसे में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत साइबर सेल को देने की अपील की गई। कार्यशाला के समापन सत्र में अधिकारियों ने इंटरनेट उपयोग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर अपने विचार साझा किए और साइबर सुरक्षा से जुड़े विषयों पर अपने प्रश्न भी रखे। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों ने इस प्रशिक्षण कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि यह न केवल सरकारी कर्मियों के लिए बल्कि आम नागरिकों के लिए भी बेहद आवश्यक विषय है, क्योंकि डिजिटल युग में हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में इंटरनेट का उपयोग करता है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी को साइबर अपराधों से बचाव के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी मिली, जिससे वे न केवल खुद सुरक्षित रह सकते हैं बल्कि दूसरों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक कर सकते हैं। इस कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की गई और भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करने पर जोर दिया गया, ताकि इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को साइबर खतरों से सुरक्षित रखने के लिए समय-समय पर नई जानकारियां मिलती रहें।

हत्या मामले में चार अभियुक्त गिरफ्तार

निज संवाददाता | गोड्डा

बीते दिनों ललमटिया जाने वाले रास्ते में सड़क के किनारे एक व्यक्ति का शव और मोटरसाइकल बरामद हुआ था जिसको लेकर परिजनों द्वारा स्थानीय थाना में मामला दर्ज किया गया था। वहीं व्यक्ति का शव मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुटी और अविलंब मामले का उद्भेदन कर हत्या में संलिप्त सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं बताया गया कि यह हत्या अवैध प्रेम संबंध में हुई थी। वहीं इस मामले के उद्भेदन के बाद सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में बुधवार को पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित कर मामले की पूरी जानकारी दी गई। बीते 12 जनवरी को सूचना प्राप्त हुई कि केचुआ चौक से ललमटिया जाने के क्रम में एक डेड बॉडी मिली है। पुलिस के द्वारा सत्यापन करने पर मृत व्यक्ति की पहचान रंजीत कुमार पंडित, उम्र करीब 30 वर्ष के रूप में किया गया। इस मामले में 13 जनवरी को 13/25 कांड दर्ज किया गया। इस पर मर्डर केस दर्ज किया गया। इस मामले के उद्भेदन के लिए महागामा एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। तकनीकी एवं मानवीय तरीके से इस कांड का उद्भेदन किया गया। इस मामले में पता चला कि मृतक के पत्नी का अवैध संबंध एक व्यक्ति दिनेश यादव से था। आवेश संबंध के चलते आरोपी एवं मृतक के बीच पूर्व में नोक झोक होती रही है। मृतक की पत्नी ने दिनेश यादव और अन्य लोगों के साथ मिलकर हत्या करने का प्लान बनाया। इसके बाद इसकी सुनियोजित तरीके से हत्या कर दी। स्वीकारोक्ति बयान में मृतक की पत्नी के अलावा अन्य चार लोग भी शामिल थे। इसके अलावा अन्य अपराध कर्मी के घर पर छापेमारी की गई। इक्को वाहन सहित एक छह चक्र का लोडेड रिवाल्वर तीन जिंदा कारतूस तीन मोबाइल फोन बरामद किया गया है। इस मामले में मृतक की पत्नी द्रौपदी देवी, दिनेश यादव, इफ्तेखार अंसारी, मकसूद अंसारी एवं मो० मुन्ना इन सभी की आपस में दोस्ती थी। इन्होंने इस मामले में साक्षी छुपाने और हत्या में सहयोग करने के बात सामने आई है। इफ्तेखार अंसारी, जिनके यहां से हथियार बरामद हुए हैं। वह पहले से 6 कांड में आरोपपत्री है। अभियुक्तों में मृतक की पत्नी द्रौपदी देवी, उम्र 25 वर्ष, पति स्व० रंजीत कुमार पंडित, दिनेश यादव, उम्र 32 वर्ष, पे० दिशु यादव, सा० गोसीचक, थाना बलबड्डा, जिला गोड्डा, मो० इफ्तेखार, उम्र 32 वर्ष, पे० नूर नवी, सा० लोगाय, थाना महागामा, जिला गोड्डा, मकसूद अंसारी, उम्र 43 वर्ष, पे० सफीक अंसारी, सा० जमनी पहाड़पुर, थाना गोड्डा मुफस्सिल, जिला गोड्डा एवं मो० मुन्ना, उम्र करीब 41 वर्ष, पे० मो० मुनीर, सा० रहा, थाना- बसंतराय, जिला गोड्डा के नाम है। घटना को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किया गया हथौड़ा, इक्को वाहन जिसका रजि० नं० जी जे 16सीएन 9154, एक छः चक्र का लोडेड रिवाल्वर, तीन जिन्दा कारतूस, तीन मोबाईल फोन एवं अन्य सामान बरामद किया गया। अभियुक्त इफ्तेखार अंसारी का पूर्व से अपराधिक इतिहास है जिसमें बोआरीजोर (ललमटिया) थाना कांड संख्या 71/2010, 16.07.2010, धारा 384/387/34 भादवि, बोआरीजोर (ललमटिया) थाना कांड संख्या 82/2010, 10.08.2010, धारा 307/34 भादवि, सुन्दरपहाड़ी थाना कांड संख्या 76/2016, धारा 395/397 भादवि, ठाकुरगंगटी थाना कांड संख्या 56/2016, 03.12.2016, धारा 395/397 भा०द०वि०, महागामा थाना काड संख्या 210/2020, 04.12.2020, धारा 302/201/34 भादवि, महागामा थाना कांड संख्या 90/24, 27.05.2024, धारा 385/386/387 भादवि के तहत मामला दर्ज है। मामले के उद्भेदन हेतु छापामारी टीम में पुलिस निरीक्षक महागामा, प्रभाग उपेन्द्र कुमार महतो, थाना प्रभारी, महागामा पुअनि शिव दयाल सिंह, थाना प्रभारी, हनवारा पुअनि राजन कुमार राम, थाना प्रभारी, ललमटिया पुअनि मुकेश कुमार राउत, पुअनि अश्वीनी कुमार, महागामा थाना, पुअनि राज गुप्ता, महागामा थाना, पुअनि रोमा कुमार, महागामा थाना, पुअनि मनोज कुमार, महागामा थाना, पुअनि निर्मल कुमार मंडल, ललमटिया थाना, सअनि अजय सिंह रवानी, महागामा थाना, सअनि खालिद अहमद खान, महागामा थाना, सशस्त्र बल, महागामा थाना रिजर्व गार्ड शामिल थे।

विजय आलोक ट्रॉफी के दूसरे मैच में यूएचएस की टीम ने जीत के साथ फिर से की वापसी

निज संवाददाता | गोड्डा

जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय गोड्डा के खेल मैदान पर आयोजित मैत्री टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का दूसरा मैच यूएचएस विद्यालय के शिक्षक खिलाड़ियों एवं जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय गोड्डा के शिक्षक खिलाड़ियों के बीच खेला गया। इस मैच में यू एच एस विद्यालय खिलाड़ियों की टीम विजेता रही। इस मैच में पहले खेलते हुए जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय की टीम ने 15 ओवर में 139 रन बनाए जिसमें 84 रनों का योगदान महानंद कुमार का रहा अन्त में इस टीम के लिए मिनसार आलम ने तेजगति से रन बनाए और स्कोर को 139 रन तक पहुंचाया। जवाबी पारी में यूएचएस विद्यालय की टीम ने 14.2 ओवरों में लक्ष्य को प्राप्त किया। इस टीम के तरफ से 89 रनों का योगदान निरंजन कुमार निरोज ने दिया इनके साथ स्वास्तेन पाण्डेय ने 28 रनों की उपयोगी पारी खेली। इस मौके पर विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक भी मौजूद रहे और शिक्षक खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। इस जीत पर यूएचएस टीम के कप्तान आलोक कुमार चौधरी जी ने सभी शिक्षक खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए प्रशंसा की। बताते चले कि विजय आलोक ट्रॉफी का अंतिम मैच में जो टीम जीतेगी वहीं सीरीज जीतेगी। वहीं सीरीज में दोनों टीमों ने एक एक मैच जीते है।

महिला की मौत मामले में हत्या की प्राथमिकी

हरिहरगंज (नि. सं.)। पिपरा थाना क्षेत्र के अंबा झरना गांव की एक विवाहिता इंदु देवी (22) की मौत मामले में परिजनों ने हत्या की प्राथमिक दर्ज करायी है। पुलिस को दिए आवेदन में उसके पिता हैदरनगर थाना क्षेत्र के सिंघना गांव निवासी लल्लू यादव ने जहर देकर हत्या करने का आरोप मृतिका के ससुराल के लोगों पर लगाया है। इस संबंध में मृतका के पति प्रवीण यादव, ससुर मुखन यादव समेत सास व ननद को आरोपी बनाया गया है। इस संबंध में प्रभारी थाना प्रभारी नकुल शर्मा ने बताया कि इस मामले में प्राथमिक की दर्ज कर ली गयी है।

वाहन चोरी मामले में पुलिस की बड़ी कार्यवाही

तीन अभियुक्त गिरफ्तार, आठ चोरी की बाइक बरामद

निज संवाददाता | गोड्डा

जिले में लगातार हो रही वाहनों की चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस द्वारा चोरी गए वाहनों की बरामदगी और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर, उनके निर्देशानुसार पथरगामा थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर मंगलवार, 11 फरवरी को सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व पथरगामा थाना प्रभारी द्वारा किया गया, जिसमें पुलिस टीम ने कई जगहों पर दबिश दी और अपराधियों की खोजबीन की। छापेमारी के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी, जब तीन अभियुक्तों को चोरी के वाहनों के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की निशानदेही पर कुल आठ चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं, जिन्हें पुलिस ने विधिवत जब्त कर लिया। पकड़े गए आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है ताकि जिले में सक्रिय वाहन चोरी गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचा जा सके। चोरी की गई मोटरसाइकिलों की पहचान की गई, जिनमें पहला काला रंग का अपाची मोटरसाइकिल, दूसरा काला रंग का स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल, तीसरा नीला रंग का अपाची मोटरसाइकिल (जिसकी नंबर प्लेट नहीं थी), चौथा काला रंग का सीबीजेड मोटरसाइकिल (जिसकी नंबर प्लेट नहीं थी और इंजन एवं चेसिस नंबर घिसा हुआ था), पांचवां बिना नंबर प्लेट का होंडा मोटरसाइकिल (जिसका इंजन एवं चेसिस नंबर घिसा हुआ था), छठा काला रंग का हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (बिना नंबर प्लेट का), सातवां काला रंग का हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच04टी0272 था) और आठवां बिना नंबर प्लेट का हीरो होंडा स्प्लेंडर प्लस शामिल है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान कर ली है, जिनमें आलमगीर अंसारी, पिता शमसुल अंसारी, ग्राम रूपुचक; जय कुमार भगत, पिता उमाशंकर भगत, ग्राम रजौनकला; और मुन्ना पाण्डेय, पिता स्वर्गीय विजय पाण्डेय, ग्राम अंबा, सभी थाना पथरगामा, जिला गोड्डा के निवासी हैं। पुलिस द्वारा इन आरोपियों से आगे की पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इनके साथ और कौन-कौन लोग इस गिरोह में शामिल हैं।

साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि बरामद मोटरसाइकिलें किन-किन इलाकों से चोरी की गई थीं और उनके असली मालिक कौन हैं। इस छापेमारी अभियान में पुलिस अवर निरीक्षक सह थाना प्रभारी मनोहर कुमार, पथरगामा थाना; पुलिस अवर निरीक्षक रवि किस्कु, पथरगामा थाना; सहायक अवर निरीक्षक अनिल कुमार, पथरगामा थाना; सहायक अवर निरीक्षक मनोज कुमार पासवान, पथरगामा थाना; सहायक अवर निरीक्षक ज्योति कुमार तिवारी, पथरगामा थाना सहित पथरगामा थाना रिजर्व गार्ड के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। सभी पुलिसकर्मियों ने इस अभियान में पूरी मुस्तैदी और तत्परता से काम किया, जिसके चलते पुलिस को यह बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस प्रशासन ने जिले के नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उन्हें अपने आसपास किसी संदिग्ध गतिविधि या वाहन चोरी से संबंधित कोई जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस का कहना है कि इस तरह की सूचनाएं अपराधियों तक जल्दी पहुंचने में मददगार साबित हो सकती हैं और इससे जिले में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर काबू पाया जा सकता है। साथ ही, पुलिस द्वारा यह भी बताया गया कि इस तरह के विशेष अभियान आगे भी जारी रहेंगे ताकि जिले में कानून व्यवस्था बनी रहे और अपराध पर अंकुश लगाया जा सके। इस पूरी कार्रवाई से जिले में सक्रिय वाहन चोरों के बीच हड़कंप मच गया है, क्योंकि पुलिस द्वारा की गई सख्त कार्रवाई से स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि अब जिले में अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने इस सफल अभियान के लिए पूरी पुलिस टीम की सराहना की और जनता को भरोसा दिलाया कि अपराध के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बसंतराय पुलिस ने अवैध शराब कारोबारियों पर की बड़ी कार्रवाई

10 क्विंटल जावा महुआ और देशी शराब को किया नष्ट

निज संवाददाता | बसंतराय

बसंतराय में पुलिस एवं उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब कारोबारियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गोरगम्मा गांव में चल रही देशी शराब भट्ठी को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान 10 क्विंटल जावा महुआ और भारी मात्रा में तैयार देशी शराब को नष्ट कर दिया गया। यह कार्रवाई मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें उत्पाद विभाग और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। हालाँकि, छापेमारी की भनक लगते ही शराब निर्माण में संलिप्त आरोपी मौके से फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना मिली थी कि गोरगम्मा गांव में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का निर्माण किया जा रहा है। सूचना मिलते ही उत्पाद निरीक्षक निलेश सिन्हा के नेतृत्व में एक टीम गठित कर त्वरित कार्रवाई की गई। जैसे ही पुलिस दल ने गांव में दबिश दी, मौके पर अफरा-तफरी मच गई। अवैध रूप से शराब निर्माण में संलिप्त नागो मंडल, कैलाश मंडल, फंटूश मंडल, पंकज मंडल और अन्य लोगों ने पुलिस की कार्रवाई को भांपते हुए भागने का प्रयास किया और फरार होने में सफल रहे। पुलिस टीम जब मौके पर पहुँची, तब वहाँ भारी मात्रा में शराब निर्माण की सामग्री पाई गई, जिसमें जावा महुआ और पहले से तैयार देशी शराब शामिल थी। पुलिस ने बिना देर किए पूरी भट्ठी को ध्वस्त कर दिया और जब्त शराब को नष्ट कर दिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए उत्पाद निरीक्षक निलेश सिन्हा ने कहा कि अवैध शराब निर्माण और तस्करी को रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अवैध शराब कारोबार को हर हाल में बंद किया जाएगा और इसके लिए कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक अवैध शराब कारोबार पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता, तब तक छापेमारी जारी रहेगी। उनके अनुसार, प्रशासन इस मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है और जल्द ही इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। गौरतलब है कि बसंतराय थाना क्षेत्र में अवैध देशी शराब का निर्माण लंबे समय से होता आ रहा है। यह इलाका सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण शराब तस्करों और कारोबारियों के लिए अनुकूल साबित होता है। यहाँ गुप्त रूप से कई जगहों पर देसी शराब की भट्टियां चलाई जाती हैं, जहाँ बड़ी मात्रा में शराब का निर्माण कर उसे अन्य जगहों पर भेजा जाता है। हालाँकि, उत्पाद विभाग और स्थानीय पुलिस समय-समय पर कार्रवाई करती रही है, लेकिन इसके बावजूद अवैध शराब के धंधे पर पूरी तरह से रोक नहीं लग पाई है। बसंतराय के कई गांवों में शराब माफिया सक्रिय हैं, जो प्रशासन की आँखों में धूल झोंककर इस अवैध कारोबार को संचालित करते हैं। शराब निर्माण के लिए जंगलों और सुनसान इलाकों को चुना जाता है, जहाँ पुलिस के पहुँचने में कठिनाई होती है। इसके अलावा, कई बार पुलिसिया कार्रवाई से बचने के लिए शराब कारोबारियों द्वारा निगरानी रखने के लिए लोग तैनात किए जाते हैं, जो पुलिस या उत्पाद विभाग की हलचल की सूचना पहले ही दे देते हैं, जिससे कार्रवाई से पहले ही आरोपी भागने में सफल हो जाते हैं। मंगलवार की इस कार्रवाई के बाद से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पुलिस के आने की खबर मिलते ही शराब माफियाओं ने मौके से भागने में ही भलाई समझी।

महिला को रास्ते में रोक बाइक सवार ने किया दुष्कर्म

गोड्डा(नि.सं.)। जिले के राजाभिट्ठा थाना क्षेत्र में आदिम जनजाति पहाड़िया महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। यह मामला शनिवार देर शाम की बताई जा रही है। मामले को लेकर पीड़िता ने बताया कि वो रतनपुर साप्ताहिक हाट से लौट रही थी। इसी क्रम में केड़ोकुप्पी गांव के समीप बाइक सवार दो युवकों ने आगे से रास्ता रोक बलिया और जबरन एक खुले मैदान की ओर घसीट कर ले गया, जिसके बाद दोनों ने बारी-बारी से पीड़ित के साथ दुष्कर्म किया। वहीं पीड़िता के शोर मचाने पर ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी, तभी दोनो युवक अपनी बाइक घटनास्थल पर छोड़ मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों ने महिला का प्राथमिक उपचार कराया और ग्रामीणों ने आरोपी का बाइक अपने साथ गांव ले गए। बताया जाता है कि पीड़िता ने दो में से एक आरोपी की पहचान कर ली है। एक आरोपी पीड़िता के ही गांव का रहने वाला है, जबकि दूसरा केड़ोंकुप्पी का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना में शामिल दोनों आदिवासी युवक बताए जा रहे है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता तीन बच्चो की मां है। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद मामला दर्ज कराने के लिए राजाभीठा थाना पहुंचे तो, पुलिस ने मामले में गंभीरता नही दिखाया और आवेदन लेने से इंकार कर दिया, इतना ही नहीं पीड़िता को प्राथमिकी दर्ज न करने की सलाह देते हुए आरोपियों से समझौता कर लेने की हिदायत भी दी गई। मामला पुलिस कप्तान तक पहुंचते ही राजाभीठा थाना की पुलिस रेस में आई।

यूएस होटल एंड रिसोर्ट का हुआ भव्य उद्घाटन

निज संवाददाता | हरिहरगंज

हरिहरगंज प्रखंड के कौवाखोह महुबन स्थित एनएच-139 किनारे नव निर्मित यूएस होटल एंड रिसॉर्ट का बुधवार को भव्य उद्घाटन किया गया। इस भव्य आयोजन में भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कई नामचीन हस्तियां शामिल हुईं, जिससे पूरे इलाके में रौनक बढ़ गई। उद्घाटन समारोह में होटल संचालक छोटू सिंह की मां उर्मिला सिंह और भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर इस अत्याधुनिक होटल और रिसॉर्ट का शुभारंभ किया। होटल संचालक छोटू सिंह, उनके छोटे भाई मुनमुन सिंह और बजरंगी सिंह ने बताया कि यह होटल एंड रिसॉर्ट पूरी तरह से आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें लक्जरी रूम, कॉन्फ्रेंस हॉल, वेडिंग हॉल समेत कई सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां शादी समारोह, जन्मदिन पार्टी, एनिवर्सरी पार्टी और अन्य शुभ मांगलिक कार्यों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उद्घाटन समारोह के बाद भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लोकप्रिय गायिका सोनी पांडेय और खुश्बू शर्मा ने अपनी शानदार प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोह लिया। उनके गानों पर उपस्थित दर्शक झूम उठे और माहौल पूरी तरह भोजपुरिया रंग में रंग गया। इसके साथ ही अन्य कलाकारों ने भी नृत्य प्रस्तुत किया, जिससे यह आयोजन और भी यादगार बन गया।

इस भव्य कार्यक्रम के बाद अतिथियों के लिए सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। भोज की विशेष व्यवस्था को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा गया। इस मौके पर क्षेत्र की कई जानी-मानी हस्तियां और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्रमुख प्रदीप सिंह, सुशील कुमार सिंह, सुबोध सिंह (बबलू), धर्मेंद्र सिंह, राजेश्वर सिंह, विनोद सिंह, लालबाबू सिंह, पंसस शीलू सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि अनिल पासवान, काजल सिंह, अनु सिंह, संदीप सिंह (भान जी), सतीश प्रकाश (अमन), अर्जुन गुप्ता, नागेंद्र सिंह, गुड्डू सिंह, उडेंद्र सिंह, अखिलेश मेहता, जानू चौधरी, विकास सिंह, डॉ. जगनारायण यादव, अरविंद सिंह, दिलू सिंह, मुखिया उमेश साव, राजकुमार गौतम, उदय सिंह, अशोक सिंह, रामउद्गार सिंह, अवधेश राम, पप्पू सिंह, गोराई सिंह, कमलेश सिंह, संवेदक बबलू सिंह, अभिमन्यु वर्मा समेत कई नामचीन लोग उपस्थित रहे। इस होटल एंड रिसॉर्ट के खुलने से हरिहरगंज और आसपास के क्षेत्रों को एक नई पहचान मिलेगी।

परीक्षार्थियों ने फॉर्म में भरा था इंग्लिश विषय, एडमिट कार्ड में आ गया होम साइंस

गोड्डा (नि.सं.)। जैक द्वारा आयोजित की जाने वाली मैट्रिक की परीक्षा में जिले के परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड में इंग्लिश की जगह होम साइंस का विषय दे दिया गया जिससे परीक्षार्थियों में बहुत परेशानी हो रही है। वहीं परीक्षार्थियों ने बताया कि उनके द्वारा फॉर्म में इंग्लिश विषय भरा गया था फिर होम साइंस भरा हुआ कैसे आ गया। छात्रा राजिया व साजिया ने बताया कि उनके द्वारा होम साइंस की परीक्षा की तैयारी ही नहीं की गयी है। बताया कि इंग्लिश की तैयारी की गयी थी और इसी विषय को भी प्रवेश पत्र के फार्म में भरा गया था। वहीं एडमिट कार्ड आने पर फार्म में अंग्रेजी की जगह होम साईंस लिखा हुआ पाया गया। परीक्षार्थियों ने बताया कि कुल 35 छात्रों के साथ यह गड़बड़ी हुई है ऐसे में उनका रिजल्ट प्रभावित हो जाएगा, बताया कि यह गड़बड़ी स्कूल स्तर से की गयी है। उनके द्वारा फार्म में अंग्रेजी का जिक्र किया गया है, इसको लेकर छात्रों में काफी निराशा दिखी। बताया गया कि उनकी परीक्षा 14 तारीख को है, ऐसे में परीक्षा देने में भी भय हो रहा है।

अवैध बिजली उपयोग के मामले में 12 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

निज संवाददाता | सरैयाहाट

सरैयाहाट प्रखंड के हंसडीहा थाना क्षेत्र में विद्युत विभाग द्वारा चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के तहत अवैध रूप से बिजली चोरी कर उपयोग कर रहे 12 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है। विभाग की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि बिजली चोरी की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे अभियान की अगुवाई सहायक विद्युत अभियंता राज कमल ने की। उन्होंने दर्ज प्राथमिकी में बताया कि विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, बासुकीनाथ क्षेत्र में बढ़ती बिजली चोरी की घटनाओं को देखते हुए विभाग ने एक विशेष जांच टीम का गठन किया। इस टीम का उद्देश्य था क्षेत्र में बिजली चोरी करने वालों की पहचान करना और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करना। जांच टीम सबसे पहले हंसडीहा थाना क्षेत्र के पथरिया गांव पहुंची, जहां कई घरों में अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा था। यहां जांच के दौरान पाया गया कि जयनारायण मांझी, मिथुन मांझी, पांचू राउत, अमरनाथ मांझी और जनार्धन मांझी अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहे थे। इसके बाद टीम ने चिहुटया गांव का दौरा किया, जहां भी कई लोगों द्वारा बिजली चोरी किए जाने की पुष्टि हुई। जांच टीम ने सुनील कुमार मिश्रा, अनंतलाल महतो, नित्यानंद मिश्रा, युगल किशोर मिश्रा, आलोक मिश्रा, नीलम देवी और कामदेव मिश्रा को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा। इन सभी के खिलाफ भारतीय विद्युत अधिनियम 2005 की धारा 135 के तहत हंसडीहा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सभी अभियुक्तों ने अवैध रूप से विद्युत आपूर्ति लाइन से सीधे कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग किया था, जिससे न केवल राजस्व की हानि हो रही थी, बल्कि इससे बिजली व्यवस्था भी बाधित हो रही थी। बिजली चोरी करने से ट्रांसफार्मर पर अतिरिक्त भार पड़ता है, जिससे बार-बार फाल्ट और बिजली आपूर्ति में समस्या आती है। विभाग के अधिकारियों ने कहा कि आगे भी इस तरह के सघन जांच अभियान जारी रहेंगे और जो भी व्यक्ति अवैध रूप से बिजली चोरी करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पूरी कार्रवाई में सहायक विद्युत अभियंता राज कमल के साथ विद्युत आपूर्ति प्रशाखा, बासुकीनाथ के अधिकारी टीपू प्रसाद, अकुशल श्रमिक इफ्तेखार अंसारी, कनीय सारणी श्रमिक भोला प्रसाद, आउटसोर्सिंग कर्मी नागेश्वर महतो सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे। उन्होंने मिलकर इलाके में व्यापक स्तर पर जांच की और सुनिश्चित किया कि बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाए।

बिजली विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे वैध तरीके से बिजली कनेक्शन लें और किसी भी प्रकार की बिजली चोरी से बचें। विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि भविष्य में पकड़े जाने पर दोषियों को और भी कड़ी सजा दी जाएगी। बिजली चोरी से सरकारी राजस्व को भारी नुकसान होता है और साथ ही अन्य उपभोक्ताओं को भी परेशानी उठानी पड़ती है। इसलिए बिजली विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि बिजली चोरी करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें विधि सम्मत दंड दिया जाएगा। यह कार्रवाई इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोगों में इसको लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि विभाग को ऐसे लोगों पर और भी सख्ती करनी चाहिए, जबकि कुछ लोगों ने यह भी कहा कि गांवों में कई जगह नियमित बिजली कनेक्शन मिलने में परेशानी होती है, जिसके कारण कुछ लोग मजबूर होकर बिजली चोरी का सहारा लेते हैं। हालांकि, विभाग ने यह भी कहा है कि अगर किसी को बिजली कनेक्शन लेने में कोई परेशानी हो रही है, तो वह संबंधित कार्यालय से संपर्क करें और वैध रूप से कनेक्शन लें। बिजली विभाग के इस सख्त रुख के बाद से क्षेत्र में अवैध बिजली उपयोग करने वालों में दहशत का माहौल है। कई लोग खुद आगे आकर बिजली कनेक्शन को वैध कराने की प्रक्रिया में जुट गए हैं। वहीं, प्रशासन ने भी जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि अगर किसी को भी आसपास बिजली चोरी होते हुए दिखे तो तुरंत इसकी सूचना विद्युत विभाग को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी

रांची, एजेंसी। झारखंड में आने वाले कुछ दिनों के मौसम को लेकर मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले पांच दिनों में तापमान में कुछ बड़े बदलाव की संभावना है। इससे लोगों को दिन में गर्मी और रात में हल्की ठंड का एहसास हो सकता है।पिछले 24 घंटे की बात करें तो तापमान में कोई बड़ा बदलाव दर्ज नहीं किया गया। हालांकि अलग-अलग जगहों पर 2।1 डिग्री सेल्सियस से 4।0 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी जरूर दर्ज की गई है। झारखंड में कुछ जगहों पर तापमान सामान्य से काफी ऊपर (3।1 डिग्री सेल्सियस से 5।0 डिग्री सेल्सियस) और सामान्य से काफी ऊपर (5।1 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक) दर्ज किया गया। वहीं पिछले 24 घंटे में झारखंड के अधिकांश जगहों पर न्यूनतम तापमान में 2।1 डिग्री सेल्सियस से 4।0 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य में मौसम शुष्क रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36।0 डिग्री सेल्सियस सरायकेला में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 09।1 डिग्री सेल्सियस गुमला में दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में सुबह के समय कोहरा रहेगा और बाद में आसमान साफ हो जाएगा। अगले 5 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

बजट सत्र के लिए 5 मंत्रियों में बंटे ष्टस्र्हेमंत सोरेन के विभाग, नामों की लिस्ट आई सामने

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विभागों से संबंधित प्रश्नों का जवाब देने के लिए 5 मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया है। मंत्रिमंडल निगरानी एवं समन्वय विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। अब इन मंत्रियों की जिम्मेदारी होगी कि वो अपने विभागों के अलावा सीएम के विभाग से संबंधित प्रश्न, ध्यानाकर्षण, निवेदन, याचिका, विधेयक, संकल्प आदि विधायी कार्य इनके जिम्मे होगा।यह सत्र 24 फरवरी से 27 मार्च तक चलेगा। पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण और नए सदस्यों के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम है। इसके बाद 25 और 27 फरवरी को राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद होगा। 28 फरवरी को सरकार तीसरा अनुपूरक बजट पेश करेगी और 3 मार्च को आगामी वित्तीय वर्ष का बजट पेश किया जाएगा।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में अगले मंगलवार 18 फरवरी को कैबिनेट की बैठक होगी, जिसमें बजट सत्र से संबंधित कई प्रस्ताव लाए जाने की तैयारी है। झारखंड सरकार अन्य खनिज बहुल राज्यों के समतुल्य सेस वसूलने की तैयारी में है। राज्यों से रिपोर्ट मंगा ली गई है और खान विभाग इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार कर रहा है।खनिज धारित भूमि पर सेस की दर बढ़ाने से संबंधित प्रस्ताव कैबिनेट की बैठक में आ सकता है। पूर्व की दर से 12.5 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

गैर पुलिसकर्मियों को भी दिया जायेगा नये आपराधिक कानून का प्रशिक्षण

रांची, एजेंसी। गैर पुलिसकर्मियों को भी नये अपराधिक कानून (लॉ) का प्रशिक्षण दिया जायेगा, जिनमें डॉक्टर, नर्स, सहायक चिकित्सक शामिल हैं। इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जिले के एसएसपी और एसपी को आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित डीजी एंड आईजी कॉन्फ्रेंस 2024 में लिये गये निर्णय के अनुसार, प्रत्येक जिला में गैर पुलिसकर्मियों को नये आपराधिक कानून के तहत उनकी भूमिका और जिम्मेदारी के संबंध में प्रशिक्षित किया जाना है। ऐसे में अपने-अपने जिला में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हुए पुलिस मुख्यालय को जानकारी देना सुनिश्चित करेंगे। दूसरी तरफ पुलिस मुख्यालय ने जिले के एसएसपी और एसपी को निर्देश दिया है कि वे द्व-द्दश्ल्ल कर्मयोगी पोर्टल पर सभी अनुसंधान पदाधिकारियों का निबंधन सुनिश्चित करें। हर पदाधिकारी को नये आपराधिक अधिनियम के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए आचार संहिता, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, उन्नत प्रौद्योगिकियों का परिचय, साइबर स्पेस में सुरक्षा, मिशन जीवन पर अभिमुखीकरण मॉड्यूल और कार्यस्थल पर योगा ब्रेक पाठ्यक्रम को पूरा करना है।इस निर्देश में कहा गया है कि एक महीने के भीतर विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित की जाये।

सरकार हमें नक्सली बनने पर कर देगी मजबूर, जेपीएससी चेयरमैन की नियुक्ति

रांची, एजेंसी।

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर आंदोलन तेज हो गया है। गुस्सा इतना है कि छात्र नक्सली बनने की बात कर रहे हैं। मंगलवार 11 फरवरी को सैकड़ों छात्र जेपीएससी कार्यालय पहुंचे जहां पर काला बिल्ला लगाकर छात्रों ने सरकार से आयोग के अध्यक्ष को जल्द से जल्द मनोनीत करने की मांग की।

आयोग में अध्यक्ष नहीं होने से सिविल सेवा परीक्षा सहित आधा दर्जन से अधिक परीक्षाओं के रिजल्ट लंबित होने से नाराज इन छात्रों ने सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की और आंदोलन तेज करने की घोषणा की है। छात्र नेता सत्यनारायण शुक्ला के नेतृत्व में पहुंचे छात्रों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि यही हालात रही तो सरकार हमें नक्सली बनने के लिए मजबूर कर देगी। उन्होंने जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक आंदोलन जारी रखने की घोषणा करते हुए कहा है कि 12 फरवरी को शव यात्रा, तत्पश्चात भिक्षाटन और इसके बावजूद भी सरकार यदि नहीं मानती है तो छात्र निर्णायक लड़ाई के लिए मजबूर हो जाएंगे।

छात्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री तक और सरकार के आला पदाधिकारियों तक गुहार लगा चुके हैं। हर बार आश्वासन मिलता है और अभी तक अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो पाई है, जिस वजह से 11वीं से 13वीं सिविल सेवा मुख्य परीक्षा का परिणाम अभी तक लटका हुआ है।

22 अगस्त 2024 से खाली है जेपीएससी अध्यक्ष का पद

झारखंड लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष का पद 22 अगस्त 2024 के बाद से खाली है। तत्कालीन अध्यक्ष नीलिमा केरकेट्टा का कार्यकाल खत्म होने के बाद से जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा सहित आधा दर्जन से अधिक परीक्षा अभी नहीं हुई हैं। 11वीं से 13वीं सिविल सेवा की मुख्य परीक्षा 22 से 24 जून तक हुई थी।

342 पदों पर इस परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति होनी है, इसके लिए जेपीएससी ने पीटी का रिजल्ट 22 अप्रैल 2024 को जारी किया था जिसमें 7011 अभ्यर्थी सफल हुए थे। आयोग ने मुख्य परीक्षा का परिणाम जारी करने की घोषणा भी कर दी थी, मगर आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त होने के बाद इस पर ग्रहण लग गया। खास बात यह है कि नीलिमा केरकेट्टा के बाद जेपीएससी को ना तो कोई नया अध्यक्ष मिला और ना ही किसी सदस्य को कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर कामकाज चलाया गया। ऐसे में रिजल्ट की आस लगाए हजारों छात्र जेपीएससी चेयरमैन की नियुक्ति को लेकर आंदोलन पर उतारू हैं।

आयुष्मान भारत योजना में नया अपडेट, 66 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

रांची, एजेंसी। झारखंड में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना एवं अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत नई बीमा अवधि शुरू हो गई है। 10 फरवरी को राज्य में सूचीबद्ध सभी निजी और सरकारी अस्पतालों में पुरानी बीमा की अवधि के समाप्त होते ही इस योजना की नई बीमा अवधि को लागू कर दिया गया है।

अब इस बीमा अवधि के दौरान राज्य के सभी पात्र लाभुक लाभ ले सकेंगे और पूर्व की तरह सभी सूचीबद्ध निजी और सरकारी अस्पतालों में अपना निश्शुल्क इलाज करवा सकेंगे।

स्वास्थ्य विभाग एवं झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी के अनुसार राज्य के 66 लाख से अधिक लाल, पीला एवं हरा राशन कार्डधारी परिवार इस योजना का लाभ ले सकेंगे। साथ ही विभाग द्वारा नई बीमा अवधि से एचबीपी 2022 (हेल्थ बेनिफिट पैकेज) लागू किया गया है।इसके अंतर्गत 534 नये पैकेज भी शामिल किए गये हैं एवं पुराने पैकजों की दर को संशोधित किया गया है। हेल्थ बेनिफिट पैकेज-2022 में प्रशासक देखभाल पैकेज (पैलिएटिव केयर पैकेज), उच्च अंत प्रक्रियाएं (हाई एंड प्रोसेस) जैसे बोन मैरो ट्रांसप्लांट और कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी आदि प्रक्रियाएं भी सम्मिलित की गई हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा टीएमएस (ट्रांजेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम) के नया वर्जन को भी झारखंड में लागू किया गया है। झारखंड में आयुष्मान भारत योजनाहाइब्रिड मोड में संचालित है एवं देश भर में हाइब्रिड मोड में संचालित प्रदेश में झारखंड पहला राज्य है, जहां टीएमएस 2।0 को लागू किया गया है।झारखंड आरोग्य सोसाइटी के कार्यकारी निदेशक अबु इमरान के अनुसार अब अस्पतालों को भी इस योजना के तहत काम करने में काफी सुविधा होगी। टीएमएस 2।0 में डाक्यूमेंट का साइज अब 500 केबी से बढ़ाकर एक एमबी कर दिया गया है।

गढ़वा की लाइफ लाइन के रूप में जानी जाने वाली दो नदियां अपने मूर्त रूप में लौटेंगी, शुरू हुई प्रक्रिया

गढ़वा, एजेंसी। जिले की लाइफ लाइन समझी जाने वाली दो प्रमुख नदियां, दो दशक बाद अपने मूर्त रूप में आएंगी। गढ़वा शहर से होकर गुजरी दो प्रमुख नदियां सरस्वती नदी एवं दानरो नदी फिर से अपने मूर्त रूप में आएंगी। वजह है नदियों में नगर परिषद क्षेत्र का कचड़ा फेके जाने के कारण नदियों का अस्तित्व खतरे में पड़ना। इसे देखते हुए नगर परिषद के द्वारा नदियों की मिट्टी को निस्तारीकरण करने के बाद इसे मूर्त रुप में लाया जाएगा।

नदी के कचड़े को रिसाइकल किया जाएगा : निस्तारीकरण को लेकर नगर परिषद ने टेंडर प्रक्रिया को पूर्ण कर लिया है। अब इन नदियों के सभी कचड़े को रिसाइकल कर उससे कई प्रकार की बिल्डिंग मैटेरियल, मिट्टी तथा खाद निकाला जाएगा। इसके लिए नगर परिषद के द्वारा चार करोड़ का ठेका एक कंपनी को दिया गया है।

कभी इन नदियों में बहती थी कल कल धारा : गढ़वा शहर की दानरो और सरस्वती नदी करीब 25 वर्ष पहले इन नदियों में कल कल धाराएं बहती थीं। नदी में सालों भर पानी का बहाव तेज धार के साथ हुआ करता था, जिसकी आवाजें आसपास के घरों तक सुनाई पड़ती थी, लेकिन जब से नदियों का अतिक्रमण होने के साथ साथ शहर का कचड़ा इन नदियों में फेंकना शुरू हुआ, तब से इन दोनों नदियों का अस्तित्व ही समाप्ति की कगार पर है। इन नदियों को अस्तित्व विहीन करने में कहीं न कहीं नगर परिषद की भी अहम भूमिका रही है, क्योंकि शहर के कचड़े को इन नदियों में ही डंप करने का काम नगर परिषद द्वारा किया गया है।

नदियों को मूर्त रुप में लाने के लिए नगर परिषद ने चार करोड़ का ठेका दिया : नगर परिषद द्वारा पहल कर अब इन नदियों को फिर से अस्तित्व में लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए नगर परिषद के द्वारा एक कंपनी को चार करोड़ का ठेका दिया गया है, जो नदियों को फिर से अस्तित्व में लाएगी। यह मशीन ट्रामा मशीन के नाम से जानी जाती है, जो जर्मनी से आ रही है। इस मशीन से नदी में फैले कचड़े को सेग्रीगेशन कर उसका निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान नदियों के कचड़े को मशीन द्वारा अलग कर उसे इस्तेमाल में लाया जाएगा, जिससे नगर परिषद के लिए वेस्ट मैटेरियल आय का जरिया बनेगा।

बहुत जल्द नदियां अपने मूर्त रुप में लौटेंगी : नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा कि दो से तीन दिनों के अंदर यह कार्य शुरू हो जाएगा और इसे खत्म करने में छः माह लगेगा उसके बाद नदियां अपने मूर्त रूप में आ जाएंगी।

जेल से फरार, गैंगस्टर अमन साहू गिरोह का शूटर आशीष भागा विदेश, मचा हड़कंप

रांची, एजेंसी। गैंगस्टर अमन साहू गिरोह का कुख्यात शूटर आशीष साहू के विदेश भागने की सूचना सामने आई है। इंटरनेट मीडिया पर आशीष साहू के नाम से जारी एक पोस्ट ने उसके विदेश भागने की जानकारी दी है।

उक्त पोस्ट में आशीष साहू ने एक पासपोर्ट का फोटो साझा करते हुए लिखा है कि बाय-बाय इंडिया, आशीष साहू तुम्हारे जेल से फरार। फेसबुक पर जिस पासपोर्ट का फोटो उसने पोस्ट किया है, उसपर नाम - रूद्र साहू और पता - बुकरू, कांके, रांची लिखा है।

यह आशंका जताई जा रही है कि आशीष साहू रूद्र नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भाग गया है। वर्तमान में झारखंड के दो कुख्यात अपराधी कुख्यात प्रिंस खान व अमन साहू गिरोह का शूटर मयंक सिंह फरार होने के बाद से ही विदेश में है। अब तीसरे अपराधी के भागने के बाद यहां की खुफिया एजेंसी सवालों के घेरे में है। आशीष साहू मूल रूप से चतरा के सिमरिया का रहने वाला है।

पुलिस के अनुसार, अमन साव उर्फ अमन साहू से जुड़ने से पहले वह उग्रवादी संगठन जेजेएमपी के लिए भी काम करता था। उस दौरान भी उसने कई वारदातों को अंजाम दिया था। गौरतलब है कि आशीष साहू गढ़वा में बीजीआर कंपनी के मैनेजर मल्लिकार्जुन रेड्डी और झामुमो नेता गहन टुडू की हत्या में शामिल रहा है।

उसके विरुद्ध चतरा, हजारीबाग, रामगढ़ व लातेहार में करीब डेढ़ दर्जन केस दर्ज हैं। उसके फर्जी पासपोर्ट पर विदेश भागने का खुलासा तब हुआ जब गढ़वा और रामगढ़ पुलिस उसका प्रोडक्शन वारंट लेकर सिमडेगा जेल पहुंची। आशीष साहू सिमडेगा जेल में बंद था।

जब दोनों जिलों की पुलिस वहां पहुंची तो पता चला कि आशीष साहू 23 जनवरी 2025 को ही जमानत पर जेल से बाहर जा चुका है। वह अमन साहू गिरोह का खास शूटर रहा है। उसे लातेहार पुलिस ने फरवरी 2020 में लातेहार से गिरफ्तार किया था।

बता दें कि गैंगस्टर अमन साहू ने विधानसभा चुनाव में बड़कागांव से चुनाव लड़ने का भी एलान किया था हालांकि, वह इसमें सफल नहीं हो सका। अमन साहू पर रंगदारी, हत्या और वसूली समेत 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह छत्तीसगढ़ पुलिस की रिमांड में भी रह चुका है।

आयुष्मान भारत योजना में नया अपडेट, 66 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

रांची, एजेंसी। झारखंड में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना एवं अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत नई बीमा अवधि शुरू हो गई है। 10 फरवरी को राज्य में सूचीबद्ध सभी निजी और सरकारी अस्पतालों में पुरानी बीमा की अवधि के समाप्त होते ही इस योजना की नई बीमा अवधि को लागू कर दिया गया है।

अब इस बीमा अवधि के दौरान राज्य के सभी पात्र लाभुक लाभ ले सकेंगे और पूर्व की तरह सभी सूचीबद्ध निजी और सरकारी अस्पतालों में अपना निश्शुल्क इलाज करवा सकेंगे।

स्वास्थ्य विभाग एवं झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी के अनुसार राज्य के 66 लाख से अधिक लाल, पीला एवं हरा राशन कार्डधारी परिवार इस योजना का लाभ ले सकेंगे। साथ ही विभाग द्वारा नई बीमा अवधि से एचबीपी 2022 (हेल्थ बेनिफिट पैकेज) लागू किया गया है।

इसके अंतर्गत 534 नये पैकेज भी शामिल किए गये हैं एवं पुराने पैकजों की दर को संशोधित किया गया है। हेल्थ बेनिफिट पैकेज-2022 में प्रशासक देखभाल पैकेज (पैलिएटिव केयर पैकेज), उच्च अंत प्रक्रियाएं (हाई एंड प्रोसेस) जैसे बोन मैरो ट्रांसप्लांट और कोक्लियर इम्प्लांट सर्जरी आदि प्रक्रियाएं भी सम्मिलित की गई हैं।

देवघर में शिव बारात को लेकर राजनीति तेज, सांसद निशिकांत दुबे के पोस्ट से चर्चाओं का बाजार हुआ गर्म

देवघर, एजेंसी। बाबाधाम में शिवरात्रि कार्यक्रम बेहद खास होता है। क्योंकि यहां पर द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक बैद्यनाथ धाम ज्योतिर्लिंग स्थापित है। लेकिन देवघर में शिव बारात को लेकर राजनीति हो रही है। वर्ष 1994 से ही देवघर के बैद्यनाथ धाम में भव्य तरीके से शिव बारात का आयोजन किया जाता है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा।

हर साल शिव बारात कमेटी इसके आयोजन की जिम्मेदारी लेती है। लेकिन इस वर्ष यह जिम्मेदारी राज्य सरकार के पर्यटन विभाग ने ले ली है। पिछले कुछ दिनों से देवघर जिले में शिव बारात को लेकर अंदर खाने राजनीति भी देखने को मिल रही थी। पंडा धर्म रक्षिणी सभा के वरिष्ठ सदस्य विनोद दत्त द्वारी बताते हैं कि पिछले कई वर्षों से शिव बारात का आयोजन पूर्व मेयर बबलू खवाड़े की अध्यक्षता में होती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से उनके द्वारा यह जिम्मेदारी अभिषेक झा को दे दी गई।

विनोद दत्त तिवारी ने बताया कि अभिषेक झा को जिम्मेदारी देने के बाद यहां के स्थानीय सांसद कमेटी में दखलअंदाजी करने लगे। जिसकी वजह से इस वर्ष शिव बारात कमेटी द्वारा बारात निकालने की जिम्मेदारी छीन ली गई है। पंडा धर्म रक्षिणी के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर खवाड़े ने बताया कि सरकार द्वारा जिम्मेदारी ली गई है तो वह उम्मीद करते हैं कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सफल पूर्वक शिव बारात का आयोजन हो सके।

वहीं, स्थानीय सांसद निशिकांत दुबे के द्वारा सोशल साइट पर किए गए पोस्ट को लेकर पंडा धर्म रक्षिणी सभा के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर खवाड़े ने कहा कि देवघर में भले ही सरकार की तरफ से शिव बारात का आयोजन किया जा रहा हो, लेकिन निशिकांत दुबे चाहे तो अपने दम पर इससे बड़ी बारात का आयोजन अन्य क्षेत्रों में भी कर सकते हैं।

बता दें कि निशिकांत दुबे ने सोशल साइट पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि आखिरकार देवघर के बाबा मंदिर का भी सरकारीकरण हो गया।

लामू और कोडरमा में मनाया गया सुरक्षित इंटरनेट दिवस, अधिकारियों ने बताया साइबर फ्रॉड से बचने के तरीके

पलामू, एजेंसी। सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर पलामू में जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से लोगों से सुरक्षित इंटरनेट का इस्तेमाल करने की अपील की गई। साथ ही लोगों को साइबर फ्रॉड से बचने के तरीके भी बताए गए। कार्यशाला में लोगों को फाइनेंशली फ्रॉड, लॉटरी स्कैम, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और केवाईसी फ्रॉड के खिलाफ जागरूक किया गया। लोगों से अपील की गई कि वह किसी भी अंजान लिंक पर क्लिक नहीं करें। वही ऐसे ऐप जिसका इस्तेमाल फोन में नहीं है उसको डिलीट करने की सलाह दी गई।

सावधानी से करें इंटरनेट का इस्तेमालः डीसी : कार्यशाला में पलामू डीसी शशिरंजन ने कहा कि इंटरनेट का सुरक्षित और जिम्मेदारी पूर्ण इस्तेमाल सभी के हित में है। इंटरनेट का इस्तेमाल वरदान है या अभिशाप यह उपयोग के तरीकों पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि साइबर फ्रॉड तेजी से बढ़ रहा है और जागरुकता से ही इसे रोका जा सकता है। इसके पूर्व कार्यशाला का उद्घाटन नगर आयुक्त जावेद हुसैन और डीडीसी शब्बीर अहमद ने किया। जिला सूचना पदाधिकारी रणवीर सिंह ने कार्यशाला में बताया कि कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल का इस्तेमाल करने से पहले एंटीवायरस को जरूर देख लें। अनजान नंबर से आने वाले कॉल पर किसी भी तरह की जानकारी को साझा नहीं करें।

कोडरमा में भी सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया गया : इधर, कोडरमा में भी सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया गया। इस मौके पर समाहरणालय सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें एनआईसी के अधिकारियों ने सुरक्षित इंटरनेट के इस्तेमाल को लेकर लोगों को विस्तार से जानकारी दी।

डिजिटल अरेस्ट और एआई की दी गई जानकारी : इस मौके पर डिजिटल अरेस्ट और एआई के बारे में भी बताया गया। कार्यशाला के दौरान वहां मौजूद लोगों ने भी सुरक्षित इंटरनेट के इस्तेमाल को लेकर कई सवाल पूछे। जिसका जवाब अधिकारियों की ओर से दिया गया। कार्यशाला में बतौर ट्रेनर कोडरमा पुलिस के तकनीकी शाखा के अधिकारी भी मौजूद रहे।

अनजान लिंक पर नहीं करें क्लिक : लोगों को बताया गया कि किसी तरह के फेक कॉल पर विश्वास ना करें और अनजान लिंक पर क्लिक कभी भी ना करें। अगर कभी ऐसा हो तो 1930 पर कॉल करें। जिला सूचना पदाधिकारी सुभाष कुमार यादव ने बताया कि वर्तमान में जिस तरह से इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ा है साइबर फ्रॉड के मामले भी बढ़े हैं। ऐसे में लोग सुरक्षित इंटरनेट का इस्तेमाल कर साइबर ठगी से बच सकते हैं।

बोकारो डीएफओ ने बीएसएल के निदेशक प्रभारी को लिखा पत्र, मांगी वन विभाग की 760 एकड़ भूमि

बोकारो, एजेंसी। जिले के वन प्रमंडल पदाधिकारी ने बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी को पत्र लिखकर बीएसएल से 759।94 एकड़ वन भूमि की पिलरिंग कर वापस करने को कहा है। विदित हो कि साल 1962 में वन विभाग ने 1535।40 एकड़ भूमि बोकारो स्टील को दी थी। जिसमें से केवल 778।46 एकड़ जमीन पर ही बोकारो स्टील का स्वामित्व है।

बीएसएल के निदेशक प्रभारी को लिखा पत्र : बोकारो वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार ने 1 फरवरी को यह पत्र बीएसएल के निदेशक प्रभारी बीके तिवारी को लिखा है। जिसमें उन्होंने कहा है कि या तो बोकारो इस्पात संयंत्र वन भूमि का संरक्षण करें या फिर भूमि की पिलरिंग करने के बाद वन विभाग को वापस लौटा दें। बोकारो डीएफओ रजनीश कुमार ने बताया कि 18 नवंबर 2024 को राज्य के वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। जिसमें वन भूमि की रक्षा संबंधी मामलों पर चर्चा की गई थी। साथ ही 26 दिसंबर को इस मामले पर अपना पक्ष रखने के लिए बोकारो स्टील के पदाधिकारी को बुलाया गया था, लेकिन बैठक में बोकारो स्टील की ओर से कोई प्रतिनिधि शामिल नहीं हुआ।

वन भूमि की अवैध बिक्री मामले में जारी है साआईडी जांच : पत्र में कहा गया है की जाली दस्तावेजों के आधार पर बोकारो स्टील को हस्तांतरित वन भूमि की अवैध बिक्री और अतिक्रमण के संबंध में जानकारी मिली है। इसमें बीएसएल के कुछ अधिकारियों की संलिप्तता सामने आई है। इस संबंध में सेक्टर 12 थाना में मामला भी दर्ज कराया गया है।इस मामले को सीआईडी ने टेकओवर कर लिया है। बोकारो डीएफओ रजनीश कुमार ने बताया कि इससे पहले बोकारो स्टील के जीएम स्तर के अधिकारी को पत्र लिखा गया था, लेकिन उन्होंने पत्र का गलत अर्थ समझा। इसी कारण इस बार उनके निदेशक प्रभारी को पत्र लिखा गया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

'फ्री की राजनीति' पर जनता का फैसला

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे अप्रत्याशित नहीं कहे जा सकते। यह चुनाव शुरू से दो-ध्रुवीय था। भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सीधी टक्कर थी। कांग्रेस ने जरूर दावेदारी की थी, मगर जैसे-जैसे चुनाव की सरगर्मी बढ़ती गई, उसे अहसास होने लगा था कि वह मुकाबले में नहीं है। इसका नतीजा यह हुआ कि उसे शिथिलता ने घेर लिया। भाजपा लंबे समय से आम आदमी पार्टी की कमजोरियों और अनियमितताओं को उजागर करती आ रही थी। इस तरह वह लोगों के मन में सत्ताविरोधी लहर पैदा करने में कामयाब भी हुई। हालांकि तमाम सर्वेक्षणों से यही पता चल रहा था कि दिल्ली की बड़ी आबादी आम आदमी पार्टी सरकार से बहुत नाखुश नहीं थी, मगर उनमें से काफी लोग इस बार बदलाव चाहते थे। आम आदमी पार्टी की साख को सबसे अधिक नुकसान कथित शराब घोटाले की वजह से हुआ।इस मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जेल जाना पड़ा था। पार्टी लगातार दलील देती रही कि उसके नेताओं को झूठे आरोप में फंसाया गया है, मगर वह लोगों के गले नहीं उतरी। उन्होंने दागी नेताओं को शिकस्त दी। इन नतीजों से यह भी जाहिर हुआ है कि भाजपा के काम पर लोगों का भरोसा कमजोर नहीं हुआ है।हालांकि दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार मुद्दों से अधिक मुफ्त की योजनाओं का शोर सुनाई दिया। आम आदमी पार्टी सरकार पहले से मुफ्त बिजली-पानी और शिक्षा-स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ लोगों को पहुंचा रही थी। इसे लेकर बहुत सारे लोगों के मन में एक आकर्षण बना हुआ था। फिर सरकार ने चुनाव से ऐन पहले घोषणा कर दी कि वह हर महिला को इक्कीस सौ रुपए हर महीने देगी। इसके लिए पंजीकरण भी शुरू कर दिया। इसके जवाब में भाजपा ने ढाई हजार रुपए हर महीने देने की घोषणा कर दी। फिर यह भी भरोसा दिलाया कि जो योजनाएं पहले से चल रही हैं, अगर उसकी सरकार बनी तो, उन्हें बंद नहीं किया जाएगा।इस वादे पर लोगों ने भरोसा किया। दूसरे कुछ राज्यों में भी भाजपा महिलाओं के लिए नगद राशि देने की योजनाएं चला रही है। जबकि पहले भाजपा खुद दिल्ली सरकार की मुफ्त की योजनाओं की मुखर आलोचना करती थी, मगर चुनाव आते ही उसने भी आम आदमी पार्टी को उसी के दांव से पटखनी देने का फैसला कर लिया और उसमें उसे कामयाबी भी मिली।

आप का क्या होगा

दिल्ली विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जहां भाजपा के लिए खुशियों का कमल खिला दिया है, वहीं शून्य का हैट्रिक लगाने वाली कांग्रेस को भी आप की हार सुनिश्चित करने का संतोष मिला है। लेकिन जो बात इन चुनाव नतीजों को ऐतिहासिक बनाती है, वह है आंदोलन से निकली पार्टी आप का हश्र। उसकी इस हार के विपक्षी ब्लॉक इंडिया पर पड़ने वाले गंभीर असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता। वैसे, लोकतंत्र में किसी पार्टी के लिए चुनाव हारकर सत्ता से बाहर होना कोई अनोखी बात नहीं है। फिर यह भी है कि लगातार दो चुनावों में विपक्ष का लगभग सफाया कर देने वाली आम आदमी पार्टी भले ही सत्ता से बाहर हो गई हो, लेकिन 43.57 प्रतिशत वोट उसे इस बार भी मिले हैं। 22 विधायक भी निर्वाचित हुए हैं उसके। यानी मजबूत विपक्ष की भूमिका में वह अब भी बनी रहेगी। फिर भी इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इन नतीजों के बाद पार्टी अब तक के अपने सबसे मुश्किल दौर में आ गई है।आंदोलन से निकली इस पार्टी की ताकत यह थी कि इसने वैकल्पिक राजनीति के सपनों को पंख दिए थे। इसके सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल ईमानदारी और सादगी के पोस्टर बॉय बनकर उभरे थे। लेकिन हाल के दिनों में न केवल केजरीवाल की उस साख पर चोट लगी बल्कि वैकल्पिक राजनीति का पार्टी का दावा भी कमजोर पड़ा। पार्टी के केंद्र में हमेशा से केजरीवाल ही रहे। पूरी पार्टी को एकजुट रखने वाले सबसे मजबूत फैक्टर भी वही थे। अब न केवल दिल्ली की सत्ता उनके हाथ से चली गई है बल्कि वह खुद अपना चुनाव भी हार गए। उन पर कई मुकदमे भी चल रहे हैं। ऐसे में पार्टी के बिखराव का खतरा मंडरा रहा है। देखना होगा कि पार्टी इस खतरे से कैसे निपटती है। दिल्ली के इन चुनावों में जिस तरह से आप और कांग्रेस आमने-सामने दिखी और विपक्षी गठबंधन के कई प्रमुख घटक दल आप का स्पष्ट रूप से पक्ष लेते दिखे, उसके बाद इस विवाद का बढ़ना लगभग तय है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के उस ट्वीट से यह और स्पष्ट हो गया।

अरविंद और राजनीति का अंधकूप

'इंडिया ब्लॉक' के अस्तित्व पर भी सवाल उठ खड़े हुए हैं। शनिवार की सुबह जब नतीजे आने शुरू भी नहीं हुए थे, तभी उमर अब्दुल्ला के एक ट्वीट ने चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया। उमर ने एक मीम लगाते हुए लिखा था- और लड़ो आपस में। उमर गलत नहीं हैं। इस चुनाव का यह भी संदेश है कि भाजपा से पार पाने के लिए सभी विपक्षी दलों को एक होना होगा।

(शशि शेखर)

वाकया वर्ष 2013 का है। अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली में 'हिन्दुस्तान' कार्यालय आए और एक वरिष्ठ सहयोगी से कहा कि आप लोग 'देश के लिए जरूरी' जन-लोकपाल आंदोलन को ठीक से नहीं छापते। उनकी यह भी इच्छा थी कि वह हमारे संपादकीय सहकर्मियों से जन-लोकपाल, भ्रष्टाचार और सूचना के अधिकार के संबंध में विस्तृत वार्ता करें। मुझे सुझाव अच्छा लगा। कुछ दिनों बाद वह 'हिन्दुस्तान टाइम्स बिल्डिंग' में हमारे सहकर्मियों के बीच थे। वह भारतीय राजस्व सेवा की प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर संघर्ष के कठिन रास्ते पर निकल पड़े थे, इसलिए लोग उन्हें गंभीरता से लेते थे। इसी बीच हम लोगों ने 'हिन्दुस्तान' में भ्रष्टाचार के खिलाफ 'कलंक कथा' नाम की शृंखला शुरू की। अरविंद उन अंकों के अतिथि संपादक थे। उनके सुझाव तार्किक और समझदारी भरे होते। तब से अब तक अरविंद केजरीवाल ने लंबी यात्रा तय की है। लगभग बारह वर्ष के इस सत्ता-काल में एक-एक कर उनके पुराने साथी या तो किनारा कर चुके हैं अथवा उन्हें किनारे कर दिया गया है। जो लोग संघर्ष के दिनों में उन्हें अरविंद कहकर पुकारते थे, वे अब उन्हें 'सर' या 'सर जी' कहते हैं। इसके बावजूद उनकी अगुवाई में आम आदमी पार्टी ने न केवल दिल्ली का चुनाव लगातार तीन बार जीता, बल्कि पंजाब में भी हुकूमत स्थापित कर ली। गुजरात के पिछले विधानसभा चुनाव में आप अपने सिर्फ पांच प्रत्याशी जीता सकी, लेकिन 13 फीसदी के करीब वोट पाकर यह नवोदित पार्टी राष्ट्रीय राजनीतिक दल का दर्जा हासिल करने में सफल रही।यही वजह है कि दिल्ली की मौजूदा हार कई कहानियां एक साथ बयान करती है। सत्ता पाने के बाद केजरीवाल के बदलते रंग-ढंग और बयान, उन अरविंद केजरीवाल को हर रोज मुंह चिढ़ाते थे, जो कभी मीडिया संस्थानों में घूमकर या जंतर-मंतर पर मुट्ठी भर लोगों से विमर्श कर या राजघाट पर मौन प्रदर्शन के जरिये 'वैकल्पिक राजनीति' के सपनों के पंख संजोया करते थे। उन दिनों वह कहते थे, सुरक्षा नहीं लूंगा, आलीशान बंगले में नहीं रहूंगा और वीआईपी तामझाम नहीं अपनाऊंगा। उनके प्रशंसक इसका उल्टा होते देख अवाक् रह जाते थे। संघर्ष के दिनों में वह किसी पर भी भ्रष्टाचार का आरोप जड़ते हुए उसके इस्तीफे की मांग कर देते थे। 'शराब घोटाले' के आरोप में जब केजरीवाल खुद जेल गए, तो उन्होंने त्यागपत्र देने से इनकार कर दिया। इस फैसले ने उन्हें सांघातिक नुकसान पहुंचाया, लेकिन किस्सा यहीं खत्म नहीं होता। उनके आलीशान राजकीय आवास पर पहले मुख्य सचिव और बाद में सांसद स्वाति मालीवाल से शारीरिक बदसुलूकी होने पर भी लोग हक्का-बक्का रह गए थे। कोई आश्चर्य नहीं कि पिछले एक दशक में यह सवाल बार-बार उठा कि क्या यही वह 'वैकल्पिक राजनीति' है, जिसने उन्हें कुर्सी दिलाई? अरविंद के तमाम चुनावी वायदे झूठे साबित हुए। उन्होंने दिल्ली वालों से कहा था कि आपका यह बेटा 2025 में आपको स्वच्छ यमुना में स्नान करवाएगा। यमुना आज भी संसार की सर्वाधिक प्रदूषित नदियों में एक है। दिल्ली नगर निगम का चुनाव जीतने से पहले उन्होंने तमाम वायदे किए थे, लेकिन हुआ क्या? राजधानी की खराब सड़कें, प्रदूषित पेयजल और बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें उनकी रही बची कलई हर रोज खोल रही थीं। जनता ने कथनी-करनी के इस भेद की सजा सुना दी है। यह चुनाव जीतने के लिए केजरीवाल ने शोशेबाजी के साथ तमाम जतन किए थे। उन्होंने 19 विधायकों के टिकट काटकर जिन दल-बदलुओं को मैदान में उतारा, उनमें से अधिकांश चुनावी समर में खेत रहे। आप ने 43 मौजूदा विधायकों को फिर टिकट दिया, उनमें से 28 हार गए। केजरीवाल के साथ उनके नायब मनीष सिसोदिया और तमाम तीरा-तुक्काम भी धराशाई हो गए हैं। इसे उनके 'दंभ और दगाबाजी' की पराजय माना जाएगा। इसमें कोई शक नहीं कि आम आदमी पार्टी को अब अस्तित्व की लड़ाई लड़नी होगी। अभी से सवाल उठ रहे हैं कि क्या वह पंजाब की सरकार बचा पाएगी? कांग्रेस ने अंतिम नतीजों से पहले ही दावा ठोक दिया कि पंजाब में मुख्यमंत्री सहित 30 आप विधायक पाला बदलने को तैयार हैं। आप अभी तक एक पार्टी की जगह एक मुखिया के इशारों पर चलने वाला समूह रही है। क्या पुनः उठ खड़ा होने के लिए जरूरी नैतिक बल उसके पास रह बचा है? कांग्रेस ही नहीं, भाजपा भी उसकी कमजोरियों का पूरा लाभ उठाने की कोशिश तत्काल करेगी। आने वाले हफ्तों में आप के संचालक मंडल को नई कानूनी चुनौतियों से भी दो-चार होना पड़ सकता है। आंकड़ों की दृष्टि से इस चुनाव को परखें, तो केजरीवाल अपना वोट बैंक बचाने में बुरी तरह असफल रहे हैं। पिछली बार आम आदमी पार्टी ने 53.57 फीसदी मत हासिल किए थे। इस बार उन्हें महज 43.55 प्रतिशत मत मिले हैं। इसके विपरीत भाजपा ने पिछले चुनाव के मुकाबले सात फीसदी से अधिक की उछाल मारी है। ऐसा कैसे हुआ? लोकसभा चुनाव में मिले झटके के बाद भगवा दल ने गहरा आत्ममंथन किया था। हरियाणा और महाराष्ट्र में हासिल हुई जबरदस्त जीत इसी सुधरी रणनीति से उपजी थी। भाजपा ने उसे दिल्ली में भी दोहराया। इसने आप की मुफ्त रेवड़ियों के दांव के धुर्रे उड़ा दिए। केजरीवाल रह-रहकर प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती देते थे। चौथे आम चुनाव को 'केजरीवाल बनाम मोदी' बनाने से पहले उन्हें अपने जर्जर संगठन और शासन को दुरुस्त करना चाहिए था, उन्होंने ऐसा नहीं किया। इस चुनाव ने एक बार फिर मोदी के लुभाऊ और टिकाऊ चेहरे के साथ अमित शाह की संगठन क्षमता का लोहा मनवा दिया है। भाजपा की खूबी है कि एक चुनाव खत्म होता नहीं कि वह दूसरे की तैयारी शुरू कर देती है। शनिवार की सुबह नतीजे आने की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के राजग सांसदों से रूबरू थे। इस बैठक का एक ही मौजूं था, बिहार की एक और विजय। हालांकि, हर सफलता चुनौती लेकर आती है। भाजपा को एक ऐसा मुख्यमंत्री चुनना होगा, जो पार्टी की अंदरूनी राजनीति के साथ जन-कल्याण के वायदों को पूरा कर सके। यहां कांग्रेस की चर्चा जरूरी है। देश की सबसे पुरानी पार्टी ने पिछली बार के 4.63 फीसदी मतों में लगभग दो अंकों का इजाफा जरूर किया है, पर वह एक भी विधायक जिताने में नाकामयाब रही। इस हार के बावजूद एक बात तय हो गई है कि कांग्रेस भले तमाम राज्यों में अपने बूते पर चुनाव नहीं जीत पाती, लेकिन कामयाबी हासिल करने के लिए क्षेत्रीय दलों को उसकी जरूरत पड़ती है। झारखंड का पिछला चुनाव इसका उदाहरण है। कुछ दिलजले कह सकते हैं कि पार्टी ने गुजरात और हरियाणा का बदला चुका लिया।

आखिर दिल्ली में क्यों ढ़हा 'आप' का किला?

(योगेश कुमार गोयल)

दिल्ली में आप सरकार ने करीब एक दशक तक शासन किया और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता के बीच असंतोष और बदलाव की इच्छा बढ़ी थी। विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की कमी, बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी और वादों को पूरा न करने के आरोपों ने सत्ता विरोधी लहर को मजबूत किया, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं ने विकल्प के रूप में भाजपा की ओर रुख किया। दिल्ली में आम आदमी पार्टी का किला बुरी तरह ढ़ह गया है। आतिशी को छोड़कर पार्टी के लगभग तमाम दिग्गज नेता चुनाव हार गए और आप ने इस बार दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया। 2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थी लेकिन 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई थी। वहीं, भाजपा ने 2015 में मात्र 3 सीटें जीती थी जबकि 2020 में 8 सीटें जीतने में सफल हुई थी और बंपर जीत के साथ पूरे 27 सालों बाद अब दिल्ली में सरकार बनाने में सफल हुई है। 27 साल पहले भाजपा की सुषमा स्वराज आखिरी बार कुल 52 दिन के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी और अब 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सत्ता में बड़ी वापसी हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी पर घोटाले के गंभीर आरोप लगे थे और यह विधानसभा चुनाव इस बार आम आदमी पार्टी के लिए नाक का बहुत बड़ा सवाल था लेकिन भाजपा ने आम आदमी पार्टी को दिल्ली में जीत का चौका लगाने से रोक दिया। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर आम आदमी पार्टी की इतनी बड़ी हार के पीछे क्या प्रमुख कारण रहे और क्यों पार्टी की राजनीतिक स्थिति इतनी कमजोर हुई? दिल्ली में आप सरकार ने करीब एक दशक तक शासन किया और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता के बीच असंतोष और बदलाव की इच्छा बढ़ी थी। विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की कमी, बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी और वादों को पूरा न करने के आरोपों ने सत्ता विरोधी लहर को मजबूत किया, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं ने विकल्प के रूप में भाजपा की ओर रुख किया। अरविंद केजरीवाल ने यमुना को साफ करने, दिल्ली की सड़कों को पेरिस जैसा बनाने और साफ पानी उपलब्ध कराने जैसे जो तीन प्रमुख वादे दिल्ली की जनता से किए थे, वे एक दशक में भी पूरे नहीं हुए। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, सांसद संजय सिंह इत्यादि पार्टी के शीर्ष नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और उनकी गिरफ्तारी ने पार्टी की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाते हुए 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी छवि को कमजोर किया। इन घटनाओं ने पार्टी की स्वच्छ राजनीति के दावे पर सवाल खड़े किए और जनता के विश्वास को कमजोर किया। खासतौर से केजरीवाल की गिरफ्तारी और बाद में उनके इस्तीफे के कारण पार्टी के नेतृत्व में अस्थिरता आई और केजरीवाल की विश्वसनीयता में बड़ी कमी आई। केजरीवाल ने हमेशा से वीआईपी कल्चर पर सवाल उठाए थे लेकिन शीशमहल के मुद्दे पर वे स्वयं 'वीआईपी कल्चर' के मुद्दे पर बुरी तरह घिर गए थे, भाजपा-कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर आप को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। राजनीति में आने से पहले केजरीवाल ने कहा था कि वो वीवीआईपी कल्चर को खत्म करेंगे, गाड़ी, बंगला और सुरक्षा लेने की बात से भी उन्होंने इनकार किया था लेकिन सत्ता मिलने के बाद उन्होंने लग्जरी गाड़ियां तो ली ही, केंद्र से जेड प्लस सुरक्षा मिलने के बावजूद पंजाब सरकार की शीर्ष सुरक्षा भी ली। पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व के मुद्दों ने भी आप की हार में बड़ा योगदान दिया। कई वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने या निष्क्रिय होने से संगठनात्मक ढ़ांचे में कमजोरी आई। इसके अलावा नेतृत्व के प्रति असंतोष और निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के मनोबल को प्रभावित किया। आप सरकार ने बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं में मुफ्त सेवाओं की घोषणा की थी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5641

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5640

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

आज का राशिफल

मेष

आज दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे। प्रोफेशनल मामले में सावधानी बरतने से होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। निवेश करने के मामले में आज आपको भरपूर लाभ मिलेगा। खासतौर पर कार्यस्थल पर आप गलतफहमियों को दूर कर सकते हैं।

वृष

आज बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें, इससे आपका करियर सही दिशा में जा सकता है। किसी कारण आज आपको खुद पर कंट्रोल करना पड़ सकता है। इससे आप मानसिक रूप से सशक्त रहेंगे। नौकरी का कोई ऑफर मिल सकता है। घूमने-फिरने से कोई जरूरी कम बन सकता है। किसी अभियान में आपकी जीत हो सकती है।

मिथुन

आज दिन स्पेशल साबित हो सकता है। किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा। आज कोई रिस्क वाला कदम न उठाएं। कार्यस्थल में मौजूद आपके विरोधी फिलहाल कुछ समय तक सिर नहीं उठा पाएंगे। इससे आपको भविष्य में लाभ मिलेगा। दोस्तों के साथ रहने से फायदा हो सकता है।

कर्क

आज आपका दिन काफी बिजी कर देने वाला होगा। कार्यस्थल पर दिमाग से किए गए काम का फायदा होगा और इसकी खुशी होगी। पुराने समय से चली आ रही टेंशन भी कम हो जाएगी। अगर आप दूसरों की मदद करेंगे, तो आपकी मदद करने वाले भी आएंगे। नौकरी में ईमानदारी काम करने का फल मिलेगा। सतर्क होकर अपने काम में जुट जाएं।

सिंह

आज का दिन काफी धीमा हो सकता है। धीरे-धीरे आगे बढ़ने से ही फायदा हो सकता है। कोशिश जारी रखेंगे, तो अटके हुए काम भी बन जाएंगे। सतर्क होकर अपने काम में जुट जाएं। शायद यह संघर्ष का आखिरी दौरा होगा। बाहर फिजूलखर्ची करने के बजाय घरवालों के साथ समय गुजारें क्योंकि आज आपके खर्च वैसे ही ज्यादा होंगे।

कन्या

आज का दिन उत्साह से भरा दिन रहेगा। आज आपको करियर से जुड़ी ऐसी खबर मिल सकती है , जिसका इंतजार आप काफी दिनों से कर रहे थे। स्टूडेंट अपना ज्यादा से ज्यादा ध्यान पढ़ाई में लगाएं, तो फायदा मिलेगा। बिजनेसमैन अपने कारोबार मे नई तकनीकें अपना सकते हैं।

तुला

आज दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो, तो फौरन आगे बढ़ें इससे आपको लाभ होता जाएगा। रिश्तेदारों से पुराने गिले शिकवे दूर करने का समय है। खासतौर पर कार्यस्थल पर आप गलतफहमियों को दूर कर सकते हैं। दोस्तों के साथ रहने से फायदा हो सकता है। कार्यस्थल पर अधूरे कार्य पूरे होंगे और कई नए प्रोजेक्ट्स मिलेंगे।

वृश्चिक

आज दिन के पहले हिस्से में मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक बिजनेस में मुनाफे के कई मौके आएंगे। घूमने-फिरने के मौके जब भी आते हैं, तो तैयार रहें क्योंकि इससे भविष्य में कोई प्रोजेक्ट मिलने की संभावना है। पार्टी में किसी अच्छे और असरदार लोगों से मेल मुलाकात होगी और कोई खास काम की चिन्ता भी खत्म होगी।

मकर

आज आपका समय अच्छा है इसका पूरा फायदा उठाएं। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें। आपकी कई इच्छाएं आज पूरी होंगी। घूमने-फिरने से कोई जरूरी कम बन सकता है। किसी अभियान में आपकी जीत हो सकती है। फाइनेंस से जुड़े कामों में अनुभवी लोगों की सलाह लेना फायदेमंद होगा। शायद यह संघर्ष का आखिरी दौरा होगा।

कुंभ

आज किसी से अनबन न हो, इस बात का ध्यान रखें। कामकाज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी। बिजनेस में मुनाफे की आशा रहेगी और शादीशुदा जिंदगी में भी कामयाब होगी। दिन भर काम की भरमार रहेगी लेकिन आपको सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा कि किस काम को प्राथमिकता देनी चाहिए। किसी अभियान में आपकी जीत हो सकती है।

धनु

आज आपको दिन के पहले हिस्से मे फोन कॉल्स के जरिए आज कोई खुशखबरी मिलेगी। ऑफिस के साथी भी टीमवर्क से खुश होंगे। लेन-देन और बिजनेस में खतरा हो सकता है। हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है। रोमांस के मामले में भी आज अच्छा दिन है लेकिन खर्च बढ़ने से कुछ परेशानी रह सकती है लेकिन बिजनेस कर रहे जिन लोगों का पैसा अटका हुआ है।

मीन

आज काम करने वाला दिन है। ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट मिलेंगे। बातचीत से कोई नया फायदे का आइडिया आ सकता है। दोस्त के लिए तोहफा खरीदते वक्त आपकी जेब का ख्याल रखें। इससे आप बेवजह की परेशानियों से बच सकते हैं। उन्हें धन प्राप्ति हो सकती है।

वर्ग पहेली 5641

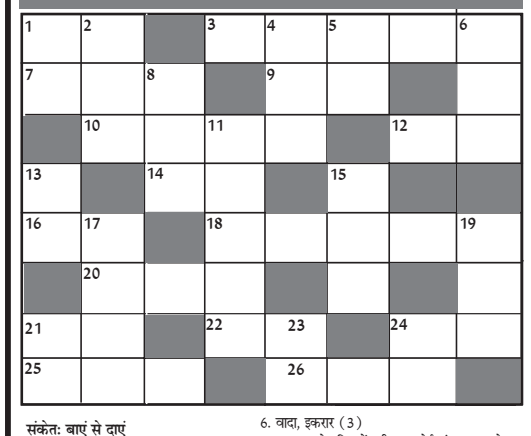

संकेत: बाएं से दाएं
1. 24 सितंबर 1979 को इस देश ने संविधान अपनाया (2)
3. 1983 का प्रूडेंशियल कप (विश्वकप) क्रिकेट इस क्रिकेटर के नेतृत्व में भारत ने जीता था (5)
7. यह भारत की पहली रहस्य प्रधान फिल्म थी, राजा का निवास (3)
9. एक मोटा वस्त्र, सपटा (2)
10. क से ह तक की वर्णमाल (4)
12. सूर्य, पुत्र (अंग्रेजी)(2)
14. सप्ताह का दिन (2)
16. हिंदी के बारह महिनों में से एक (2)
18. कोलकात के समीप स्थित प्रसिद्ध शिवलिंग (शिवपुराणानुसार)(5)
20. पुराणानुसार इंद्र के सारथि का नाम (3)
21. जिसे प्यास लगी हो (2)
22. यह वाराणसी का पुराना नाम है (2)
24. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
25. विमान पथ, धावन पथ (3)
26. काबिल, योग्य (3)

ऊपर से नीचे
1. ग्रीष्म अनुभूति, धूप (2)
2. व्यर्थ, बेमतलब, बेफिजूल (3)
4. झपोला, विविध भारती से प्रसारित कार्यक्रमों में से एक (3)
5. केशलता, बालों का गुच्छा (2)
6. वादा, इकरार (3)
8. एक वात रोग जिसमें शरीर का कोई अंग सुन्न या बेकार हो जाता है, पक्षाघात (3)
11. भाद्रप्रद के शुक्ल तृतीय को महिलाओं का व्रत विशेष जिसमें निर्जला रहकर रात्रि जागरण कर भजन आदि करती है (5)
13. दक्षिण अमेरिका के प्रशांत तट स्थित पेरू देश की यह राजधानी है (2)
15. ऊंट, बैल आदि की नाक में बंधी हुई रस्सी (3)
17. भयंकर युद्ध (4)
19. करूणा, दया, तरस (3)
21. प्रेम, मुहब्बत, इश्क (2)
23. दिल्ली की पूर्व महिला मुख्यमंत्री (सिर्फ नाम)(2)
24. हिमालय पर्वत का एक जंगली बैल (2)

वर्ग पहेली 5640 का हल

गु	ला	ब	■	सो	म	ना	थ
ल	ल	क	■	म	द	न	■
ब	च	ना	■	■	■	■	सा
द	■	■	मु	ग	ल	का	ल
न	ई	दु	नि	या	■	ति	■
■	द	म	■	ना	ग	ब	ल
आ	गा	■	क	■	री	■	ग
शा	ह	ज	हां	■	ब	न	ना

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

झगड़े के बाद पति ने की पत्नी की हत्या, शव के साथ बिताई पूरी रात फिर पहुंचा पुलिस स्टेशन

अमताली एजेंसी। त्रिपुरा से एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 40 साल के शख्स ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया, 40 साल के शख्स ने त्रिपुरा में पत्नी से झगड़े के बाद उसको मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद उसने शव के साथ कई घंटे बिताए और फिर अपने अपराध की रिपोर्ट करने के लिए पुलिस स्टेशन चला गया। आरोपी पति का नाम श्यामल दास बताया जा रहा है। पश्चिम त्रिपुरा जिले के अमताली पुलिस थाना क्षेत्र के निवासी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस स्टेशन के उप-निरीक्षक श्यामल पॉल ने इस मामले में कहा कि श्यामल दास ने सोमवार रात कुछ पारिवारिक मुद्दों पर अपनी पत्नी स्वप्ना से झगड़ा किया और उस पर किसी वस्तु से हमला कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने आगे कहा, श्यामल ने अपने घर के अंदर शव के साथ रात बिताई। आज दोपहर करीब 1.20 बजे, वह पुलिस स्टेशन गया और दावा किया कि उसकी पत्नी उसके घर के अंदर खून से लथपथ पड़ी थी। पुलिस की एक टीम मौके पर गई और शव बरामद किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी। इससे पहले त्रिपुरा के पश्चिम जिले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी और उसके शरीर के दो टुकड़े कर दिए थे। पुलिस ने इस मामले में कहा था कि कायर मिया के रूप में पहचाने गए मृतक महिला के पति को गिरफ्तार किया गया और उसने अपना अपराध कबूल कर लिया है। महिला के छोटे भाई बापन मिया ने बताया कि अरलिया की रहने वाली ताजुजा बेगम की शादी करीब 8 महीने पहले दिहाड़ी मजदूरी करने वाले कायर मिया से हुई थी।

जब कंवलजीत सिंह ने 'बड़ा नाम करेंगे' के सेट पर सबको रूलाया!

मुंबई ,एजेंसी। दिग्गज अभिनेता कंवलजीत सिंह भारतीय फिल्म और टेलीविजन उद्योग के अनुभवी कलाकारों में से एक हैं। वह अपने संवेदनशील और दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में रिलीज़ हुई वेब सीरीज़ 'बड़ा नाम करेंगे' की शूटिंग के दौरान उनका एक ऐसा इमोशनल सीन था, जिसने न केवल उनकी शानदार अभिनय क्षमता को साबित किया, बल्कि पूरी कास्ट और क्रू के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी। अभिनेता कंवलजीत सिंह ने इस महत्वपूर्ण दृश्य पर विचार साझा करते हुए कहा, हमारे निर्देशक पलाश ने एक भावनात्मक क्लाइमैक्स की कल्पना की थी, जहाँ मेरे किरदार आनंद राठी को रोना था। शुरुआत में, मैं थोड़ा संकोच में था, क्योंकि मुझे लगा कि एक परिवार के मुखिया के लिए इतनी गहरी भावनाएँ व्यक्त करना असामान्य हो सकता है। लेकिन अपनी राय साझा करने के बाद, हम एक मध्य मार्ग पर पहुंचे। अंततः, मैंने निर्देशक की दृष्टि पर भरोसा किया—आखिरकार, उन्हें पूरी कहानी की समग्र दृष्टि होती है। मुझे याद है कि इस दृश्य को लेकर हमारी गहरी चर्चाएँ हुई थीं, और जब वह क्षण आया, तो न केवल मैं बल्कि पूरी कास्ट और क्रू भी भावनाओं में बह गए। यह दृश्य बेहतरीन बना और वही भावना दर्शाने में सफल रहा, जिसकी कल्पना पलाश ने की थी। एक अभिनेता के रूप में, दर्शकों के दिलों को छूने से बड़ी कोई खुशी नहीं होती। मैं पलाश जी का आभारी हूँ कि उन्होंने इस दृश्य को इतनी बारीकी से निर्देशित किया और राजश्री का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने मुझे अपने परिवार का हिस्सा बनाया—जो हमेशा से मेरी इच्छा थी। अब जब यह सीरीज़ रिलीज़ हो चुकी है, तो मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इसे उतनी ही गहराई से महसूस करेंगे, जितनी हमने इसे बनाते समय की थी।

मैसूर में पुलिस स्टेशन पर भीड़ ने बोला हमला, सात पुलिसकर्मी घायल; इस वजह से हुआ विवाद

मैसूर, एजेंसी। कर्नाटक के मैसूर के उदयगिरी पुलिस स्टेशन के बाहर मंगलवार को तनाव फैल गया और सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट के विरोध में भारी भीड़ जमा हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति द्वारा अपमानजनक पोस्ट करने के बाद भीड़ ने मंगलवार की रात मैसूर के उदयगिरि पुलिस स्टेशन पर हमला कर दिया, जिसमें सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) हितेंद्र के मुताबिक, अपमानजनक पोस्ट के लिए आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, कुछ लोग इस बात से परेशान थे कि उसे जल्द ही छोड़ दिया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ हिंसक हो गई और थाने पर धावा बोलने का प्रयास किया, वाहनों को नुकसान पहुंचाया और पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया। नरसिम्हराजा के कांग्रेस विधायक तनवीर सेत ने कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट के बाद हंगामा खड़ा हो गया। भीड़ ने पथराव किया, गाड़ियों में तोड़फोड़ की और थाने पर हमला किया। उन्होंने कहा कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक, फेसबुक पोस्ट में सांसद और कांग्रेस नेता राहुल गांधी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अर्धनग्न तस्वीरें दिखाई गई थी, जिनके शरीर पर अरबी भाषा में कुछ लिखा हुआ था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ स्वत-संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज कर लिया गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शहर की पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर ने कहा कि पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट को अपमानजनक पाया और इसलिए मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस थाने के बाहर जमा हुए और कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करने वाले लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी।लाटकर ने कहा कि स्थिति शांतिपूर्ण है और उन्होंने लोगों से स्थिति को और न बिगाड़ने की अपील की।

भारत को तोड़ने की साजिश करने वाले नेताओं-पत्रकारों को करेंगे बेनकाब

नईदिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा है कि वह भारत को तोड़ने की साजिश करने वाले नेताओं-पत्रकारों को बेनकाब करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि देश को तोड़ने की साजिश के तहत अमेरिकी सरकार की अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिकी एजेंसी (यूएसएआइडी) नामक स्वतंत्र अमेरिकी एजेंसी से धन लेकर कुछ नेता और पत्रकार भारत के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं। वह विदेशी ताकतों से हाथ मिलाकर भारत को अस्थिर करने और तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। दुबे ने मंगलवार को एक साक्षात्कार में कहा कि वह संसद में बताएंगे कि किस तरह से यूएसएआइडी ने नेताओं और पत्रकारों को धन देकर अपने मकसद को पूरा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन इस मामले की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार भी इस मामले की जांच करेगी और हरेक साजिश को उजागर करेगी। भाजपा सांसद ने कहा कि यह एक खतरनाक स्थिति है जब एक ईमानदार पत्रकारिता के नाम पर वामपंथी पत्रकारिता व मोदी-विरोधी पत्रकारिता है। लेकिन इनमें ऐसे लोग भी हैं जो विदेशी ताकतों से हाथ मिलाकर भारत को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। आगे बोले कि यह सारी बातें अब सामने आ गई हैं और ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी सरकार गंभीरता से इसकी जांच कर रही है। हमारी सरकार भी इस संबंध में जांच करेगी। फिलहाल मैं कुछ भुले जा चुके मुद्दों को भी उठाउंगा।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 550 लोगों को लगाया चूना, पीड़ितों का कंपनी के बाहर हंगामा

नोएडा एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-63 की कंपनी ने जॉर्डन मे माली और मैकेनिक की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 550 लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित विदेश जाने की तारीख पर कंपनी के कार्यालय पहुंचे तो मालिक फरार मिला। इस पर उन्होंने हंगामा किया। इसके बाद पीड़ित सेक्टर-63 थाने पहुंचे और शिकायत की। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गोरखपुर निवासी दीनानाथ चौहान ने पुलिस को बताया कि लंबे समय से वह बेरोजगार थे। वह इंटरनेट पर नौकरी के बारे में सर्च कर रहे थे। एक साथी ने उनको फॉरेन जॉब सर्च साइट पर एक कंपनी के बारे में जानकारी दी। साइट पर दिए गए नंबर पर दीनानाथ ने संपर्क किया तो उसे जॉर्डन में नौकरी के बारे में बताया गया। कंपनी का ऑफिस शुरू में नोएडा के सेक्टर-69 में था।

आरोपियों ने दीनानाथ और उसके साथियों को विदेश में माली और मैकेनिक की नौकरी दिलाने का झांसा दिया। नौकरी दो साल के अनुबंध पर दिलाने की बात हुई। नौकरी के एवज में हर महीने आठ सौ

दिनार मिलने का लाचल दिया गया। भारतीय रुपये में सैलरी की रकम एक लाख रुपये प्रति माह के करीब आंकी गई। इसके लिए दीनानाथ समेत अन्य लोगों से आरोपियों ने 70 हजार रुपये ले लिए। इसमें हवाई जहाज का टिकट और वीजा समेत अन्य सारी सुविधा दिलाने की बात आरोपियों ने कही। एक सेंटर पर पीड़ितों का मेडिकल कराया गया और वीजा और हवाई टिकट दी गई। पीड़ितों को पहले छह फरवरी के टिकट दिए गए। दीनानाथ समेत दर्जनों लोगों को तय तारीख पर कंपनी के सेक्टर-63 स्थित नए ऑफिस में बुलाया गया। पहुंचने पर छह फरवरी को बताया गया कि अब 12 फरवरी को बाहर जाना है। इसके बाद कंपनी के संचालक और अन्य लोग भाग गए। मंगलवार को पीड़ितों ने हंगामा कर दिया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची पीड़ितों को थाने ले आई। आरोपियों ने बिल्डिंग किराये पर ली हुई थी। दावा है कि आरोपियों ने करीब 550 लोगों के साथ दस करोड़ रुपये की ठगी की है। आरोपी अपने साथ कई लोगों का पासपोर्ट भी लेकर चले गए हैं।

दीनानाथ और उनके कई अन्य साथियों ने पुलिस को बताया कि ठगी के लिए आरोपियों ने सोशल मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन दिया। कई जगह पंफलेट और पोस्टर भी चस्पा किए। इंटरनेट पर सर्च करने के बाद बेरोजगार युवकों ने आरोपी कंपनी से संपर्क किया। इसके बाद आकर्षक सैलरी और वीजा, पासपोर्ट, मेडिकल कराने को लेकर झांसा दिया गया और एडवांस में रुपये लेकर जालसाज फरार हो गए। पीड़ितो के मुताबिक ठगों ने ठगी के लिए कई जगह एजेंट भी बनाए हुए थे।

शहर में पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके: आरोपियों ने देशभर लोगों के साथ ठगी की। इनमें ज्यादातर युवा हैं। पीड़ितों में कई लोगों ने कर्ज लेकर आरोपियों को भुगतान किया था। इस प्रकार की ठगी करने वाले गिरोह नोएडा में पहले से ही सक्रिय रहते हैं। किराये के खाते का इस्तेमाल आरोपी ठगी में करते हैं। ऐसे में उन्हें दबोचना पुलिस के लिए चुनौती बना रहता है।

फरीदाबाद में 3 साल की बच्ची के साथ हैवानियत; झाड़ी में मिली लहूलुहान, हालत नाजुक

फरीदाबाद , एजेंसी। फरीदाबाद के डबुआ थाना क्षेत्र में तीन साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी उसे लहूलुहान अवस्था में झाड़ी में छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोग उसे झाड़ी से उठाकर पहले बीके अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से पुलिस आयुक्त के आदेश पर उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां उसका ऑपरेशन किया गया है। हालत नाजुक बनी है। साथ ही पुलिस की तीन टीमें आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार सोमवार शाम को आरोपी ने हैवानियत की है। बच्ची डबुआ कॉलोनी स्थित झुग्गी में अपने माता-पिता के साथ रहती है। वह मूलरूप से मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं और फरीदाबाद में मेहनत-मजदूरी करते हैं। सोमवार शाम मयंक नामक युवक शौच करने गाजीपुर मुर्गी फार्म रोड, राम वाटिका के पास सूनसान क्षेत्र में गया था। वहां उसने झाड़ियों में एक बच्ची को बेहोशी की हालत में देखा तो उसके होश उड़ गए।

उसने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी और डायल-112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी। मयंक का कहना है कि सूचना मिलने के आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने बच्ची को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाने के बजाय एंबुलेंस आने का इंतजार करते रहे। इससे बच्ची की हालत लगातार बिगड़ रही थी। लिहाजा बाइक पर बच्ची को बिठाकर बीके अस्पताल की ओर चले।

लेकिन करीब दो किलोमीटर चलने के बाद रास्ते में उन्हें एंबुलेंस मिल गई। इसके बाद एंबुलेंस से बच्ची को बीके अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस जांच में जुटी है। निजी अस्पताल में बच्ची के इलाज में जो खर्च आएगा, वह सरकार की ओर से दिया जाएगा। इस बाबत रेड क्रॉस सोसाइटी का सहायोग लिया जाएगा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बच्ची को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बच्ची के स्वस्थ्य होने के बाद संबंधित विभाग को अस्पताल के बिल को जमा कराने के लिए पत्र लिखा जाएगा। बच्ची के निजी अंग में काफी ज्यादा चोट है। डॉक्टरों ने वहां कई टांके लगाए हैं। इसके अलावा उसके शरीर पर जगह-जगह खरोंच के निशान हैं। स्त्राव होने के चलते उसकी हालत बिगड़ी है। आशंका यह भी है कि आरोपी ने दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने का भी प्रयास किया होगा। बच्ची की गंभीर हालत देखते हुए बीके अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे दिल्ली के एम्स ट्रामा सेंटर में रेफर कर दिया।

एनसीआर में गरजा बुलडोजर, गाजियाबाद और गुरुग्राम में अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) टीम ने मटियाला गांव के पास विकसित हो रही 95 बीघा क्षेत्र में पांच अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया। इस दौरान यहां हुए निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कॉलोनाइजरों ने प्राधिकरण की टीम का विरोध किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। जीडीए जोन तीन की प्रवर्तन टीम मटियाला गांव के पास फ्रेंड्स कॉलोनी पहुंची। यहां अशोक जैन, सचिव चौधरी 25 बीघा क्षेत्र में अवैध कॉलोनी विकसित कर रहे हैं।

टीम ने यहां बुलडोजर चलाकर बाउंड्रीवॉल तोड़ दी। साथ ही निर्माण को भी ध्वस्त कर दिया। यहां की सड़कें भी खोद दी। फिर टीम गोविंदधाम कॉलोनी पहुंची, जहां 22 बीघा क्षेत्रफल में नीरज मलिक, योगेश चौधरी अवैध कॉलोनी विकसित कर रहे हैं। यहां भी ध्वस्तीकरण किया गया। मटियाला गांव में 16 बीघा क्षेत्र में भी अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही है, जिसपर बुलडोजर चलाया गया। इसी क्षेत्र में 20 बीघा क्षेत्र मुकेश वर्मा द्वारा अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही है। वहीं, 12 बीघा क्षेत्र में भी अवैध कॉलोनी बसाई जा रही है। इन सभी कॉलोनियों के भूखंडों की बाउंड्रीवाल, सड़क, विद्युत पोल आदि ध्वस्त कर दिए। इस दौरान कॉलोनाइजर ने इस कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन मौजूद पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। इस दौरान जीडीए अधिकारी, सचल दस्ता और पुलिस बल मौजूद रहा। इसी तरह की कार्रवाई गुरुग्राम में भी देखने को मिली। जिले के नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के तोड़फोड़ दस्ते ने मंगलवार को सोहना ब्लॉक के गांव किरं तब्दील की और भिड़वाका में अवैध रूप से पनप रही कॉलोनियों और फार्म हाउस को तोड़ दिया।

नए विवाद में फंसे एल्विश यादव, जयपुर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर; यूट्यूबर के किस वीडियो पर ऐक्शन

जयपुर, एजेंसी। बिग बॉस ओटीटी के विजेता और यूट्यूबर एल्विश यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके खिलाफ एक भ्रामक वीडियो पोस्ट करने के लिए एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें दावा किया गया था कि उन्हें जयपुर में एक म्यूजिक वीडियो शूट के लिए राजस्थान पुलिस ने एस्कॉर्ट किया था। पुलिस ने बुधवार को यादव के दावे को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें कोई आधिकारिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई थी और उनके खिलाफ राजस्थान पुलिस की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। विवाद तब शुरू हुआ जब सोमवार को यादव ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया जिसमें वह राजस्थान के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के बेटे कृष्णवर्धन सिंह खाचरियावास की कार में ट्रैवल करते

हुए दिखाई दिए। वीडियो में, कृष्णवर्धन की कार के आगे एक पुलिस वाहन चलता हुआ दिखाई दे रहा था और यादव दावा कर रहे थे कि पुलिस उन्हें एस्कॉर्ट कर रही है। बातचीत के दौरान, कृष्णवर्धन कहते हैं कि पुलिस के वाहन अलग-अलग जूरिडिक्शन (अधिकार क्षेत्रों) में जाने पर बदल जाते हैं। हालांकि, राजस्थान पुलिस ने यूट्यूबर के दावों को खारिज कर दिया है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा कि यूट्यूबर को ऐसा कोई एस्कॉर्ट मुहैया नहीं कराया गया था। इस मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर रामेश्वर सिंह ने भी कहा कि यादव को कोई एस्कॉर्ट नहीं दिया गया था और पुलिस सुरक्षा केवल स्थापित प्रोटोकॉल के आधार पर दी जाती है। वहीं एसीपी कुंवर राष्ट्रदीप ने कहा कि राजस्थान पुलिस की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले फर्जी वीडियो को कथित तौर पर शेयर करने के लिए साइबर पुलिस स्टेशन में यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इसी बीच, प्रताप सिंह खाचरियावास ने खुद को और अपने बेटे को इस विवाद से अलग करते हुए कहा कि उन दोनों में से किसी ने भी पुलिस एस्कॉर्ट की मांग नहीं की थी। एल्विश यादव अक्सर मुझसे मिलने आते हैं और एक राजनेता के तौर पर मैं कई लोगों से मिलता हूं। मेरी सरकार सत्ता में नहीं है, इसलिए मुझे नहीं पता कि पुलिस वाहन की व्यवस्था किसने की या वह वहां क्यों था। उन्होंने रिपोर्टर्स से कहा, न तो मेरे बेटे ने और न ही मैंने एस्कॉर्ट की मांग की।

बॉडी वॉश, शावर और गीजर भी, फाइव-स्टार होटल में नहाने जैसा मजा; मुंबई की सड़कों पर दौड़ रही अनोखी बस

मुंबई , एजेंसी। मुंबई की सड़कों पर एक अनोखी बस दौड़ रही है जो हाई-टेक मोबाइल बाथरूम से लैस है। महाराष्ट्र सरकार और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने यह पहल कई औरतों की जिंदगी आसान बनाने के लिए शुरू की है। इस अनोखी बस में मुफ्त में नहाने की सुविधा दी जा रही है, और दिलचस्प बात ये है कि इसे लॉन्च हुए सिर्फ एक महीना हुआ है, लेकिन इसे इस्तेमाल करने वाली औरतों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है।

क्या है इस मोबाइल बाथरूम बस की खासियत?: ये कोई आम बस नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता लक्जरी बाथरूम है। इस बस में पांच मोबाइल फोन चार्जिंग पॉइंट, दो कपड़े सुखाने वाले ड्रायर और पूरी तरह से सुसज्जित नहाने के कमरे हैं। हर बाथरूम में हैंडवॉश, बॉडी वॉश, बाल्टी, नल, शैंपू, शावर, गीजर और यहां तक कि टब तक की सुविधा दी गई है। सिर्फ इतना ही नहीं, पानी बचाने के लिए इसमें एक खास सिस्टम लगाया गया

है जिससे पूरी बस का पानी महज 10 मिनट में फ्लश हो जाता है। ये बस ना सिर्फ सफाई और सुविधा का प्रतीक बन गई है, बल्कि दो औरतों के लिए रोजगार का भी जरिया बन चुकी है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इस इनोवेटिव आइडिया को महाराष्ट्र के स्किल डेवलपमेंट मिनिस्टर मंगल प्रभात लोढ़ा ने पेश किया था और इसे जिला योजना समिति और बीएमसी ने मिलकर लागू किया। इस बस का संचालन तीन बहनें कर रही हैं, जो 'बी दी चेंज' नाम की एक संस्था चला रही हैं। उनकी मेहनत और लगन की वजह से ये पहल इतनी सफल हो पाई है। यह बस मुंबई के कांदिवली इलाके में रहने वाली औरतों के लिए फिलहाल मौजूद है। स्थानीय औरतें इस अनोखी पहल से बेहद खुश हैं और ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को इसका इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित कर रही हैं। इस सफलता को देखते हुए अब बीएमसी इस योजना को शहर के दूसरे इलाकों में भी लाने की तैयारी कर रही है। बीएमसी के बजट में भी इसका जिक्र किया गया है, जिससे साफ है कि आने वाले समय में मुंबई की औरतों के लिए और भी ऐसी चलती-फिरती लक्जरी बाथरूम बसें सड़कों पर दिखाई देंगी।

हरियाणा और पंजाब के कई जिलों में भूजल खतरनाक

चंडीगढ़ , एजेंसी। हरियाणा और पंजाब के भूजल को लेकर एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों ही राज्यों को कई जिले ऐसे हैं, जहां का भूजल पीने लायक नहीं है। इनमें तय सीमा से ज्यादा मात्रा में यूरेनियम, नाइट्रेट, आर्सेनिक पाए गए हैं। खतरा इतना ज्यादा है कि इसे पीने से अंग खराब होने, नवजातों में बीमारी, कैंसर जैसे खतरे हो सकते हैं। सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड की सालाना क्वालिटी रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि पंजाब के 20 और हरियाणा के 16 जिलों में भूजल की गुणवत्ता बेहद खराब है। यहां यूरेनियम का स्तर 30 पीपीबी से ज्यादा पाया गया है। इसके नमूने मई 2023 में एकत्र किए गए थे। खास बात है कि 2019 में पंजाब में ऐसे जिलों की संख्या 17 और हरियाणआ में 18 थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 30 पीपीबी से ज्यादा यूरेनियम कनसनट्रेशन्स वाला पानी पीने लायक नहीं है, क्योंकि यह अंगों को प्रभावित कर सकता है।

तेलंगाना में महंगी हो गई बीयर, सरकार ने बढ़ा दिए दाम

हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड को बीयर की कीमतों में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने की अनुमति दे दी है। यूबीएल ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि यह निर्णय वर्ष 2019-20 से कंपनी की बीयर की कीमतों में संशोधन न करने के कारण राज्य में हुए भारी नुकसान के कारण लिया गया था। यह निर्णय ब्रूअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) के अनुरोध के बाद और यूनाइटेड ब्रूअरीज लिमिटेड द्वारा आपूर्ति रोकने के बाद आया है। आठ जनवरी को यूनाइटेड ब्रूअरीज लिमिटेड (यूबीएल) ने घोषणा की कि उसने तेलंगाना बेवरेजेज कॉरपोरेशन को अपनी बीयर की आपूर्ति तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है। इसके अतिरिक्त, यूबीएल ने दावा किया कि टीजीबीसीएल पर पिछली बीयर आपूर्ति के लिए काफी बकाया है। हालांकि, इस बारे में किसी विशेष विवरण का खुलासा नहीं किया गया। हालांकि, यूनाइटेड ब्रूअरीज ने बाद में आपूर्ति फिर से शुरू कर दी। राज्य सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए, बीएआई ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से बीयर उद्योग के भीतर लंबित मुद्दों को हल करने का आग्रह किया। बीएआई ने बयान में कहा, हालांकि, जिस वृद्धि की अनुमति दी जा रही है, वह उत्पादन की लागत में वृद्धि या उद्योग की अपेक्षा से कम है, लेकिन हम इसका स्वागत करते हैं क्योंकि यह संकेत देता है कि सरकार राज्य में व्यवसाय लाभप्रदता पर उद्योग की चिंताओं के प्रति सजग है और इस पर विचार करने के अपने वादे पर खरी उतरी है। बीएआई के महानिदेशक विनोद गिरी ने कहा कि बाजार संचालित प्रणाली सभी को लाभ पहुंचाने का सबसे कुशल तरीका है और हम इस दृष्टिकोण की वकालत करने के लिए सरकार के साथ बातचीत जारी रखेंगे।

भारत में बच्चों के इंस्टा अकाउंट्स पर रहेगा मां बाप की नजर, मेटा ने जारी किया नया फीचर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में इंस्टाग्राम यूज करने वाले किशोरों पर अब उनके मां-बाप नजर रख सकेंगे। फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म का संचालन करने वाली कंपनी मेटा ने मेटा के इंस्टाग्राम टीन अकाउंट्स की सुविधा को भारत में भी शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की।

फीचर को खासतौर पर किशोरों के लिए बनाया गया है: इस फीचर को खासतौर पर किशोरों के लिए बनाया गया है। इससे नुकसानदायक कंटेंट और अनचाही मैसेजिंग जैसी समस्याओं को रोका जाएगा। टीन अकाउंट्स ऑटोमेटिक रूप से हाई सेफ्टी सेटिंग्स पर रहेंगे। इसमें प्राइवेसी सेटिंग बढ़ाने के साथ मां-बाप की अधिक निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। वे अपने बच्चों के अकाउंट पर नजर रख सकेंगे।

मेटा ने कहा कि वह उम्र की पुष्टि करने वाले तरीकों को भी चाकचौबंद कर रही है। इस आशंका को देखते हुए कि कुछ यूजर्स अपनी आयु गलत बता सकते हैं, इसलिए गलत उम्र बताने पर अतिरिक्त वेरिफिकेशन की जरूरत पड़ेगी।यह घोषणा किशोरों पर इंटरनेट मीडिया के दुष्प्रभावों को लेकर चिंता के बीच की गई है।

पिछले महीने, भारत सरकार ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण नियमों का मसौदा जारी किया था। इसमें ऑनलाइन

या इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर नाबालिग यूजर्स अकांउट बनाने के लिए माता-पिता की सहमति अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है। मेटा ने बयान में कहा, हम किशोरों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने और नुकसानदेह कंटेंट को लेकर उनके माता पिता की चिंता को दूर करने के लिए इंस्टाग्राम टीन अकाउंट्स का भारत में विस्तार कर रहे हैं। किशोरों को आटोमेटिक तरीके से उच्चतम सुरक्षा सेटिंग्स में रखा जाता है, जिसमें गलत उम्र बताने और संवेदनशील कंटेंट प्रतिबंधों को रोकने के तरीके हैं।

सेटिंग्स में बदलाव के लिए माता पिता की अनुमति की जरूरत होगी। इसके तहत माता-पिता 16 वर्ष से कम उम्र के किशोरों के लिए परिवर्तनों को मंजूरी दे सकते हैं, हाल में जुड़े संपर्कों की निगरानी कर सकते हैं। स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय की सीमा तय कर सकते हैं। कुछ खास समय के लिए एप का उपयोग करने से रोक सकते हैं।

इंस्टाग्राम टीन अकाउंट में माता-पिता की प्रमुख चिंताओं को दूर करने का प्रयास किया गया है जैसे उनके बच्चे आनलाइन किसके साथ संवाद करते हैं। वे किस प्रकार की कंटेंट के संपर्क में आते हैं, और वे इंटरनेट प्लेटफार्म पर अपने समय का प्रबंधन कैसे करते हैं।16 साल से कम उम्र के सभी नए यूजर्स का इंस्टाग्राम अकाउंट डिफाल्ट रूप से प्राइवेट होगा। यानी, कोई भी बिना इजाजत के फालो नहीं कर सकेगा और कंटेंट नहीं देख पाएगा।

टीन अकाउंट्स को सख्त सेफ्टी मोड पर रखा जाएगा: टीन अकाउंट्स को सख्त सेफ्टी मोड पर रखा जाएगा, जिससे हिंसक, कंटेंट रील्स में न दिखें। इसके अतिरिक्त, हिडन व?र्ड्स, डिफाल्ट रूप से होगा ताकि आपत्तिजनक भाषा को फिल्टर किया जा सके। किशोरों को प्रतिदिन 60 मिनट तक एप का उपयोग करने के बाद एप से बाहर निकलने के लिए नोटिफिकेशन मिलेगा।

शुभमन गिल ने बनाया यूनिक रिकॉर्ड, एक ही मैदान पर तीनों फॉर्मेट में लगाए शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के आखिरी और तीसरे वनडे में शतक लगाकर यूनिक रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। गिल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में एक ही मैदान पर शतक लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। इस लिस्ट में अभी तक कोई भारतीय शामिल नहीं था।

गिल ने 31.2 ओवर में मार्क वुड की गेंद पर चौका लगाकर शतक पूरा किया और रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इसी मैदान पर टेस्ट शतक, टी20 शतक और अब वनडे शतक भी यहीं है। इस सूची में आईपीएल शतक भी शामिल है। यह एक बेहतरीन पारी है। शुरुआत में गेंद सीम और स्विंग कर रही थी। उन्होंने अपना समय लिया लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे उस चरण से निपटने के लिए बेहतरीन स्थिति में थे और एक बार जब वे इससे आगे निकल गए तो उन्होंने दिखाया कि वे इस मैदान पर क्यों राज करते हैं। टीम के साथी और प्रशंसक उनके 7वें वनडे शतक का स्वागत करने के लिए खड़े हो गए। उन्होंने हेलमेट उतार दिया, बल्ला उठाया और जश्न मनाते हुए झुके। गिल की पारी का अंत 34.3 ओवर में आदिल राशिद की गेंद पर बोल्ड हुए। गिल ने अपनी पारी के दौरान 102 गेंदों का सामना किया और 14 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 109 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाए। अपनी पारी के अंत के साथ ही गिल वनडे की पहली 50 पारियों में सर्वाधिक 2587 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने हाशिम अमला का रिकॉर्ड तोड़ा जो इससे पहले 2486 रन बनाते हुए पहले स्थान पर थे।

तीनों प्रारूपों में एक ही स्थान पर शतक

फाफ डु प्लेसिस - वांडरर्स, जोहान्सबर्ग
डेविड वार्नर - एडिलेड ओवल
बाबर आजम - नेशनल स्टेडियम, कराची
क्विंटन डी कॉक - सुपरस्पोर्ट पार्क, सेंचुरियन
शुभमन गिल - मोटेरा, अहमदाबाद

वनडे में पहली 50 पारियों के बाद सर्वाधिक रन

2587 शुबमन गिल
2486 हाशिम अमला
2386 इमाम-उल-हक
2262 फखर ज़मान
2247 शाई होप

फ्रीस्टाइल शतरंज में गुकेश ने नाकामुरा से ड्रॉ खेला, पांचवें से आठवें स्थान के प्लेऑफ का था मुकाबला

हैम्बर्ग (जर्मनी), एजेंसी। ड्रॉ नहीं खेलने के लिए मशहूर हो चुके गुकेश ने इस टूर्नामेंट में आठवीं बाजी ड्रॉ खेली। सात बाजियां उन्होंने प्रारंभिक दौर में ड्रॉ खेलीं। विश्व चैंपियन डी गुकेश को फ्रीस्टाइल शतरंज के पांचवें से आठवें स्थान के मुकाबले में अमेरिकी हिकारु नाकामुरा ने ड्रॉ पर रोक दिया। वहीं, सेमीफाइनल मुकाबलों में मैग्नस कार्लसन को पहले मैच में विन्सेंट कीमर से हार मिली, जबकि कारुआना और उज्बेकिस्तान को जावोखिर सिंदारोव के बीच बाजी ड्रॉ रही।

ड्रॉ नहीं खेलने के लिए मशहूर हो चुके गुकेश ने इस टूर्नामेंट में आठवीं बाजी ड्रॉ खेली। सात बाजियां उन्होंने प्रारंभिक दौर में ड्रॉ खेलीं। दिन का सबसे बड़ा परिणाम जर्मनी के कीमर की विश्व नंबर एक और इस प्रारूप के सूत्रधार मैग्नस कार्लसन पर जीत रही। अमेरिका के फाबियानो करुआना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल 0-2 से हारने के बाद गुकेश ने नाकामूरा के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के साथ अंक बांटे। फ्रीस्टाइल शतरंज में प्यादे अपनी जगह पर बरकरार रहते हैं, जबकि बाकी मोहरों की स्थिति को 960 तरीके से बदला जा सकता है। महान खिलाड़ी बॉबी फिशर फ्रीस्टाइल शतरंज की वकालत करने वाले पहले व्यक्ति थे और नए प्रारूप को मिले समर्थन को देखते हुए यह खेल का भविष्य हो सकता है।

स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के पिता का निधन, दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा के पिता गिरीश बत्रा का दिल का दौरा पड़ने से मंगलवार को निधन हो गया। मंगलवार को ही इंदरपुरी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनकी प्रार्थना सभा गुरुवार को रखी गई है। मनिका भारत की शीर्ष महिला एकल खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में महिला एकल और महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने महिला युगल में रजत और मिश्रित युगल में कांस्य भी जीता था। भारत की शीर्ष महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने पिछले साल सऊदी स्मैश में शानदार प्रदर्शन किया था और करियर की सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग 24 पर पहुंच गई थीं। वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 25 में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनीं थीं। तब उन्होंने 15 स्थान की लंबी छलांग लगाई थी। हालांकि, वह मौजूदा समय में महिला एकल में 25वें रैंक पर हैं। हालांकि, पेरिस ओलंपिक में मनिका का एकल में प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। वहीं, महिला टीम के साथ मिलकर उन्होने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था।

महिलाओं के खेल इवेंट में ट्रांसजेंडर एथलीट्स पर पाबंदी की तैयारी, विश्व एथलेटिक्स ने कसी कमर

वाशिंगटन, एजेंसी। महिला वर्ग में पारदर्शिता लाने के लिए विश्व एथलेटिक्स 1990 में बंद कर दिए गए उस क्रोमोसोम टेस्ट को भी लाने की तैयारी कर रहा है, जिससे महिला में वाई क्रोमोसोम (पुरुष क्रोमोसोम) के होने का पता लग जाएगा। विश्व एथलेटिक्स ने एथलेटिक्स की महिला इवेंट में ट्रांसजेंडर और पुरुषत्व के लक्षण वाले एथलीटों की भागीदारी पर पूरी तरह पाबंदी लगाने की तैयारी कर ली है। विश्व एथलेटिक्स ऐसे नियम लाने जा रहा है, जिससे महिला वर्ग में ट्रांसजेंडर एथलीट, लिंग विकास में अंतर (डीएसडी) वाली महिला एथलीट और पुरुष से महिला में परिवर्तित हुए एथलीटों के महिला वर्ग में खेलने पर पूरी तरह पाबंदी लग जाएगी। महिला वर्ग में पारदर्शिता लाने के लिए विश्व एथलेटिक्स 1990 में बंद कर दिए गए उस क्रोमोसोम टेस्ट को भी लाने की तैयारी कर रहा है, जिससे महिला में वाई क्रोमोसोम (पुरुष क्रोमोसोम) के होने का पता लग जाएगा। इस टेस्ट में महिला एथलीट के गाल के स्वैब का सैंपल लिया जाएगा या फिर उसके सूखे हुए खून का परीक्षण होगा।

नेशनल गेम्स राउंड अप:

ज्योति याराजी और अनिमेष कुजूर को स्वर्ण

पदक तालिका में सेना शीर्ष पर बरकरार

देहरादून, एजेंसी। सौ मीटर बाधा दौड़ की स्वर्ण पदक विजेता आंध्र प्रदेश की 25 वर्षीय याराजी ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में 23.35 सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिल्ली की मध्यम दूरी की धाविका केएम चंदा ने महिलाओं की 800 मीटर में अपने ही राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड में सुधार किया।

बाधा दौड़ की स्टार खिलाड़ी ज्योति याराजी और फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेलों में अपना क्रमशः दूसरा और तीसरा स्वर्ण पदक जीता जबकि पैदल चाल के 15 खिलाड़ियों ने खेलों के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। सेना इस बीच पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। इससे पहले 100 मीटर और चार गुणा 100 मीटर का खिताब जीतने वाले ओडिशा के 21 वर्षीय कुजूर ने 20.58 सेकेंड के समय के साथ पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में भी स्वर्ण पदक जीता। उनका यह समय गुजरात में 2022 में असम के अमलान बोरगोहेन के 20.55 सेकेंड के राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड से थोड़ा अधिक था। सौ मीटर बाधा दौड़ की स्वर्ण पदक विजेता आंध्र प्रदेश की 25 वर्षीय याराजी ने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में 23.35

सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दिल्ली की मध्यम दूरी की धाविका केएम चंदा ने महिलाओं की 800 मीटर में अपने ही राष्ट्रीय खेलों के रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने दो मिनट 0.82 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता और 2022 प्रतियोगिता के दो मिनट 1.58 सेकेंड के राष्ट्रीय खेलों के अपने पिछले रिकॉर्ड को बेहतर किया। उन्होंने इससे पहले 1500 मीटर में भी स्वर्ण जीता था।

मंगलवार को सेना ने नौ स्वर्ण सहित 17 पदक जीते और 54 स्वर्ण, 22 रजत, 21 कांस्य सहित कुल 97 पदक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है जबकि खेलों में अब केवल दो दिन बचे हैं। पिछले सत्र की शीर्ष टीम महाराष्ट्र 144 पदक (41 स्वर्ण, 51 रजत, 52 कांस्य) के साथ दूसरे स्थान पर है। कर्नाटक 75 पदक (33 स्वर्ण, 18 रजत, 24 कांस्य) के साथ तीसरे स्थान पर है जबकि हरियाणा (28 स्वर्ण, 40 रजत, 44 कांस्य) और मध्य प्रदेश (25 स्वर्ण, 18 रजत, 18 कांस्य) शीर्ष पांच में शामिल हैं।

चैंपियंस ट्रॉफ़ी से हटे स्टार्क, कप्तानी करेंगे स्मिथ

मेलबर्न, एजेंसी। मिचेल स्टार्क ने व्यक्तिगत कारणों से चैंपियंस ट्रॉफ़ी से अपना नाम वापस ले लिया है और ऑस्ट्रेलिया ने एक अलग दिखने वाली 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है जिसकी कप्तानी स्टीवन स्मिथ करेंगे। मार्कस स्टॉयनिस के संन्यास के साथ-साथ पैट कमिंस, जॉश हेज़लवुड और मिशेल मार्श की चोटों के कारण ऑस्ट्रेलिया को पहले ही अपनी स्थायी टीम में कई बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

स्टार्क की अनुपस्थिति का मतलब है कि वे पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में 19 फ़रवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में अपने पूरे विश्व कप विजेता फ़्रंटलाइन तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण के बिना उतरेंगे। स्टार्क ने अपने फ़ैसले के बारे में गोपनीयता की मांग की है। वह गॉल में दूसरे टेस्ट के बाद के समय में कुछ असुविधा में दिखे थे। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, हम मिच के फ़ैसले को समझते हैं और उसका सम्मान करते हैं। मिच को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और ऑस्ट्रेलिया के लिए प्रदर्शन को प्राथमिकता देने के लिए बड़ा सम्मान दिया जाता है।

दर्द और प्रतिकूल परिस्थितियों में खेलने की उनकी अच्छी तरह से क्षमता, साथ ही अपने देश को पहले स्थान पर रखने के लिए अपने करियर के अन्य हिस्सों में अवसरों को छोड़ने की सराहना की जानी चाहिए। उनका चैंपियंस ट्रॉफ़ी अभियान में नहीं होना भले ही एक झटका है, लेकिन इससे किसी और को टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने का मौक़ा मिलेगा।

एशिया मिक्सड टी चैंपियनशिप:

भारत ने मकाऊ पर दर्ज की बड़ी जीत, क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

अब कोरिया से सामना

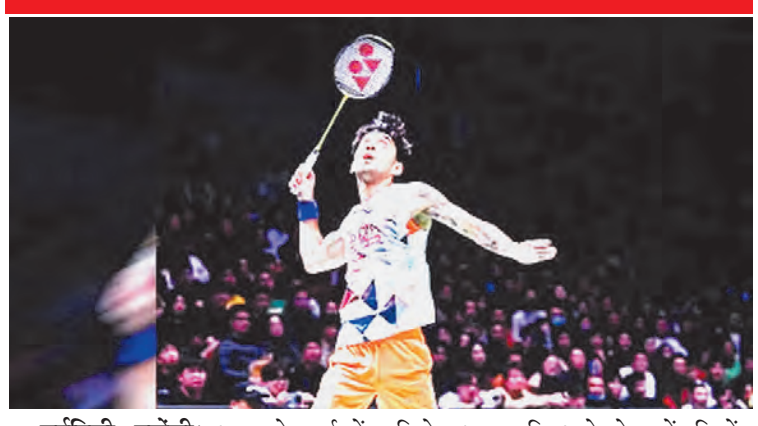

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने दुबई में खेले गए इस टूर्नामेंट के पिछले सत्र में कांस्य पदक जीता था। अब उसका ग्रुप चरण के अंतिम मैच में गुरुवार को सामना कोरिया से होगा। भारतीय बैडमिंटन टीम ने एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने ग्रुप डी के अपने शुरुआती मैच में मकाऊ को 5-0 से हराया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने में सफल रही। भारत ने दुबई में खेले गए इस टूर्नामेंट के पिछले सत्र में कांस्य पदक जीता था। अब उसका ग्रुप चरण के अंतिम मैच में गुरुवार को सामना कोरिया से होगा।

मिश्रित युगल टीम सतीश कुमार करुणाकरण और राष्ट्रीय खेल स्वर्ण पदक विजेता आद्या वरियाथ ने लोक चोंग लियोंग और वेंग चि एंग के खिलाफ पहला मैच 21-10, 21-9 से जीता। पुरुष एकल में 2021 विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने पांग फोंग पुइ को 21-16, 21-12 से हराया।

मालविका बंसोड ने महिला एकल में हाओ वाइ वान के खिलाफ 21-15, 21-9 से जीत दर्ज की।

चिराग शेट्टी और एम आर अर्जुन ने पुरुष युगल मुकाबले में चिन पोन पुइ और कोक वेन वोंग को 21-15, 21-19 से हराया। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने एंग वेंग चि और पुइ चि वा को 21-10, 21-5 से मात दी।

लीजेंड लीग पर आग बरसा रहा है शिखर धवन का बल्ला, खेली शानदार नाबाद अर्धशतकीय पारी

रायपुर (छत्तीसगढ़) (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन लीजेंड 90 लीग में बल्ले से आग बरसाते नजर आ रहे हैं। उन्होने अपने पिछले मैच में बिग बॉयस के खिलाफ नाबाद 50 रनों की शानदार पारी खेली।

आठ से 18 फरवरी तक चलने वाली इस लीग में शिखर के अलावा लेंडल सिमंस, थिसारा परेरा, रॉस टेलर और मार्टिन गप्टिल जैसे कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेल रहे हैं। दिल्ली रॉयल्स का प्रतिनिधित्व कर रहे धवन ने लीग का हिस्सा बनने पर खुशी जाते हुए कहा कि, च्च् यह टूर्नामेंट रिटायड खिलाड़ियों को एक बार फिर उसी रोमांच को जीने का मौका दे रहा है, जो कभी उनका हिस्सा हुआ करता था। उन्होंने कहा कि, च्च् लीग को बहुत अच्छे तरीके आयोजित किया गया है। चाहे मैदान हो, विकेट हो, ड्रेसिंग रूम की व्यवस्था हो, सभी चीजें बहुत बढ़िया हैं, खासकर प्रशंसकों से जिस तरह का प्यार मिल रहा है, वह देखने लायक है।

90 बॉल क्रिकेट का या फटाफट प्रारूप हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए एक अलग ही अनुभव है। हमने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जबरदस्त प्रेशर के साथ खेला है, लेकिन यहां हम खेल पर फोकस करने के साथ ही एंजॉय भी कर सकते हैं। शिखर ने कहा, इस लीग का क्रेज बहुत जबरदस्त है और मुझे पूरा यकीन है कि मैदान के अंदर और बाहर दोनों ही जगह दर्शकों से इसे भरपूर प्यार मिलने वाला है। प्रशंसक इसका सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं। डिजिटल स्ट्रीमिंग फैन कोड और सोनी लिव पर उपलब्ध है।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अनिल कुंबले ने त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी

महाकुम्भनगर (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अनिल कुंबले ने पत्नी चेतना रामतीर्था के साथ माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के बाद बुधवार को दोनों ने सूर्य को अर्घ्य दिया और पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की। उन्होंने नाव पर सवार होकर सेल्फी भी सोशल मीडिया में अपलोड की और माघ पूर्णिमा पर पूर्ण चंद्रमा की छवि भी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बने कुंबले महाकुम्भ की भव्यता और आध्यात्मिक ऊर्जा से अभिभूत नजर आए। कुंबले ने संगम स्नान के बाद अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कीं। उन्होंने अपनी तस्वीरों के साथ सिफ एक शब्द लिखा 'ब्लेस्ड (आशीर्वाद)। इससे उनका तात्पर्य यही था कि त्रिवेणी संगम में स्नान कर उन्हें भी पुण्य की प्राप्ति हुई और तीर्थराज प्रयागराज का आशीष मिला।

अपनी फिरकी से विरोधी बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाने वाले अनिल कुंबले मंगलवार को ही प्रयागराज पहुंच गए थे। हालांकि त्रिवेणी स्नान के लिए उन्होंने माघ पूर्णिमा का पावन दिन चुना।

नीरज चोपड़ा ने मोटापे से लड़ने का दिया संदेश, प्रधानमंत्री मोदी ने किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा के एक सोशल मीडिया पोस्ट को कोट करते हुए एक प्रेरणादायक संदेश दिया। नीरज चोपड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा था कि स्वस्थ रहने के लिए आपको एथलीट या फिटनेस उत्साही होने की आवश्यकता नहीं है।

पोस्ट में नीरज ने एक लेख साझा किया था। नीरज चोपड़ा के इसी पोस्ट को कोट करते हुए पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि नीरज चोपड़ा द्वारा लिखा गया एक ज्ञानवर्धक और प्रेरक लेख, जो मोटापे से लड़ने और स्वस्थ रहने की आवश्यकता पर जोर देता है। इससे पहले नीरज चोपड़ा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक लेख शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, स्वस्थ रहने के लिए आपको एथलीट या फिटनेस उत्साही होने की आवश्यकता नहीं है। मोटापे के खिलाफ लड़ाई एक ऐसी चीज है जिसका हमें डटकर सामना करना होगा। आइए हम सब मिलकर भारत को फिट बनाने के माननीय पीएम नरेंद्र मोदी जी के सपने का समर्थन करें! नीरज चोपड़ा ने अपने लेख में कहा था कि जब मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारत में मोटापे से लड़ने का आह्वान सुना, तो यह मेरे दिल को छू गया। मैं पहले से ही जानता था कि अधिक वजन होने से क्या संघर्ष होता है, इससे क्या कलंक लगता है और खेल और फिटनेस से क्या बड़ा बदलाव आ सकता है। मेरा खुद का सफर - एक अधिक वजन वाले बच्चे से लेकर ओलंपिक पोडियम तक - दृढ़ संकल्प, सही मानसिकता और अनुशासित दृष्टिकोण का परिणाम रहा है। अगर हमारे पास ये सभी दृष्टिकोण हैं, तो कोई भी बाधा पार कर सकते हैं। नीरज ने आगे लिखा था कि मोटापा सिर्फ़ शारीरिक दिखावट से जुड़ा नहीं है, यह स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती से जुड़ा है।

आज, भारत में सभी आयु समूहों में मोटापे में खतरनाक वृद्धि देखी जा रही है। बचपन में मोटापा एक गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है, क्योंकि ज़्यादा से ज़्यादा युवा लोग फास्ट फूड, स्क्रीन पर बहुत ज्यादा समय बिताने और शारीरिक गतिविधियों की कमी के कारण गतिहीन जीवनशैली अपना रहे हैं। इससे न सिर्फ़ उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है, जिससे उनका आत्म-सम्मान कम होता है और मधुमेह और हृदय संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

छेड़खानी के आरोपी को कोर्ट ने सुनाई सज़ा

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश(एडीजे) सह स्पेशल पोक्सो कोर्ट के जज लक्ष्मीकांत मिश्रा ने बुधवार को ओबरा थाना कांड संख्या-93/22, पोक्सो जीआर संख्या-11/22 में सज़ा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए एकमात्र अभियुक्त चपरी निवासी सूर्यमल कुमार को सज़ा सुनाई। स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि अभियुक्त को कोर्ट ने 10 फरवरी को विभिन्न धाराओं में दोषी करार देते हुए बंधपत्र विखंडित कर जेल भेज दिया था। मामले में आज सज़ा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अभियुक्त को भादंवि की धारा-354, पोक्सो एक्ट की धारा-08 और 12 में तीन-तीन साल कैद की सजा सुनाई और दस-दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना नही देने पर कोर्ट ने तीन महीने अतिरिक्त साधारण कारावास का प्रावधान किया है। सभी सजाएं साथ साथ चलेगी।अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि नाबालिग पीड़िता ने स्वयं थाना में आकर 26 फरवरी 2022 को अभियुक्त के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। कहा था कि ओबरा बाजार से लौटते समय हनुमान मंदिर चपरी के पास पूर्व से घात लगाए बैठे अभियुक्त ने हमें पकड़ कर छेड़छाड़ शुरू किया। विरोध करने पर बाल पकड़ कर पटक दिया और सुनसान जगह ले जाने लगा। मेरे रोने की आवाज सुनकर गांव वाले जुटने लगे तो अभियुक्त धमकी देकर भाग गया था।

राष्ट्रपति और वित्तमंत्री पर गांधी परिवार की टिप्पणी संविधान का अपमान

पटना (नि. सं.)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने देश की पहली महिला वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के कटाक्ष की निंदा की है। बुधवार को जारी बयान में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल से केन्द्रीय सत्ता से बाहर रहने के बाद भी गांधी परिवार लोकतंत्र की सच्चाई को स्वीकार नहीं कर पाया। उनकी रस्सी जल गई पर ऐंठन बाकी है। उन्होंने कहा कि पहले सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बेचारी महिला (पुअर लेडी) कहकर उनका अपमान किया। राहुल गांधी ने उनके अभिभाषण को बोरिंग बताया और अब पहली बार सांसद बनीं प्रियंका वाड्रा लोकसभा में लगातार आठवीं बार बजट पेश करने वाली वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण के आर्थिक ज्ञान पर सवाल उठा रही हैं। प्रियंका वाड्रा का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें अभी भी लगता है कि यहां राजतंत्र है। उनके परिवार से कोई भी सत्ता में नहीं है। यह दर्द या कॉम्प्लेक्स उनके बयानों से टपकता रहता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वे सोचते हैं कि यदि उनके परिवार का या परिवार की पसंद का कोई व्यक्ति देश का राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या वित्त मंत्री न बने तो वे उसका अपमान कर सकते हैं। गांधी परिवार को पता होना चाहिए कि देश में लोकतंत्र है, संविधान से चलता और जनता तय करती है कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री कौन होगा।

रेल ट्रैक से मिला युवक का शव

- सुसाइड की आशंका

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के अनुग्रह नारायण रोड रेलवे स्टेशन के पास एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव बरामद कर उसकी पहचान ओबरा थाना क्षेत्र के शंकरपुर निवासी अभिषेक कुमार (30) के रूप में की है। मृतक के परिजनों को जब सूचना मिली तो वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि अभिषेक मंगलवार शाम किसी काम से जम्होर बाजार के लिए घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं आया। काफी तलाश के बावजूद उसका कुछ पता नहीं चला। बुधवार सुबह रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

संभावित कारण और पुलिस जांच

परिजनों के अनुसार, अभिषेक संभवतः जम्होर से रेल ट्रैक के रास्ते घर लौट रहा था, तभी ट्रेन की चपेट में आ गया। हालांकि, इलाके में यह चर्चा है कि घर में किसी बात को लेकर उसका परिजनों से विवाद हुआ था, जिसके बाद वह गुस्से में घर से निकला था। ऐसे में स्थानीय लोग सुसाइड की आशंका जता रहे हैं। थानाध्यक्ष राजकिशोर प्रसाद ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, औरंगाबाद भेज दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है ताकि मौत की असली वजह स्पष्ट हो सके। अभिषेक की मौत से उसके गांव शंकरपुर में मातमी सन्नाटा पसरा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह दुर्घटना थी या आत्महत्या।

चार किसानों के खलिहान में लगी आग, हजारों का नुकसान, प्रशासन ने दिया मुआवजे का आश्वासन

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र स्थित वर्मा गांव में बुधवार को चार किसानों के खलिहान में भीषण आग लग गई। इस आग में खलिहान में रखा पुआल जलकर राख हो गया, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ। प्रभावित किसानों में शिव महतो, सत्येंद्र मेहता, रामराज साव और रामस्वरूप साव शामिल हैं। गांव में अचानक धुआं और आग की लपटें उठती देख ग्रामीणों ने शोर मचाकर अन्य लोगों को सूचना दी। तत्काल पुलिस को जानकारी दी गई, जिसके बाद कुटुंबा पुलिस ने फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाया। हालांकि, जब तक दमकल की गाड़ियां पहुंचती, तब तक खलिहान पूरी तरह जलकर राख हो चुका था। पंचायत समिति सदस्य अजय मेहता ने बताया कि अगर समय पर आग नहीं बुझाई जाती, तो अन्य किसानों के खलिहान भी आग की चपेट में आ सकते थे।

घटना के बाद किसानों ने बताया कि धान कटाई के बाद उन्होंने पुआल को खलिहान में ही रखा था, ताकि बाद में इसे कुट्टी कटवाकर मवेशियों के चारे के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। लेकिन आग लगने के कारण अब उनके पास मवेशियों को खिलाने के लिए चारा भी नहीं बचा। इस घटना में किसानों को लगभग 50 से 60 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। आग कैसे लगी, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। घटना की जानकारी प्रशासन को दे दी गई है। कुटुंबा थानाध्यक्ष अक्षयवर सिंह ने बताया कि अभी तक किसी भी किसान ने लिखित शिकायत नहीं दी है। आवेदन मिलने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अंचल अधिकारी चंद्र प्रकाश ने कहा कि राजस्व कर्मचारी को भेजकर किसानों को हुए नुकसान का आकलन कराया जाएगा और सरकारी प्रावधान के अनुसार उन्हें मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

डबल इंजन की सरकार में दोगुना नहीं छह गुना हो रहा विकास : प्रमोद सिंह

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

विधानसभा चुनाव में रफीगंज से लोजपा (रामविलास) के प्रत्याशी रहे प्रदेश महासचिव प्रमोद सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान औरंगाबाद को मिली सौगातों के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा का विशेष योगदान रहा है। एनडीए के सभी नेता बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित हैं और लगातार बिहार हित में काम कर रहे हैं।

प्रमोद सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपनी यात्रा के दौरान जिलेवासियों के लिए विकास की नई राह खोली है। कभी नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे देव के बेढ़नी की तकदीर और तस्वीर बदलने के लिए कई योजनाओं की घोषणा की गई। इसके साथ ही छठ पर्व के दौरान भगवान भास्कर की नगरी देव में छठव्रतियों को किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसके लिए रिंग रोड की सौगात देकर मुख्यमंत्री ने देववासियों को बड़ी राहत दी है।

उन्होंने कहा कि बिहार की मांग पर केंद्र सरकार ने विशेष पैकेज दिया, जिसका राज्य सरकार द्वारा पूरी तरह से सदुपयोग किया जा रहा है। बिहार की जनता इसे समझती है और जानती है कि विकास के लिए एनडीए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। लोजपा नेता ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में राज्य में दोगुना नहीं, बल्कि छह गुना विकास हो रहा है। लेकिन कुछ लोग अपनी कुत्सित मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं और जिले को मिले 600 करोड़ रुपये की सौगात को अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि बताने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि जनता सब कुछ जानती है और समझती है कि वास्तविक विकास कौन कर रहा है और कौन सिर्फ अपनी उपलब्धियों का झूठा प्रचार कर रहा है।

ट्रामा सेंटर और मेडिकल कॉलेज की सौगात

औरंगाबाद दो राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ा जिला है, ऐसे में यहां ट्रामा सेंटर और मेडिकल कॉलेज की मांग लंबे समय से की जा रही थी। मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के दौरान इस पर सहमति जताते हुए जिला प्रशासन को जल्द से जल्द भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया। प्रमोद सिंह ने कहा कि यह पूरे जिलेवासियों के लिए बड़ी सौगात है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विशेष धन्यवाद किया।

नाबालिग को भगाकर दुष्कर्म के आरोपी को कोर्ट ने दिया दोषी करार

औरंगाबाद(एसवीवी सं.)। औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश(एडीजे) सह स्पेशल पोक्सो कोर्ट के जज लक्ष्मीकांत मिश्रा ने बुधवार को बारूण थाना कांड संख्या-171/23 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए एकमात्र अभियुक्त को दोषी ठहराया। स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि काराधीन अभियुक्त बारूण के धनौती निवासी विपिन कुमार को कोर्ट ने भादंवि की धारा-363, 366, 376 और पोक्सो एक्ट बी धारा-04 में दोषी करार दिया। सज़ा के बिंदु पर सुनवाई 14 फरवरी को होगी। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि मामले की प्राथमिकी कतौर सूचक पीड़िता के पिता ने 24 अप्रैल 2023 को दर्ज कराई थी। कहा था कि 20 अप्रैल 2023 को पत्नी की अनुपस्थिति में अभियुक्त हमारी नाबालिग लड़की को भगा ले गया। जब हम इसकी जानकारी लेने लड़के के घर गए तो लड़के वाले गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गए। तब लड़की की बरामदगी और न्याय के लिए थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई।

नशे में धुत ट्रक चालक ने पूर्व विधायक की कार में मारी टक्कर, बाल-बाल बचें

गोह(औरंगाबाद)(नि.सं.)। गोह के जगतपति चौक के पास शराब के नशे में धुत एक ट्रक चालक ने गोह के पूर्व विधायक डॉ. रणविजय कुमार की कार में पीछे से टक्कर मार दी जिससे कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि कार में सवार लोगों को किसी तरह से नुकसान नहीं पहुंचा।

टक्कर के बाद ट्रक चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन पूर्व विधायक के बॉडीगार्ड ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मामले में पूर्व विधायक डॉ. रणविजय कुमार ने गोह थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में गोह थाना क्षेत्र के बाजार बर्मा गांव निवासी ट्रक चालक नीतीश कुमार को आरोपी बनाया गया है। प्राथमिकी में उल्लेख किया गया है कि जगतपति चौक के पास रफीगंज रोड में वें कार रोक कर सामान खरीद रहे थें। इसी दौरान चालक ने लापरवाही से ट्रक चलाते हुए कार में टक्कर मार दी। मामले में गिरफ्तार चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल अधिनियम व शराब अधिनियम के तहत कांड दर्ज कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

संत शिरोमणि संत रैदास की जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

रफीगंज प्रखंड के माड़ीपुर गांव में रवि युवा क्लब द्वारा संत शिरोमणि संत रैदास की जयंती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि मुखिया गुड़िया देवी, पैक्स अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, नगर पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष हरेंद्र कुमार, जिला पार्षद विकास कुमार, भाजपा के कोषाध्यक्ष शिवनारायण साव, कांग्रेस नेता डॉ. तुलसी यादव, सरपंच प्रतिनिधि सिकंदर कुमार, रामाशीष दास, सतेंद्र कुमार रवि, सिकंदर कुमार, डॉ. अखिलेश कुमार रवि, राजकुमार रवि एवं विनोद कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर एवं फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विनोद कुमार ने की जबकि संचालन सतेंद्र कुमार रवि ने किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने संत रैदास की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान बिरहा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार यादव ने संगीत के माध्यम से संत रैदास के जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर रामजीवन दास, लालू यादव, ई. दीपक कुमार, सीताराम दास, कमलेश कुमार रवि, अशोक कुमार, विजय कुमार, मनोज कुमार, शिवशंकर कुमार, उतम कुमार, निरंजन कुमार, लल्लू यादव, अखिलेश कुमार रवि, दीपक कुमार के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

एनसीसी का पांच दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर शुरू, 300 कैडेट ले रहे भाग

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिले में 13 बिहार बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में पांच दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-19 का आयोजन किया गया है। यह शिविर रोहतास जिले के तिलौथू स्थित राधा शांता कॉलेज में 12 फरवरी से 16 फरवरी तक चलेगा। कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल प्रदीप कुमार तक्षक ने शिविर का शुभारंभ किया, जिसमें औरंगाबाद, रोहतास और आरा के लगभग 300 एनसीसी कैडेट, जिनमें लड़के और लड़कियां दोनों शामिल हैं, भाग ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स को सैन्य अनुशासन, शारीरिक फिटनेस और बुनियादी रक्षा तकनीकों में दक्ष बनाना है, ताकि वे भविष्य में सेना सहित अन्य सुरक्षा सेवाओं के लिए तैयार हो सकें।

शिविर में कैडेट्स को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें ड्रिल, मैप रीडिंग, फायरिंग, शारीरिक प्रशिक्षण और सामूहिक गतिविधियों की ट्रेनिंग शामिल है। इसके अलावा, नेतृत्व कौशल और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियां भी सिखाई जा रही हैं। यह प्रशिक्षण 'सी' सर्टिफिकेट परीक्षा की तैयारी में मदद करेगा, जो 15 और 16 फरवरी को इसी शिविर में आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा को सफलतापूर्वक पास करने वाले कैडेट्स को सेना में भर्ती होने के लिए अतिरिक्त लाभ मिलेगा और अन्य सरकारी और रक्षा सेवाओं की परीक्षाओं में भी सहायता मिलेगी।

इस शिविर में भाग ले रहे कैडेट्स के बीच जबरदस्त जोश और उत्साह देखा जा रहा है। वे अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल प्रदीप कुमार तक्षक ने कहा कि एनसीसी का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर, अनुशासित और देश सेवा के लिए समर्पित बनाना है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की कार्यशैली एवं अनुशासन प्रणाली से अवगत कराया जाएगा, जिससे वे भविष्य में इन सेवाओं के लिए खुद को तैयार कर सकें। शिविर के दौरान कैडेट्स के स्वास्थ्य और सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इसके लिए मेडिकल टीम को तैनात किया गया है, जो नियमित रूप से सभी कैडेट्स की स्वास्थ्य जांच कर रही है। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्राथमिक चिकित्सा केंद्र भी कैंपस में स्थापित किया गया है।

बिहार में पहली बार अंडा हैचिंग योजना होगी शुरू

निज संवाददाता | पटना

बिहार में पहली बार अंडा से चूजा तैयार करने के लिए हैचिंग योजना शुरू होगी। इसमें ब्रीडर फार्म सह हैचरी का निर्माण होगा। ब्रीडर फार्म में अच्छे नस्ल की मुर्गी का अंडा तैयार करने के बाद चूजा तैयार किए जाएंगे। इसके लिए पशु व मत्स्य संसाधन विभाग ने योजना तैयार की है। इस योजना को उच्च स्तरीय कमेटी से स्वीकृति भी मिल चुकी है। माना जा रहा है कि नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही यह योजना शुरू हो जाएगी। प्रतिदिन 9 हजार चूजा तैयार करने के लिए बड़ी हैचिंग यूनिट लगेगी। एक यूनिट लगाने पर 3 करोड़ 50 लाख की राशि खर्च होगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए लोगों को अनुदान भी मिलेगा। राज्य के सभी जिलों में इस योजना का लाभ लिया जा सकता है। योजना की कुल लागत राशि का लगभग 30 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान होगा। ब्रीडर फार्म सह हैचरी यूनिट में 9 हजार मुर्गी और एक हजार मुर्गा होगा। इस यूनिट के लगने से राज्य में अंडा उत्पादन बढ़ने के साथ ही मांस उत्पादन भी बढ़ेगा। अभी तक राज्य में अंडा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रतिदिन 5 हजार और 10 हजार क्षमता की लेयर फार्मिंग योजना है। लेयर फार्मिंग योजना में सामान्य, पिछड़ा व अतिपिछड़ा वर्ग के किसानों को 30 प्रतिशत और एससी-एसटी वर्ग के किसानों को 40 प्रतिशत अनुदान मिलता है। अभी तक चूजा तैयार करने की योजना नहीं थी।

राष्ट्रीय औसत की तुलना में वर्तमान बिहार में अंडा की उपलब्धता कम (करीब 27 फीसदी) है। देश में सालाना प्रति व्यक्ति 103 अंडा की उपलब्धता है, जबकि बिहार में सालाना प्रति व्यक्ति 27 अंडा की उपलब्धता है। नई योजना शुरू होने से बिहार में प्रति व्यक्ति अंडा की उपलब्धता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इसके साथ ही लोगों को रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। गरीब परिवार की महिलाओं को कम दर पर 28 दिनों का चूजा देने की योजना क्रियान्वयन में भी मदद मिलेगी। एक चूजा की कीमत लगभग 70 से 80 रुपए होगी।

जदयू के जिला सचिव का हार्ट अटैक से निधन राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक

निज सं | नवीनगर (औरंगाबाद)

जदयू के जिला सचिव सह सामाजिक कार्यकर्ता मुरारी रजक का मंगलवार की रात हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे नवीनगर प्रखंड के तोल गांव के निवासी थे। उनके असामयिक निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

निधन की सूचना मिलते ही औरंगाबाद के पूर्व सांसद एवं नवीनगर के पूर्व विधायक वीरेंद्र कुमार सिंह उनके घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि मुरारी रजक पार्टी के सक्रिय नेता थे और हमेशा सामाजिक कार्यों में आगे रहते थे। उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और ईश्वर से परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य देने की कामना की।

बुधवार को मुरारी रजक का अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन से जदयू कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में शोक की लहर है। लोग उन्हें एक कर्मठ और जनसेवी नेता के रूप में याद कर रहे हैं।

लूट गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

पटना (नि.सं.)। पटना के मसौढ़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार को लूटपाट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चार शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उनके पास से लूटी गई मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। मसौढ़ी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी नव वैभव के अनुसार, 20 जनवरी को धनी चक्र के पास तीन बदमाशों ने मोल कुमार से मारपीट कर उनकी मोटरसाइकिल और मोबाइल लूट लिया था। इसी गिरोह ने एक फरवरी को भगवानगंज थाना क्षेत्र में सनी कुमार से हथियार के बल पर बाइक और मोबाइल छीना था। दोनों वारदातों के बाद पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की मदद से संतु कुमार, रोहित कुमार, उपेंद्र कुमार और सूरज कुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटी गई दो मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन के साथ-साथ वारदात में इस्तेमाल की गई बुलेट भी जब्त की है।

हर घर नल का जल

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग

एक और महत्वपूर्ण पहल

बिहार सरकार

अब स्वच्छ नीर मोबाइल एप्प के माध्यम से भी दर्ज कर सकेंगे

जलापूर्ति से सम्बंधित शिकायत

इस प्रकार आपका शिकायत दर्ज कर लिया जायेगा और समाधान हेतु सबंधित पदाधिकारी को अग्रसारित कर दिया जायेगा

स्वच्छ नीर एप्प से कैसे दर्ज करें शिकायत :

- कैमरा/ गूगल लेंस से QR कोड स्कैन करें
- स्कैन के बाद दिए गये लिंक पर क्लिक कर अथवा इस https://phed bihar.gov.in/ पर जाकर एप्प डाउनलोड करें
- डाउनलोड के बाद मोबाइल नंबर डालें एवं OTP डालकर वेरीफाई कर लें
- अब शिकायत दर्ज करने हेतु 'Register Complaint' पर क्लिक करें
- शिकायत की विवरणी में मागी गयी सूचनाओं को भरें|
- शिकायत सम्बंधित फोटोग्राफ को अपलोड करने हेतु स्थल पर जाकर Capture Image पर क्लिक करें
- सबमिट (Submit) पर क्लिक करें
- शिकायत दर्ज होते हीं 'Success : Complaint submitted successfully' मेसेज दिखेगा .

QR कोड स्कैन कर स्वच्छ नीर एप्प डाउनलोड करें

PR No.- 019344 (PHED)D. 2024-25

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार द्वारा जनहित में जारी...